दैनिक
बढ़ता राजस्थान

संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर एवं कोटा

Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष : 14 | अंक : 310 | जयपुर | शनिवार, 14 सितम्बर, 2024 | भाद्रपद, शुक्ल पक्ष एकादशी संवत्-2081 | भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य : ₹2 | पृष्ठ : 12

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

केजरीवाल 177 दिन बाद जेल से बाहर

सच्चा था इसलिए भगवान ने साथ दिया; सुप्रीम कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े सीबीआई केस में जमानत दी : सीएम केजरीवाल

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार (13 सितंबर) शाम करीब 6.15 बजे तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। वे 177 दिन बाद जेल से निकले। इससे पहले शुक्रवार सुबह सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई केस में केजरीवाल को जमानत दी थी। अदालत ने जमानत के लिए वही शर्तें लगाई हैं, जो ईडी केस में बेल देते वक्त लगाई गई थीं। केजरीवाल के खिलाफ 2 जांच एजेंसी (ईडी और सीबीआई) ने केस दर्ज किया है। ईडी मामले में उन्हें सुप्रीम कोर्ट से 12 जुलाई को जमानत मिली थी। आप ने इस फैसले को सत्य की जीत बताया है। शराब नीति केस में एन्फोर्समेंट डायरेक्ट्रेट (ईडी) ने उन्हें 21 मार्च को अरेस्ट किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा:

1. अगर कोई व्यक्ति पहले से हिरासत में है। जांच के सिलसिले में उसे दोबारा अरेस्ट करना गलत नहीं है। सीबीआई ने बताया है कि उनकी जांच क्यों जरूरी थी।
2. याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी अवैध नहीं है। सीबीआई ने नियमों का कोई उल्लंघन नहीं किया है। उन्हें जांच की जरूरत थी। इसलिए इस केस में अरेस्टिंग हुई।

शराब नीति केस- केजरीवाल 156 दिन जेल में बिता चुके

केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। 10 दिन की पूछताछ के बाद 1 अप्रैल को तिहाड़ जेल भेजा गया। 10 मई को 21 दिन के लिए लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए रिहा किया गया। ये रिहाई 51 दिन जेल में रहने के बाद मिली थी। 2 जून को केजरीवाल ने तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया। आज यानी 13 सितंबर को केजरीवाल की रिहाई हो जाती है तो उन्हें जेल गए कुल 177 दिन हो जाएंगे। इनमें से वे 21 दिन अंतरिम जमानत पर रहे। यानी केजरीवाल ने अब तक कुल 156 दिन जेल में बिताए हैं।

केजरीवाल बोले- जेल से बाहर आकर ताकत 100 गुना बढ़ी

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मेरे खून का एक-एक कतरा देश के लिए है। मेरा जीवन देश के लिए समर्पित है। इन लोगों को लगा कि मुझे जेल में डालकर मेरा हौसला तोड़ देंगे। आज मैं जेल से बाहर आ गया हूं और मेरे हौसले 100 गुना ज्यादा बढ़ गए हैं। मैं सच्चा था, मैं सही था इसलिए भगवान ने मेरा साथ दिया। ऊपर वाले ने मुझे रास्ता दिखाया, ऐसे ही भगवान रास्ता दिखाता रहे। ये राष्ट्रविरोधी ताकतें देश को जो अंदर से कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं मैं इनके खिलाफ ऐसे ही लड़ूं।

दिल्ली में केजरीवाल के पोस्टर लगाए

अरविंद केजरीवाल के स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं समेत मनीष सिसोदिया तिहाड़ के बाहर पहुंचे। दिल्ली में जगह-जगह केजरीवाल के पोस्टर लगाए गए हैं।

जेल के बाहर केजरीवाल के पोस्टर लगे

रिहाई से पहले तिहाड़ जेल के बाहर दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के पोस्टर लगाए गए। वह शाम तक बाहर आ जाएंगे।

गरीबों का हक छीन रहे हैं बाबू

हेराफेरी में 2 रुपये से 27 रुपये किलो हो गया गेहूं

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत एक बड़ा भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है, जिसमें गरीबों को 2 रुपये प्रति किलो की दर से दिया जाने वाला गेहूं सरकारी कर्मचारियों ने खुद ही खा लिया या बाजार में बेच दिया। यह योजना केंद्र सरकार द्वारा गरीब किसानों और निम्न आय वर्ग के लोगों को सस्ते दामों पर अनाज उपलब्ध कराने के लिए चलाई जा रही थी, ताकि कोई भी भूखा न रहे। लेकिन यह घटना दिखाती है कि किस तरह भ्रष्टाचार ने सरकारी तंत्र को खोखला कर दिया है और गरीबों के हक का अनाज उन तक नहीं पहुंच पाया।

इस घोटाले की जांच में यह पता चला है कि गरीबों के लिए निर्धारित 2 रुपये प्रति किलो गेहूं अब 27 रुपये प्रति किलो की दर से वसूला जा रहा है, जो कि गरीब वर्ग के लोगों के लिए बेहद कठिनाई पैदा कर रहा है। सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में लगभग 83,679 सरकारी कर्मचारी शामिल हैं, जिनका काम अनाज का वितरण सुनिश्चित करना है। इनमें दौसा जिले में सबसे ज्यादा 7,702 कर्मचारी तैनात हैं, जबकि जयपुर में 314 कर्मचारी इस योजना के अंतर्गत काम कर रहे हैं। यह घोटाला पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा करता है कि जब इतने सारे कर्मचारी नियुक्त हैं, तब भी गरीबों तक उनका हक क्यों नहीं पहुंच पाया? इस मामले के खुलासे के बाद सरकार ने योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और तकनीकी सुधार लाने के आदेश दिए हैं। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि आने वाले समय में किसी भी गरीब का हक न छीना जाए और जो भ्रष्ट कर्मचारी इस तरह की हरकतों में लिप्त हैं, उन्हें सख्त सजा दी जाए।

डिजिटल राशन वितरण प्रणाली और जीपीएस ट्रैकिंग के जरिए भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की योजना

इसके अलावा, सरकार अब यह सुनिश्चित करने के लिए नई नीतियां बना रही है कि राशन वितरण की प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल हो और हर लाभार्थी तक अनाज बिना किसी बाधा के पहुंचे। इसके लिए आधार कार्ड से लिंक राशन वितरण और तक्क सिस्टम से ट्रैकिंग जैसे सुधारों पर काम किया जा रहा है, ताकि भ्रष्टाचार पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

पूर्व मंत्री सुंदरलाल काका का निधन

सरकार बनाने के लिए भैरोंसिंह शेखावत हेलिकॉप्टर से लेने गए थे; बेटे का टिकट कटा तो रोने लगे

बढ़ता राजस्थान

पिलानी (झुंझुनूं)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुंदरलाल का 91 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। वे 5 सितंबर से जयपुर के स्व्स हॉस्पिटल में भर्ती थे, जहां गुरुवार देर रात 2:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। लोग उन्हें 'काका' कहकर बुलाते थे।

इससे पहले फेफड़ों में इंफेक्शन और सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें 23 अगस्त को भी एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसके कुछ दिन बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। जयपुर में अपने घर पर 22 अगस्त को उन्होंने अपना जन्मदिन मनाया था। सुंदरलाल काका की पार्थिव देह उनके पैतृक गांव झुंझुनूं जिले की बुहाना तहसील के कलवा पहुंची। यहां उनके निवास पर अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव देह को रखा गया।

गांव में स्थित फार्म पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान लोगों ने सुंदरलाल के पुत्र कैलाश मेघवाल को ढांढस बंधाया। राज्य सरकार के प्रतिनिधि के तौर पर खाद्य सुरक्षा मंत्री सुमित गोदारा ने पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित किया। इसके

अलावा पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा, पूर्व सांसद सन्तोष अहलावत, विधायक पितराम सिंह काला, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, जिला कलेक्टर रामावतार मीणा, एसपी शरद चौधरी, एडीएम रामरतन सौंकरिया, चिड़ावा उपखण्ड अधिकारी बृजेश कुमार गुप्ता, कन्हैया लाल बैरवा पूर्व चेयरमैन आरपीएससी, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारी लाल सैनी ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

सरकार ने पोर्ट ब्लेयर का नाम श्री विजयपुरम किया

शाह बोले- यह गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति, बोस और सावरकर जैसों के संघर्ष का स्थान

बढ़ता राजस्थान

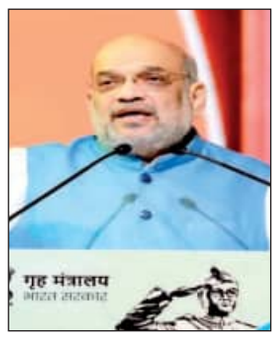

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार आइलैंड की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजयपुरम कर दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया ट्वीटर पर इसकी जानकारी दी। शाह ने कहा- देश को गुलामी के सभी प्रतीकों से मुक्ति दिलाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प से प्रेरित होकर आज गृह मंत्रालय ने पोर्ट ब्लेयर का नाम 'श्री विजयपुरम' करने का निर्णय लिया है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 23 जनवरी 2023 को नेताजी की 126वीं बर्थ एनिवर्सरी पर अंडमान और निकोबार आइलैंड के 21 द्वीपों का नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर करने का फैसला लिया था। 28 दिसंबर 2018 में अंडमान-निकोबार के हैवलॉक द्वीप, नील द्वीप और रॉस द्वीप के नाम बदले थे। हैवलॉक द्वीप को स्वराज द्वीप, नील द्वीप को शहीद द्वीप और रॉस द्वीप को नेताजी सुभाष चंद्र द्वीप नाम दिया गया।

पायलट बोले : सरकार में बिखराव, अलग-अलग सत्ता केंद्र बने

संगठन कुछ बोलता है, सरकार कुछ; इच्छाशक्ति हो तो आरपीएससी को भंग किया जा सकता है

बढ़ता राजस्थान

जोधपुर। कांग्रेस महासचिव और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा- सरकार में सत्ता के अलग-अलग केंद्र बन गए हैं। किसी को मालूम नहीं है कि मंत्री कैबिनेट में है या नहीं। संगठन कुछ बोलता है और सरकार कुछ बोलती है। सरकार में तीन लोग कुछ अलग बोलते हैं। पायलट ने कहा- ये बिखराव बहुत जल्दी हो गया। आमतौर पर तीन-चार साल बाद ये खिंचाव होता है सरकारों के अंदर। लेकिन यहां मैं देख रहा हूं कि बहुत शुरुआत में ही अलग-अलग सत्ता के केंद्र बन गए हैं। उसका नुकसान लोगों को होता है। पायलट ने जोधपुर में मीडिया के सवालों के जवाब में ये बात कही। आरपीएससी भंग करने की पायलट की मांग पर किरोड़ीलाल मीणा के बयान पर उन्होंने कहा- अगर सरकार की इच्छाशक्ति हो तो भंग किया जा सकता है।

सम्पादकीय कार्यालय:-डी-38,चौमू हाउस,सी-स्कीम,जयपुर(राज.) 302001, बून्दी, झालावाड़, बांरा,बहरोड़,,सुजानगढ़, रावतभाटा,अजमेर, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, सीकर, झुन्झुनू,खाटूश्याम जी, निम्बाहेड़ा, चूरु, धौलपुर, जौधपुर, उदयपुर, चाकसू,टोंक निवाई, पीपलू, मालपुरा, उनियारा, अलिगढ़, देवली, कोटपुतली, शाहपुरा, प्रागपुरा में प्रसारित

टाटा ब्लूस्कोप स्टील ने राजस्थान में प्लास्टिक कचरे को रीसाइकिल करने के लिए शुरू की सस्टेनेबिलिटी पहल

कोटेड स्टील चादरों की प्लास्टिक सुरक्षा फिल्म्स को जमा करने और उनके रीसाइकिलिंग करने में सहभागी होकर फ़ेब्रिकेटर्स को मिलेगी अतिरिक्त आय

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। कलर-कोटेड स्टील और बिल्डिंग समाधान बनाने वाली भारत की अग्रणी कंपनियों में से एक, टाटा ब्लूस्कोप स्टील ने राजस्थान में सस्टेनेबिलिटी पहल शुरू की है। टाटा ब्लूस्कोप स्टील का प्रमुख रिटेल ब्रांड ड्यूराशाइन0 के साथ इस्तेमाल की जाने वाली प्लास्टिक सुरक्षा फिल्म को जमा करने और प्लास्टिक कचरे के रीसाइकिलिंग के लिए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

ड्यूराशाइन0 एक प्रीमियम स्टील छत उत्पाद है। घरों, व्यवसायिक कार्यालयों और कारखानों में इस्तेमाल के लिए यह टिकाऊ और बहुत ही बेहतरीन दिखने वाला समाधान है। इन चादरों की सुरक्षा के लिए उन पर पतली प्लास्टिक सुरक्षा फिल्म लगी होती है, जो चादरों को ट्रांसपोर्टेशन और स्टोरेज के दौरान जंग और खरोचों से बचाती है, उनके कोटिंग और पेंट फिनिश को बरक़रार रखती है। टाटा ब्लूस्कोप स्टील चादरों के इंस्टॉलेशन के बाद इस सुरक्षा फिल्म को तुरंत निकालने की सलाह देती है, ताकि उनका निपटान और रीसाइकिलिंग सही से हो सकें।टाटा ब्लूस्कोप स्टील के उपाध्यक्ष (बिल्डिंग प्रोडक्ट्स - इन्फ्रा, सेफ्टी, सस्टेनेबिलिटी और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन) श्री अजय रतन ने कहा, फ़टाटा ब्लूस्कोप स्टील अपने सभी कामों में सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। स्थानीय फ़ेब्रिकेटर्स और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त रीसाइकिलर के साथ सहयोग करके हम प्लास्टिक कचरे का निपटान करते हुए समुदाय का भी समर्थन कर रहे हैं। इस पहल को सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। समाज और पर्यावरण की भलाई का पूरा ध्यान रखने वाली व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को इस पहल में दर्शाया गया है।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर का बारहवां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

ऐसे शोध और अनुसंधान को बढ़ावा मिले जिससे भारत कृषि क्षेत्र में अग्रणी बनें

राज्यपाल ने कहा वर्षा जल संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य हो

बढ़ता राजस्थान

जयपुर(का.स.)। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने वर्षा जल संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य करने के साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों में इस तरह के शोध और अनुसंधान को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया है, जिससे भारत कृषि क्षेत्र में विश्वभर में अग्रणी बन सके। उन्होंने कहा कि उत्पादन, ग्रेडिंग, पैकिंग के काम घर में ही करने की शिक्षा प्रदान कर किसान हित में अधिकाधिक कदम उठाए जाएं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रसार शिक्षा के अंतर्गत किसानों के लिए क्रियान्वित केन्द्र व राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं का अधिकाधिक प्रसार किए जाने पर भी जोर दिया ताकि आम किसान को प्रत्यक्ष उनका लाभ सके। श्री बागडे शुक्रवार को श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के बारहवें स्थापना दिवस पर संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने विश्वविद्यालय के डेयरी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के भवन का भी लोकार्पण किया।

श्री बागडे ने कहा कि यह समय वर्षा का है। इस बार सभी स्थानों पर अच्छी वर्षा हो रही है। वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए सभी मिलकर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हर बार अच्छी वर्षा होगी, यह भरोसा नहीं किया जा सकता। इसलिए हो रही वर्षा के पानी को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि यह जलवायु परिवर्तन का दौर है। कृषि पर भी बहुत से संकट हैं। इस दौर में अधिकाधिक पौधे लगाकर और प्राकृतिक खेती को अपनाकर ही हम देश का विकास कर सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि खेतों अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो रही है। इससे उत्पादित फसल के उपयोग से कैंसर जैसे असाध्य रोग हो रहे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि प्राकृतिक खेती की ओर लौटा जाए। उन्होंने उद्यानिकी और कृषि में तकनीक के प्रयोग से अधिक उत्पादन का भी आह्वान किया।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से संवाद किया, कृषि पशुपालन उत्पादों की प्रदर्शनी देखी

राज्यपाल ने इससे पहले कृषि शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि कृषि को स्वयं की उद्यमिता में बदलें। नौकरी की बजाय कृषि क्षेत्र को ही भविष्य के लिए चुनें ताकि देश आपके ज्ञान, अर्जित शिक्षा से कृषि क्षेत्र में अग्रणी बन सके। उन्होंने कृषि और पशुपालन से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी भी देखी और सराहना की।

श्री बागडे ने कृषि शिक्षा के अंतर्गत युवाओं को खेती के लिए प्रेरित करने। खाद्य प्रसंस्करण और अन्य कृषि उत्पादों में उद्यमिता विकास के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। उन्होनें कहा कि खेती लाभकारी कैसे हो, इस पर सब मिलकर प्रयास करें। उन्होनें कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि यह सुखद है कि आजादी से पहले यहां कृषि शिक्षा के लिए इस तरह के प्रयास हुए हैं।

उन्होंने खेती और पशुपालन के लिए व्यावहारिक सोच रखते हुए कार्य करने पर जोर दिया। इस अवसर पर राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष श्री सी.आर. चौधरी और सांसद श्री राव राजेंद्र सिंह ने भी विचार रखे।

सप्तम् दिवस को श्री राम कथा की हुयी पूर्णाहुति

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। वृंदावन निवासी पूज्यपाद शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री रामजी बाबा कोकिल जी महाराज के श्रीमुख सें ओजस्वी, सारगर्भित एवम् रसीली वाणी में विश्राम दिवस की कथा में प्रभु श्रीराम कथा की पूर्णाहुति के अवसर पर भरत चरित्र का मार्मिक चित्रण प्रस्तुत गया। तत्पश्चात् हनुमान चरित्र, रावण वध एवम् श्रीराम के राजतिलक इत्यादि महत्वपूर्ण प्रसंगों का वर्णन किया गया।

श्री कोकिल सत्संग समिति एवम् व्यास पीठ द्वारा अयोध्या के प्रमुख संतों एवम् विद्वान आचार्यों को सम्मानित किया गया। श्री राम कथा ज्ञान महायज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर पर सभी भक्तजन सनातनी परम्परा की मजबूती में एक और कदम बढ़ाते हुए वर्ष 2025 में हरिद्वार में आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान महायज्ञ महोत्सव के सहभागी

होने की आशा के साथ कथा स्थल से प्रस्थान किया।

स्नेह मिलन व सामूहिक गोठ रविवार को

अखिल भारतीय विजयवर्गीय (वैश्य) महासभा जयपुर प्रदेश का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.) । अखिल भारतीय विजयवर्गीय (वैश्य) महासभा जयपुर प्रदेश की सामूहक गोठ व स्नेह मिलन कार्यक्रम रविवार 15 सितम्बर को जगतपुरा स्थित बॉम्बे हास्पीटल के पास शुभारम्भ गार्डन में होगा। महासभा के विरष्ठ उपाध्यक्ष नवल किशोर विजयवर्गीय, दुब्बी वाले ने बताया कि शाम 4 बजे दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद वृंदावन के बांसुरी ग्रुप की तरफ से श्रीकृष्ण की लीलाओं की प्रस्तुत होगी। भजन भी होंगे। इसके बाद स्नेह भोज होगा।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में मानसिक स्वास्थ्य इकाई का शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, मानद विश्वविद्यालय जयपुर के अस्पताल की ओपीडी संख्या 25 में शुक्रवार को मानसिक स्वास्थ्य इकाई का शुभारंभ प्रो संजीव शर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रो रमाकांत यादव, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान दिल्ली, प्रो राकेश शर्मा राजीव गांधी आयुर्वेद महाविद्यालय पपरोला, प्रो. एच एम एल मीना, विभागाध्यक्ष, क़ाय चिकित्सा विभाग उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो संजीव शर्मा ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य इकाई के द्वारा चिकित्सालय में आने वाले रोगियों को मानसिक स्वास्थ्य हेतु एंजायटी, डिप्रेशन एवं अन्य मानसरोगो की काउंसलिंग करने के साथ आयुर्वेद पद्धति से चिकित्सा की जाएगी। इस ओपीडी का संचालन संस्थान के क़ाय चिकित्सा विभाग के अंतर्गत किया जाएगा। क़ाय चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो एच एम एल मीना ने बताया की मानसिक स्वास्थ्य हेतु राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के अस्पताल भवन की ओपीडी संख्या 25 में प्रत्येक शुक्रवार को काउंसलिंग ओर चिकित्सा की जायेगी। आईपीडी में भर्ती मरीजों को पंचकर्म पद्धति से चिकित्सा की जाएगी। मानसिक स्वास्थ्य हेतु योग, उचित जीवन शैली ओर मन के स्वास्थ्य के लिए उचित मेंटल हेल्थ एजुकेशन दी जाएगी।कार्यक्रम में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी, संस्थान के चिकित्सालय अधीक्षक, उपाधीक्षक, डीन, उपस्थित रहे।

हिंदी दिवस पर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी की शुभकामनाएं –भारतीय संस्कृति की सच्ची परिचायक है हिंदी - देवनानी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने हिंदी दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा है कि हिंदी समृद्ध भाषा है। भारत की राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने में हिंदी भाषा का बहुत बड़ा योगदान है। एक भाषा के रूप में हिंदी भारत की पहचान के साथ भारतीय जीवन मूल्य, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक है। हिंदी सरल, सहज और सुगम भाषा है। हिंदी भाषा को दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मिलते हैं। श्री देवनानी ने कहा कि हिंदी भाषा का महत्व अब विदेशी धरती पर भी बड़ा है। यह आपसी सौहार्द को बढ़ाने वाली भाषा है। हिंदी भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

UPS के विरोध में ओर OPS बहाली के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ जयपुर मंडल द्वारा निकाली गई विशाल रैली किया सभा का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

फुलेरा (नि.स)। उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ जयपुर मंडल द्वारा भारत सरकार द्वारा लाई गई यूनिफाइड पेंशन स्कीम के विरोध को लेकर उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ जयपुर मंडल कार्यालय से मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय तक विशाल रैली निकाली गई एवं उसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय पहुँच कर विरोध सभा का आयोजन किया गया।

इस विशाल रैली प्रदर्शन को लेकर उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ जयपुर मंडल अध्यक्ष सौरभ दीक्षित का कहना है कि केंद्रीय मंत्री मंडल द्वारा दिनांक 24.08.2024 को सभी केंद्रीय कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यू पी एस) प्रारंभ करने की स्वीकृति दी गई लेकिन यह योजना भी यू पी एस की तरह कर्मचारियो के साथ धोखा है क्योंकि यह योजना में भी कई कमियां होने के कारण यह पूरी तरह से सुरक्षित नही है इसलिए अभी भी हमारी मुख्य मांग यू पी एस की बहाली ही है। मंडल मंत्री महेश शर्मा ने कहा कि यह समय संघर्ष का है अब लड़ाई करो मरो तक लड़नी पड़ेगी । केंद्र सरकार को एनपीएस को ही नया स्वरूप देकर पीएस के नाम पर कर्मचारी हितों को कुचल रही है। सभा को सम्बोधित करते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के जोनल महासचिव विनोद मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार कर्मचारी हितों पर कुठाराघात कर रही है और एनपीएस ओर पीएस में किसी प्रकार का ज्यादा कोई फर्क नही है इसलिए हमारी ओपीएस की मांग लगातार बनी हुई है ।

इस दौरान उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के मंडल पदाधिकारी प्रवीण सिंह चौहान मोहन पुनिया सुनील यादव मनीष शर्मा प्रमोद डांगी दीपक वर्मा लोकेश कसाना सहित सभी शाखाओं के पदाधिकारी याकत अली,अनिल चौधरी, महेश शर्मा,सुशील शर्मा,राजेंद्र शर्मा,रामसहाय गुर्जर, राजाराम वर्मा,वेद प्रकाश,श्याम सिंह गुर्जर,राम अवतार स्वामी,रामावतार मीना,शिवकुमार तिवारी ,नरेंद्र यादव,विकेश शर्मा,संजय शर्मा,महेंद्र सिंह,संजय मीणा ,प्रवीण यादव,कुलदीप राजपूत,मोहन मेहरा,सुनील शर्मा, सुनील यादव,गुलाबचंद रूपचंद सैनी,राघवेंद्र सिंह, मनीष शर्मा,रमेश निठारवाल,सरवन यादव ,विनोद मीणा आदि लोग उपस्थित हुए।

प्रमुख शासन सचिव देर रात अचानक पहुंची जनाना एवं महिला चिकित्सालय, स्वास्थ्य सेवाओं का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं को और बेहतर एवं पेशेंट फ्रेंडली बनाने के दिए निर्देश

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने गुरुवार देर रात जनाना अस्पताल एवं सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय में आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने एवं पेशेंट फ्रेंडली बनाने के निर्देश दिए। राठौड़ रात करीब 8.30 बजे अपने कार्यालय से रवाना होकर अचानक जनाना अस्पताल पहुंचीं और करीब 9.30 बजे महिला चिकत्सालय पहुंची। उन्होंने वहां सामान्य वार्ड, आईसीयू, लेबर रूम, एनआईसीयू सहित विभिन्न इकाइयों में जाकर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि रोगियों के उपचार में किसी तरह की कमी नहीं रहे। रात के समय भी अपनी पारी के अनुसार सीनियर डॉक्टर भी उपस्थित रहे। आपातकालीन स्थिति में आने वाले रोगियों को तत्काल उपचार उपलब्ध करवाया जाए। राठौड़ ने अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में पर्याप्त संख्या में गार्ड लगाएं जाएं। महिला अस्पताल में यथा संभव महिला गार्ड लगाएं जाएं। अस्पताल में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर नजर रखी जाए। सभी संवेदनशील स्थानों पर उच्च क्षमता के सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। प्रमुख शासन सचिव ने अस्पताल में साफ सफाई व्यवस्था में और सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साफ सफाई की नियमित मॉनिटरिंग हो। महिला और पुरुष चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के अलग टॉयलेट की व्यवस्था की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अस्पतालों की एनर्जी ऑडिट भी किया जाना सुनिश्चित करें। अस्पतालों में समय समय पर विद्युत संचालित उपकरणों की मेंटीनेंस करवाया जाए। परिसर में बिजली के तार व्यवस्थित रूप से हों। राठौड़ ने महिला चिकित्सालय में आईसीयू की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने यहां चल रहे निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त निदेशक एकेडमिक चिकित्सा शिक्षा डॉ. रश्मि शर्मा भी उपस्थित रहीं।

पर्यटन शासन सचिव रवि जैन एवं आरटीडीसी एमडी सुषमा अरोड़ा ने किया निगम इकाइयों का सघन निरीक्षण

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। पर्यटन शासन सचिव रवि जैन एवं आरटीडीसी प्रबंधन निदेशक सुषमा अरोड़ा ने निगम अधिकारियों की टीम के साथ शुक्रवार को राजस्थान पर्यटन विकास निगम की होटल गणगौर, खासा कोठी, कैफेटेरिया पड़ाव नाहरगढ़ एवं शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील्स का निरीक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पर्यटन सचिव रवि जैन ने बताया कि प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिल सके, इसलिए निगम द्वारा संचालित इकाइयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निगम द्वारा संचालित होटल्स के प्रमोशन के लिए नवचार के साथ मार्केटिंग की जाएगी। बरसों से घाटे में चली आ रही आरटीडीसी को मुनाफे में लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

आरटीडीसी निगम प्रबन्ध निदेशक सुषमा अरोड़ा ने बताया कि पधारो म्हारे देश के साथ हम देश-विदेश के पर्यटकों को राजस्थान पधारने का आमंत्रण देते है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि राजस्थान आने वाले सभी पर्यटकों को आवास, भोजन एवं परिवहन की अच्छी सुविधा मिले।

उन्होंने कहा कि निगम द्वारा संचालित इकाइयों में खाने की क्वालिटी को सुधारने, स्टाफ के लिए ड्रेस कोड एवं आरटीडीसी की आय को बढ़ाने के लिए बंद पड़े दुर्ग कैफेटेरिया नाहरगढ़ एवं हवेली पन्ना मीणा आमेर फोर्ट को फिर से शूरू करने के लिए मौके पर जाकर वस्तुस्थिति को जाना। जल्द ही पर्यटकों की सुविधा के लिए शुरू करने के प्रयास किये जा रहे है। निगम प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हीलस का भी निरीक्षण कर जायजा लिया। आगामी 25 सितम्बर से शाही रेलगाड़ी का पहला टूर शुरू होने जा रहा है।

जालिया हाईवे पर एक ट्रक व कार की टक्कर, कार मे मादक पदार्थ की हो रही थी तस्करी

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर, (विष्णुदत्त धीमान)। ब्यावर से पाली जाने वाले मार्ग पर जालिया के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध रूप से एक मारूति स्विफ्ट कार मे मादक पदार्थ की तस्करी कर ब्यावर की ओर आ रही गाडी के अगले बायी ओर के पहिये के टायर फट जाने के कारण सामने से तेज गती से आ रहे ट्रेलर चालक द्वारा बचाने के दौरान पलट गया। जिसमे किसी के कोई हताहत होने के समाचार नहीं मिले है। समाचार लिखे जाने तक स्विफ्ट कार मे तस्करी के डोडे पोस्त होने की जानकारी मिली हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर साकेत नगर पुलिस चैकी का जाब्ता पहुंच गया और मामले की छानबीन करने लगा। आर जे 28 सी बी 0609 स्विफ्ट कार पाली की ओर से गलत साइड से होते हुये ब्यावर की ओर आ रही थी तभी इसी गाडी के अगले बायी ओर के टायर फट गये। वाहन की रिम रगडते हुये आगे की ओर बढती गई। इसी बीच सामने से आ रहे ट्रेलर सं. आर जे 22 जी बी 1141 ने बचाने की कोशिश की। लेकिन वाहन तेज होने के कारण असंतुलित होकर पलट गया। कार के बायी ओर का मरगाड व उसकी रीम क्षतिग्रस्त होने के कारण अवैध रूप से वाहन चलाने वाले चालक वाहन छोडकर मौके से फरार हो गया।

रोटरी क्लब उदयपुर ने 31 शिक्षकों को प्रदान किया नेशन बिल्डर्स अवार्ड

ज्ञान के माध्यम से अखण्ड भारत का निर्माण करनें का संकल्प लें : प्रो. सारंगदेवोत

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। रोटरी क्लब उदयपुर की ओर से वर्ष 2024-25 का नेशन बिल्डर्स अवार्ड कार्यक्रम आज रोटरी बजाज भवन में आयोजित किया गया। जिसमें शहर के 31 शिक्षकों को नेशन बिल्डर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जनार्दनराय नागर वि.वि. के कुलपति कर्नल प्रो. एस.एस.सारंगदेवोत थे।

समारोह को संबोधित करते प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि हमें पुन: ज्ञान के माध्यम से अखण्ड भारत का निर्माण करना है। यह जिम्मेदारी शिक्षकों पर है। आने वाली पीढ़ी हमें चेतना जागृत करनी है। उन्होंने कहा कि जीवन में सब कुछ मिलता है लेकिन अच्छे व्यक्ति नहीं मिलते है। खुशी के क्षणों को आने वाली पीढ़ी में बांटना बहुत आवश्यक है। शिक्षक, राष्ट्र व शिक्षा तीनों में आपसी संबंध है। यदि तीनों में से कोई भी फेल होता है सब कुछ समाप्त हो जाता है। राष्ट्र की सफलता या विफलता शिक्षक पर निर्भर करती है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रदीप कुमावत ने प्रो. सारंगदेवोत का परिचय देते हुए कहा कि मुंशी प्रेमचन्द व जनार्दनराय नागर वि.वि. के संस्थापक जनार्दनराय नागर के बीच आपसी प्रेम था। उसका उदाहरण वांगमय नामक काव्य में स्वयं जन्नू भाई ने लिखा है। उन्होंने कहा कि जीवन का आदर्श मजदूरी है। शिक्षक को लोक संग्रही होना चाहिये। क्लब अध्यक्ष अनिल छाजेड़ ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि नेशन बिल्डर्स अवार्ड प्राप्त करने वाले सभी शिक्षकों पर यह बहुत बड़ा दायित्व है कि वे समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायें।

इन शिक्षकों को मिला नेशन बिल्डर्स अवार्ड :- समारोह में शिक्षकों पंकज वया कैलाशचन्द्र मूंदड़ा, डॉ.शबनम चतुर्वेदी, हीरालाल सुथार,भूपेन्द्र प्रसाद उपाध्याय, प्रकाशचन्द्र कुण्डाल,रेखा जरवार,सुमन औदिच्य,सरिता मण्डोवरा, सतीश कुमार मिश्रा,विष्णु पाण्डा,अंजली जोशी, खुशलता जोशी, पन्नालाल तेली, रेणुका थ्योफ्लस, किशन गंर्धव,जनकसिंह रावत,रेखा शर्मा, धीरज आमेटा,दिनेश प्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश चौबीसा, हीना सोनी,शदेमा इमरान खान,अजयसिंह,मंजीता रामदेव, धर्मिष्ठा सिंह, एस.एल.जैन तथा सुमन जैन को उपरना ओणाकर, स्मृति, प्रतीक चिन्ह शॉल ओढ़ाकर एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया गया। नये सदस्य ने ली शपथ-पूर्व प्रान्तपाल निर्मल सिंघवी ने नये सदस्य के रूप में प्रकाशचन्द्र कोझारी को शपथ दिलाकर क्लब की सदस्यता ग्रहण करायी। प्रारम्भ में सचिव एडेवाकेट डॉ. भरत सरूपरिया ने सचिवीय रिपोर्ट प्रस्तुत की। ईश वंदना पदम दुगड़ ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र सेन ने किया। अंत में आभार भरत सरूपरिया ने ज्ञापित किया।

क्राईम कहां से रूके साब, पुलिस तो व्यस्त है..

तेजी से बढ़ता क्राईम,बदमाशों का आतंक, खुलेआम हत्या के प्रयास,रोज चैन स्नेचिंग की घटनाए,रोज लूटपाट,रोज महिलाओं व युवतियों से छेडखानी की घटनाए,रोज रंगदारी,रोज हत्याएं,रोज अपहरण व लूट जैसी संगीन वारदातें और रोज साईबर फ्राड से ठगी। आखिर हमारी पुलिस कर क्या रही है। हमेशा इसी बात पर चर्चा होती है जहां देखों जिस जगह देखो एक ही प्रश्न लोगों के मन को कौंध रहा है कि आखिर पुलिस है कहां..

सही कह रही है जनता क्राईम कहां से रूके पुलिस तो व्यस्त है साब..

पुलिस व्यस्त है मेले में,पुलिस व्यस्त है वीआईपी विजिट में, पुलिस व्यस्त है पानी के लिए लगे हुए जाम को खुलवाने में,पुलिस व्यस्त है मंत्री जी की अगुवाई में,पुलिस व्यस्त है अतिक्रमण हटाए जाने वाली सरकारी ऐजेंसी के साथ साब,पुलिस व्यस्त है अवैध निर्माण को रूकवाने में,पुलिस व्यस्त है मंदिरों के आगे सुरक्षा के लिए,पुलिस व्यस्त है मज्जिदों के आगे सुरक्षा के लिए,पुलिस व्यस्त है काम,क्रोध मोह अहंकार और मृत्यु को जीत लेने वाले नामचीन बाबाओं की सुरक्षा के लिए इसलिए भई अब खुद की सुरक्षा खुद ही क्योंकि पुलिस व्यस्त है मियां बीबी के झगड़े निपटाने के लिए। सरकारों द्वारा पुलिस एजेंसियां शायद इसलिए तो नहीं बनाई होंगी ना। इनका मुख्य कार्य तो अपराधिक गतिविधियों व अपराध पर रोकथाम के लिए ही था लेकिन अब पुलिस अपने ओरिजनल काम से नहीं बल्कि जन्म से लेकर मरण तक जनता के दर्द को दूर करने का जिम्मा उठाए हुए है। ऐसा नहीं कि सारे पुलिस वाले व्यस्त हैं ना-ना कुछ पुलिस कर्मी तो मस्त भी हैं जोकि चहाते हैं कि अपराधिक गतिविधियां चलती रहे ताकि व्यवस्थाए होती रहें। लेकिन यहां उनकी बात या उनका जिक्र नहीं हो रहा है यहां तो उस पुलिस का जिक्र हो रहा है जो आज खाकी पहन कर मैनिजर का पार्ट प्ले कर रही है। हर चीज हर हालात को मैनेज पुलिस के माध्यम से ही सरकारें करना चाह रही हैं तो अपराध कैसे रूकेंगे। तो ये कहना सार्थक ही होगा कि क्राईक कहां रूके साब पुलिस तो व्यस्त है..।

रूपक शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार, दैनिक बढ़ता राजस्थान

शतरंज के 1500 शातिर खिलाड़ी पंहुचें,भावभीना हुआ स्वागत

एमडीएस पब्लिक स्कूल की ओर से आयोजित सीबीएसई वेस्ट जोन इन्टर स्कूल चेस टुर्नामेन्ट का आज से आगाज

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। एमडीएस पब्लिक स्कूल की ओर से मेवाड़ में पहली बार सीबीएसई वेस्ट जोन इन्टर स्कूल चेस टुनार्मन्ट का 14 सितम्बर से प्रतापनगर स्थित एमडीएस पब्लिक स्कूल शाखा में आगाजी होगा। जो 16 सितम्बर तक चलेगा। इस प्रतियोगिता में राजस्थान गुजरात एवं मध्यप्रदेश के 150 स्कूलों के सभी 1500 से अधिक स्कूली शतरंज के शातिर खिलाड़ी आज उदयपुर पंहुचे। जहां उनका तिलक लगाकर एवं गुलाब देकर भावभीना स्वागत किया। इस महाकुंभ में भाग लेकर अपने शातिर दिमागी घोड़े दौड़ायेगें। विद्यालय के निदेशक शैलेन्द्र सोमानी ने बताया कि सभी स्कूलों की टीमें आज प्रात: से ही आयोजन स्थल पर पंहुचनी प्रारम्भ हो गयी और शाम होते-होते सभी 1500 खिलाड़ी यहां पंहुच चुके है। कल प्रात: साढ़े नौ बजे प्रतियोगिता का उद्घाटन होगा जिसके मुख्य अतिथि सांसद मन्नालाल रावत, जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल,भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्रीमाली, भाजपा देहात जिलाध्यक्ष चन्द्रगुप्तसिंह चौहान, जनार्दनराय नगार वि.वि. के कुलपति प्रो. एस.एस. सरांगदेवोत, टेक्नो एनजेआर के निदेशक प्रो. आर.एस.व्यास, पेसिफिक वि.वि.के संस्थापक राहुल अग्रवाल होंगे जबकि अध्यक्षता एमडीएस स्कूल के प्रबन्ध न्यासी डॉ. रमेशचन्द्र सोमानी करेंगे। प्रतियोगिता कुल 8 वर्गो छात्र-छात्रा के अन्डर-11, अन्डर-14,अन्डर-17 एवं अन्डर-19 में आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ग के प्रथम दो स्थान पर रहने वाले विद्यालय में जालंधर में आयोजित होने वाली नेशनल इन्टर स्कूल प्रतियोगिता में भाग लेगी। सोमानी ने बताया कि सीबीएसई की दक्षिणी राजस्थान में इस प्रकार की पहली बार प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। आमतौर पर इस प्रकार की प्रतियोगिता में 500-600 खिलाड़ी भाग लेते है लेकिन बहुत विशाल स्तर पर आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ियों ठहरने,खाने-पीने की सम्पूर्ण व्यवस्था एमडीएस पब्लिक स्कूल की ओर से की जा रही है। सोमानी ने बताया कि प्रतियोगिता का समापन 16 सितम्बर को किया जायेगा। जिसके मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलबाचंद कटारिया होंगे। वे सभी विजेता खिलाड़ियों को पुरूस्कृत करेंगे। प्रतियोगिता के सीबीएसई ऑब्जर्वर शतरंज के विकास साहू है।

पर्ची वाली सरकार केवल कांग्रेस राज में जरूरतमंदों के लिए बनाई गई योजनाओं को ठंडे बस्ते में डालने का काम कर रही है : जूली

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली ने शुक्रवार को अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांव में पहुंचकर आमजन से मुलाकात की। जूली ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राज् में पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा हुआ है। उन्होंने कहा कि आमजन अपनी मूलभूत सुविधाओं को भी पाने के लिए तरस रहा है। जूली बोले पर्ची वाली नई सरकार केवल कांग्रेस राज में जरूरतमंदों के लिए बनाई गई योजनाओं को ठंडे बस्ते में डालने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी सहित विभिन्न मामलों में अपने आप को असहाय महसूस कर रही है और देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री दोनो दौरों पर व्यस्त है। जूली ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

नेता प्रतिपक्ष और अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली ने मालाखेड़ा क्षेत्र के गांव पूनखर में कांग्रेस राज में स्वीकृत हुए करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से बनने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण कर जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य भवन निर्माण के बाद ग्रामीणों को यहां अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि अब ग्रामीणों को लंबी दूरी तय कर जिला मुख्यालय पर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बेहतर चिकित्सा सुविधा उन्हें यहां स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी।

जूली ने तेजाजी महाराज का लिया आशीर्वादए ग्रामीणों ने साफा बांधकर किया स्वागत:- अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली ने मालाखेड़ा उपखंड के गांव सुमेल में स्थित तेजाजी महाराज के मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना की और प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर ग्रामीणों की ओर से जूली का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। जूली ने कहा कि एक महान योद्धा और समाज सुधारक के रूप में तेजाजी महाराज को याद किया जाता है। उन्होंने कहा की जात.पात की बुराइयों पर रोक लगाकर समाज को नई दिशा देने में तेजाजी ने अहम भूमिका निभाई थी।

इस अवसर पर उप प्रधान महेश सैनी,सरपंच हजारीलाल मीणा, पूर्व प्रधान शिवलाल गुर्जर,जगदीश मीणा, उमरदीन खान, करण सिंह चौधरी, कोठारी चौधरी, कैलाश, जय किशन, रसीला, विजय राम,अनिल मुद्गल, कमल चौधरी, अमर राजोरिया , राजेंद्र मास्टर,कमल जाट, रामभरोस चौधरी, पंकज, विजय, कृष्ण चौधरी,तेज सिंह सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजस्थान जल महोत्सव-2024 का आयोजन आज

जिला स्तरीय जल महोत्सव गोपालपुरा ग्राम पंचायत में हर्षोल्लास से मनाया जाएगा

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। जल प्रबंधन और संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 'राजस्थान जल महोत्सव-2024' का आयोजन 14 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। जिला स्तरीय जल महोत्सव कार्यक्रम मॉडल तालाब पीर बाबा के पास गोपालपुरा पर प्रात: 11 बजे हर्षोल्लास से मनाया जाएगा।सभी जगह उत्सव ब्लॉक स्तर पर भी मनाया जाएगा। पावटा की ग्राम पंचायत टस्कोला में अमृत सरोवर चक्रतीर्थ, विराटनगर की ग्राम पंचायत कुहाड़ा में अमृत सरोवर, बानसूर की ग्राम पंचायत बाबरिया में बाबरिया बांध, बहरोड की ग्राम पंचायत रिवाली में पावर हाउस के पास तालाब तथा नीमराना में नीमराना तालाब के पास समारोह का आयोजन किया जाएगा।जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में विभागीय अधिकारियों को आदेश जारी करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आमजन से अपील करते हुए जिला स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होकर उत्साह के साथ मनाने की अपील की। जिला कलक्टर ने अपील करते हुए कहा कि जल महोत्सव का उद्देश्य जल के महत्व को समाज में उजागर करना और जल संसाधनों के संरक्षण के प्रति लोगों को प्रेरित करना है। यह महोत्सव राज्य की जल नीति और प्रबंधन में लोगों की भागीदारी को भी बढ़ावा देगा, साथ ही जल संसाधनों के प्रति जागरूकता फैलाएगा।जिला कलक्टर ने बताया कि 14 सितंबर जलझूलनी एकादशी के दिन जिले के पूर्ण भरे हुए जलाशयों पर राजस्थान जल महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नगरीय विकास विभाग, जल संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, भू-जल विभाग के साथ ही सभी विभाग मिलकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करेंगे।जिसमें जनप्रतिनिधि,

पत्रकार,अधिकारी और आमजन मौजूद रहेंगे।इस मानसून सीजन में राजस्थान के 360 बांध ओवरफ्लो हो चुके हैं, जबकि 250 बांध आंशिक रूप से भरे हुए हैं। यह स्थिति राज्य में जल संसाधनों की प्रचुरता को दर्शाती है। इसीलिए सरकार ने इसे उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

एडीएम प्रथम और एडीएम द्वितीय ने संभाला पदभार

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। सरकार द्वारा जम्बों आरएएस लिस्ट निकाल सैकड़ों प्रशासनिक अधिकारियों को इधर उधर कर दिया है ऐसे में अलवर के एडीएम प्रथम व एडीएम द्वितीय के पद पर भी दोनों अधिकारियों ने पदभार ग्रहण कर लिया है। राजस्थान प्रशासनिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती संजू शर्मा ने गुरूवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम का कार्यभार ग्रहण किया वहीं राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी योगेश डागुर ने शुक्रवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय का कार्यभार ग्रहण किया। ये दोनों ही अधिकारी पहले अलवर जिले में लम्बे समय अपनी सेवाए दे चुके हैं। इनके पुन: अलवर आगमन पर लोगों ने इन्हे शुभकामनाए प्रेषित की हैं।

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में यूनिक स्कूल के विद्यार्थियों का हुआ चयन

बढ़ता राजस्थान

बहरोड़(सुभाष यादव)। जिला स्तरीय 68वीं 17 वर्षीय कबड्डी प्रतियोगिता में यूनिक ग्रुप आफ एजुकेशन संपूर्ण बहरोड कोटपूतली जिले में तीसरे स्थान पर रहा।। 17 वर्षीय कबड्डी में निखिल कुमार पुत्र मुकेश कुमार बिचपुरी यूनिक स्कूल के विद्यार्थी का चयन राज्य स्तरीय में हुआ।तथा वही 19 वर्षीय कबड्डी प्रतियोगिता में हैप्पी यादव पुत्र अमरपाल मांचल नितेश यादव पुत्र राजकुमार मांचल दो खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय में चयन हुआ।कस्बे के भर्तहरि मंदिर रोड़ पर स्थित यूनिक ग्रुप ऑफ़ एजुकेशन के विद्यार्थी संपूर्ण जिले में तीसरे स्थान पर रहे।निदेशक सुमित यादव ने बताया कि इस सफलता के पीछे महीनों की कठिन मेहनत लंबे संघर्ष और नेशनल लेवल के कोच के द्वारा कठोर ट्रेनिंग के बाद विद्यार्थी मुकाम तक पहुंचते हैं ।

तीन गुणव्रत पांच अणुव्रत में शक्ति का संचार करते : साध्वी संयमलताश्री

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। सेक्टर 4 श्री संघ में विराजित श्रमण संघीय जैन दिवाकरिया महासाध्वी डॉ. संयमलता म. सा.,डॉ. अमितप्रज्ञाजी म. सा.,कमलप्रज्ञाजी म. सा.,सौरभप्रज्ञा म. सा. आदि ठाणा 4 के सानिध्य में धर्म सभा को संबोधित करते हुए महासती संयमलता ने कहा कि तीन गुणव्रत पांच अणुव्रत में शक्ति का संचार करते हैं,उनमें विशेषता पैदा करते हैं, उनके परिपालन में होने वाली कठिनाइयों को दूर करते हैं। साध्वी ने आगे कहा कि दिशाओं का, दिशाओं में गमनागमन का परिमाण या सीमा अथवा मर्यादा रखना दिशा परिमाण व्रत रहते हैं। दिशा परिमाण व्रत एक प्रकार की लक्ष्मण रेखा है जैसे लक्ष्मण ने अपनी भाभी सीता के सतीत्व की सुरक्षा के लिए एक रेखा खींच दी थी जैसे ही सीता ने रेखा का उल्लंघन किया उनके लिए अपहरण का खतरा उपस्थित हो गया। वैसे ही दिशा परिमाण व्रती साधक भी अपनी खींची हुई लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन करेगा उसके जीवन में खतरा पैदा हो सकता है। व्रत धारी को अपनी इस सीमा रेखा का अतिक्रमण न हो इसकी सावधानी रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन के खेल का जो मैदान साधक ने निश्चित किया है उसमें श्रावक को खिलाड़ी बनकर खेलना है यदि वह प्रत्येक दिशा में अपने निर्धारित सीमा से बाहर जाता है तो वह आउट हो जाता है। साध्वी सौरभ प्रज्ञा ने कहा - सत्य सुनना जीवन का दर्पण है उसमें अपनी आत्मा का प्रतिबिंब पड़ता है। अपने कान से दूसरों के निंदा सुनना कान का दुरुपयोग है, जबकि उसके सदुण सुनना सदुपयोग है। निंदा करना व सुनना दोनों ही बुरा है। ऐसी कोई बात नहीं सुना जिससे मन में राग द्वेष उत्पन्न हो कान का यह श्रेष्ठ सदुपयोग होगा।

बहरोड़ पुलिस ने तीन लाख रुपए कीमत का गांजा पकड़ा

बढ़ता राजस्थान

बहरोड़(सुभाष यादव)। बहरोड़ पुलिस ने एक घर पर कार्रवाई कर 30 किलो गांजा बरामद किया है। जिसकी बाजार कीमत करीब 3 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। इस दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। कोतवाली थानाधिकारी महेश तिवाड़ी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के गांव गुंति के ढोला की ढाणी में एक मकान के अंदर गांजा रखा हुआ है। जिसका तस्करी कर दूसरी जगह सप्लाई किया जाएगा।सूचना पर रात करीब 12 बजे कार्रवाई को अंजाम दिया। जहां ढोला की ढाणी में रवि के मकान से कमरे के अंदर रखा हुआ 30 किलो गांजा बरामद किया गया। इस दौरान आरोपी रवि उर्फ टिल्लू पुत्र उमराव सिंह यादव रात में अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गया।

जखराना टोल लूट केस का सातवां आरोपी गिरफ्तार टोलकर्मी के हाथ-पैर तोड़ कर लूटे थे 27 हजार रुपए

बढ़ता राजस्थान

बहरोड़(सुभाष यादव)। सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जखराना टोल प्लाजा पर तोड़फोड़, मारपीट और नगदी लूट करने के आरोप में सातवें युवक को गिरफ्तार किया है। इससे पहले सदर पुलिस ने एक नाबालिग सहित छह अन्य आरोपियों को पकड़ लिया था।थानाधिकारी अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी नीमराना थाना क्षेत्र के गांव रैवाणा का रहने वाला अंकित उर्फ माफिया पुत्र प्रकाश वीर यादव है। उसके खिलाफ पहले से छह संगीन मामले चल रहे हैं, जो नीमराना, मांढण और हरियाणा के अटेली थाने में दर्ज हैं।पुलिस के अनुसार, अंकित ने अपने साथियों के साथ मिलकर बहरोड़-नारनौल स्टेट हाईवे पर स्थित जखराना टोल प्लाजा पर 6 अगस्त को तोड़फोड़ की और कर्मचारियों के साथ मारपीट की।इस घटना में एक कर्मचारी के हाथ-पैर तोड़ दिए गए और बूथ में रखा सताईस हजार रुपए का कलेक्शन लूटकर ले जाया गया। यह पूरी घटना टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। इस संबंध में टोल प्लाजा के मैनेजर मिंटू उर्फ करतार सिंह ने सदर पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया था।

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई और होगी मजबूत

भ्रष्टाचार पूरी दुनिया के सामने विकास और खुशहाली की राह में बहुत बड़ा रोड़ा है। इसलिए लगभग हर देश ने इस पर अंकुश लगाने का तंत्र विकसित कर रखा है। प्रशासन की जवाबदेही तय करने की कोशिशें की जाती हैं। मगर हमारे यहां इस मामले में ज्यादातर नाकामी ही नजर आती है। इसलिए लंबे समय से मांग की जाती रही कि लोकपाल और लोकायुक्त के गठन संबंधी कानून बनना चाहिए। करीब ग्यारह वर्ष पहले इसे लेकर बड़ा आंदोलन हुआ, जिसके दबाव में लोकपाल अधिनियम पारित हुआ। मगर लोकपाल की नियुक्ति का मामला करीब पांच वर्ष तक इस तर्क के आधार पर टलता रहा कि लोकसभा में कोई विपक्ष का नेता नहीं था। लोकपाल अध्यक्ष की नियुक्ति में विपक्ष के नेता का होना जरूरी है। आखिरकार पांच वर्ष पहले लोकपाल का गठन हआ, मगर अभी तक वह पूरी तरह कार्य करने की स्थिति में नहीं आ सका है। इस प्रकोष्ठ में लोकपाल अध्यक्ष के अधीन एक जांच निदेशक होगा, जिसे तीन पुलिस अधीक्षक मदद करेंगे। प्रत्येक पुलिस अधीक्षक को जांच अधिकारी और अन्य कर्मचारियों की सहायता प्रदान की जाएगी। इस तरह उम्मीद बनी है कि अब लोकसेवकों की अनियमितताओं के खिलाफ कुछ कड़े कदम उठाए जा सकेंगे।

हालांकि भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत पहले से कई जांच एजेंसियां काम करती हैं। हर महकमे के कर्मचारी पर वहां का सतर्कता विभाग नजर रखता और उसके खिलाफ शिकायतों का निपटारा करता है। केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग भी संबंधित मामलों में जांच करते ही हैं। मगर प्रशासनिक सुधार आयोग का मानना था कि लोकपाल और लोकायुक्त के गठन से लोकसेवकों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई हो सकेगी। दूसरी जांच एजंसियों पर चूंकि राजनीतिक प्रभाव अधिक देखा गया है, इसलिए उनसे भ्रष्टाचार के मामले में निष्पक्षता की उम्मीद धुंधली बनी रहेगी। पर शायद सरकारों को लोकपाल और लोकायुक्त के गठन से इसीलिए हिचक पैदा होती रही कि उसके दायरे में प्रधानमंत्री तक को रखा गया है। फिर, लोकपाल और लोकायुक्त स्वतंत्र निकाय की तरह काम करेंगे, उन्हें दूसरी एजंसियों की तरह किसी अधिकारी के खिलाफ जांच करने के लिए संबंधित विभाग से अनुमति की जरूरत नहीं होगी।

कई सरकारों को लगता रहा है कि इस तरह उनके कामकाज में बाधा पड़ सकती है। शायद यही कारण है कि अब भी कई राज्य सरकारों ने अपने यहां लोकायुक्त का गठन नहीं किया है। देर से ही सही, लोकपाल के जांच प्रकोष्ठ के गठन से लोगों में भ्रष्टाचार निवारण की दिशा में उल्लेखनीय नतीजों की उम्मीद जगी है। लोकसेवकों में गलत तरीके से पैसा कमाने की भूख और रिश्वत लेकर अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने, सरकारी योजनाओं में गतिरोध और छीजन पैदा करने की प्रवृत्ति किसी से छिपी नहीं है। इस वातावरण को तभी ठीक किया जा सकता है, जब लोकसेवकों की अनियमितताओं पर लगाम लगाई जा सके। हालांकि कुछ लोग यह संशय व्यक्त करते रहे हैं कि लोकपाल और लोकायुक्त की नियुक्ति में भी राजनीतिक दखल होती है, इसलिए वे कितने निष्पक्ष रह पाएंगे।

लेडी डॉक्टर की मौत से बैकफुट पर ममता- अब इस्तीफा भी देने को तैयार!

पश्चिम बंगाल में 34 सालों के वाममोर्चा के शासन के दौरान ममता बनर्जी ने लेफ्ट को कड़ी चुनौती दी और साल 2011 में लेफ्ट का शासन का खात्मा कर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन हुईं। लगभग 13 सालों के शासन में ममता बनर्जी को लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा की कड़ी चुनौती मिली, लेकिन साल 2021 के विधानसभा चुनाव में फिर से तीसरी बार राज्य की मुख्यमंत्री बनकर सत्ता में वापसी की हैं। लड़ाकू नेता और आंदोलन से निकली नेता के रूप में जानी जाने वाली ममता बनर्जी कभी भी अपने विरोधियों के आगे नहीं झुकी हैं।

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल सरकार ने गुरुवार को आंदोलनरत डॉक्टरों को एक बार फिर बातचीत के लिए आमंत्रित किया था । लेकिन यह बैठक नहीं हो सकी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, ममता बनर्जी सरकार ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल कांड के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से तीसरी बार बातचीत का प्रस्ताव रखा था। हड़ताली डॉक्टर मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग की मांग पर अड़े रहे, जिसके चलते बातचीत संभव नहीं हो पाई। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने करीब दो घंटे तक कॉन्फ्रेंस हॉल में डॉक्टरों के प्रतिनिधिमंडल का इंतजार किया, लेकिन वे नहीं पहुंचे। जब डॉक्टर नहीं आए तो उन्होंने लाइव आकर कहा कि मैं जनता से माफी मांगती हूं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि वे इस्तीफा देने के लिए भी तैयार हैं। यह पेशकश उन्होंने तब की, जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बर्बर बलात्कार और हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर उनसे मिलने नहीं आए। डॉक्टरों ने राज्य सरकार से पूरी बैठक का लाइव टेलीकास्ट करने की मांग की थी, जिसे सरकार ने नहीं माना। सरकार बैठक रिकॉर्ड करने के लिए तैयार थी, लेकिन डॉक्टर लाइव स्ट्रीमिंग की मांग पर अड़े रहे। भ्रष्टाचार से लेकर विभिन्न घाटालों के आरोप में विपक्ष लगातार इस्तीफा की मांग करते रहा है, लेकिन कभी ममता बनर्जी ने कभी ऐसा नहीं कहा कि वह इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं, लेकिन कोलकाता में लेडी डॉक्टर की रेप-मर्डर मामले में जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन ने ऐसा क्या कर दिया कि ममता बनर्जी ने इस्तीफे की पेशकश कर दी? छात्र राजनीति से लेकर राज्य की राजनीति तक ममता बनर्जी को लंबे समय से आंदोलन को नेतृत्व देती रही हैं। नंदीग्राम से लेकर सिंगूर में आंदोलन को नेतृत्व दिया है, लेकिन क्या डॉक्टरों के आंदोलन के सामने ममता बनर्जी झुक गयी हैं। यह क्या उनकी रणनीति है या फिर ममता बनर्जी वास्तव में दवाब में हैं। आइए जानते हैं-

नौ अगस्त को कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में लेडी डॉक्टर का शव मिला। शव मिलने के बाद अस्पताल के प्रबंधकों ने पहले इसे आत्महत्या करार दिया, लेकिन बाद में पोस्टमार्टम से पुष्टि हुई है कि लेडी डॉक्टर की रेप कर हत्या की गयी है। इस मामले में एक आरोपी सिविक वॉलेंटियर संजय रॉय को अरेस्ट भी किया गया, लेकिन कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश दे दिया। कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष पर भ्रष्टाचार और सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप लगे। भ्रष्टाचार के मामले की सीबीआई जांच के आदेश दे दिये। ईडी भी आरजी कर में वित्तीय अनियमितता की जांच शुरू की है, लेकिन न्याय की मांग पर पूरे देश में आंदोलन जारी है। कोलकाता सहित पूरे देश में रिक्लेम द नाइट से लेकर लाइट बंद कर रात को आंदोलन हुए। आरजी कर के जूनियर डॉक्टर्स लगातार हड़ताल कर रहे हैं, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में डॉक्टरों को ज्वाइन करने की हिदायद दी है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद जूनियर डॉक्टर्स स्वास्थ्य भवन के सामने धरना और प्रदर्शन कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेज में सेवाएं बाधित हो रही हैं। ममता बनर्जी ने दावा किया है कि इलाज के अभाव में 27 रोगियों की मौत हो चुकी है। इस परिपेक्ष्य में राज्य सरकार ने आंदोलनरत डॉक्टरों से बातचीत का आह्वान किया। मुख्य सचिव मनोज पंत ने डॉक्टरों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया, लेकिन तीन दिनों तक आमंत्रण का दौर चला और अंततः डॉक्टर राज्य सचिवालय नबान्न आए भी, लेकिन बातचीत नहीं हो सकी। विवाद बातचीत की लाइव स्ट्रीम को लेकर हुई। डॉक्टरों ने बातचीत की लाइव स्ट्रीम की मांग की, लेकिन ममता बनर्जी की सरकार ने अस्वीकार कर दिया। उसके बाद ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि वह नबान्न के सभागार में दो घंटे से अधिक समय तक बैठी रहीं। लेकिन बैठक नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि वह इस्तीफा देने को तैयार हैं। लेकिन कुछ लोग न्याय नहीं चाहते। सत्ता की कुर्सी चाहिए।मेरा बहुत अपमान हुआ है। मेरी सरकार का अपमान किया गया है। अब मैं इनके साथ बैठक नहीं करूंगी। यदि बैठक होगी तो डीजी और मुख्य सचिव बैठक करेंगे। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक समय बीत चुका है। जहां तक मुझे पता है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, वे राज्य को कार्रवाई करने से नहीं रोकेंगे, लेकिन मैं कुछ नहीं करूंगी। कई लोगों को इलाज नहीं मिल रहा है। 27 लोगों की मौत हो चुकी है। सात लाख लोग वंचित हैं। मेरा दिल रो रहा है वे छोटे हैं, मैं उन्हें क्षमा करती हूं। मैं लोगों से माफी मांगती हूं। तीन दिन तक प्रयास किया, लेकिन समाधान नहीं हो सका। ममता बनर्जी के बयान के बाद भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि सरकार ने अदालत को प्रभावित करने के लिए नबान्न के बैठक कक्ष की तस्वीरें प्रकाशित की हैं। बैठक के लाइव टेलीकास्ट का सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से कोई लेना-देना नहीं है।सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का भी सीधा प्रसारण किया जाता है, जो चर्चा होनी थी उससे अदालत की अवमानना का कोई लेना-देना नहीं है। ये सब नाटक है। उसका नकाब खुलने की संभावना थी। अतः उन्होंने उचित मांग स्वीकार नहीं की। वह नहीं चाहती कि गतिरोध खत्म हो।वहीं, आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों ने स्वास्थ्य भवन के सामने फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, वे अगले 33 दिनों तक सड़कों पर रहेंगे। जूनियर डॉक्टरों ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस घटना में जो लोग शामिल थे, जो लोग इस घटना पर पर्दा डालना चाहते थे, वे सजा चाहते थे। हम मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भरोसा करके गये थे, लेकिन कोई हल नहीं निकला। डॉक्टरों ने साफ कहा कि उन्होंने कभी भी मुख्यमंत्री का इस्तीफा नहीं मांगा है। वे लोग न्याय और सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। देखा जाय तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सदा से ही विपक्ष को चुनौती देती रही हैं, लेकिन पहली बार वह उन्हें चुनौती मिल रही है और सबसे आश्चर्य की बात है कि यह चुनौती उन्हें विपक्ष से नहीं मिल रही है, बल्कि जूनियर डॉक्टरों से मिल रही है। कोलकाता रेप मामले में ममता बनर्जी की सरकार का भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो चुका है। वह पूरी तरह से दवाब में हैं। ऐसा लगता है कि जिस तरह से ज्योति बसु ने कार्यकाल के बीच में ही बुद्धदेव भट्टाचार्य को सीएम पद सौंप दी थी। बताया जाता है कि शायद ममता बनर्जी भी अभिषेक बनर्जी को सीएम पद या डिप्टी सीएम पद सौंपने की रणनीति बना रही हैं। इस मुद्दे पर ममता बनर्जी ने पहले ही पार्टी नेताओं को बयान नहीं देने का निर्देश दे रखा है। पार्टी के सांसद जवाहर सरकार ने इस्तीफा दे दिया है। पार्टी के अन्य राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय भी बगावत के मूड में हैं। ऐसे में ममता बनर्जी पूरी तरह से दवाब में हैं। वहीं, राजनीतिक जानकारों का कहना है कि ममता बनर्जी राणनीति के तहत काम कर रही हैं। कोलकाता रेप केस मामले में पहले ही ममता बनर्जी की सरकार बैकफुट पर है और पूरे देश में ममता बनर्जी की सरकार की पोल खुल चुकी है और उनकी लगातार आलोचना हो रही है। ऐसे में ममता बनर्जी की सरकार आंदोलनरत डॉक्टरों के खिलाफ कठोर कदम उठाती हैं, तो सरकार को और भी भद्द पीटेगी। ऐसे में ममता बनर्जी फूंक-फूंककर कदम बढ़ा रही हैं और सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई के दौरान ममता बनर्जी की सरकार सुप्रीम कोर्ट के सामने पूरी कहानी बयां करते हुए सुप्रीम कोर्ट से ही डॉक्टरों के आंदोलन को लेकर कदम उठाने की फरियाद करेगी। इससे सांप की मर जाएगा और लाठी भी नहीं टूटेगी। उधर राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने इसी मसले पर ममता बनर्जी उनका 'सामाजिक बहिष्कार' करते हुए कहा है कि अब वह बनर्जी के साथ कोई सार्वजनिक मंच साझा नहीं करेंगे तथा उन्हें 'बंगाल की लेडी मैकबेथ' तक कहा। राज्यपाल ने कहा कि यह विडंबना है कि स्वास्थ्य मंत्री गृह मंत्री हैं। पश्चिम बंगाल की लेडी मैकबेथ हुगली का पानी तो रखती हैं, लेकिन दागदार हाथों को साफ नहीं कर सकतीं। गृह मंत्री मुख्यमंत्री हैं और मुख्यमंत्री सुरक्षा करने के बजाय विरोध कर रही हैं। सड़क, अस्पताल और शहरों में हिंसा हो रही है।बोस ने कहा मैं मुख्यमंत्री के साथ कोई सार्वजनिक मंच साझा नहीं करूंगा। मैं संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करने के लिए उनके खिलाफ सक्रिय कदम उठाऊंगा।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताप और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष
निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी। किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा।

वृष
दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मिथुन
प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क
व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट आदि से बड़ा फायदा हो सकता है। परिवार की चिंता बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

सिंह
सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा।

कन्या
सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। फालतू बातों पर ध्यान न दें।

तुला
आय में निश्चितता रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं।

वृश्चिक
स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। नौकरी व निवेश में इच्छा पूरी होने की संभावना है। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी।

धनु
मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें।

मकर
पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी।

कुंभ
यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। झंझटों में न पड़ें। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन
विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे। लेन-देन में लापरवाही न करें।

शख्सियत

'सुख तो संसाधनों से पाया जा सकता है लेकिन आनन्द किसी की बपौती नहीं है इसे तो पाने के लिए सामने वाले को ही आनन्दित करना पड़ेगा क्योंकि ये इसका सृजन ही आनन्द है और सर्म्पण भी आनन्द'

नमस्कार साथियों दैनिक बढ़ता राजस्थान के शख्सियत कॉलम को आप लोगों का प्रेम स्नेह व आर्शिवाद लगातार प्राप्त हो रहा है तभी हम लगातार लिखते आ रहे हैं। हमारी आज की शख्सियत कॉलम के स्टार हैं हमेशा मुस्कान बिखेरने वाले,स्र्वण के बीच रहकर मिट्टी को ना भूलने वाले हमारे राजेश भैया जी। इनका जन्म अलवर में ही 1 अक्टूबर सन 1969 को हुआ। हैप्पी स्कूल से इनकी स्कूली शिक्षा हुई उसके बाद इन्होनें ग्रजुएशन राजर्षि महाविद्यालय अलवर से की। 1997 में तिलक मार्केट में तिरूपति ज्वैलर्स के नाम से अपना व्यसाय शुरू किया। सोने से खरे और अपने सुनहरे व्यवहार के कारण आज लोगों में जबरदस्त लोकप्रियता हांसिल किए हुए हैं। इनके व्यवहार के लोग कायल हैं सच में जब भी किसी से मिलते हैं पूरी ऊर्जा व अपने हंसमुख चहरे को आगे रख कर मिलते हैं। एक बात कहूं दोस्तों आज संसार में दु:ख इतना है कि शायद हर व्यक्ति किसी ना किसी कारण से दु:खी ही है ऐसे में अपने दु:ख छिपाकर दूसरें को खुशी से देखना सच में जीवन जीने की एक कला ही है और हमारे राजेश भैया इस मामले में बहुत धनी व्यक्तित्व हैं शायद इसलिए इन्होंने एक खुशखबरी भी दी है कि जल्द ही दूसरा शोरूम रोड नंबर-2 खुलने जा रहा है। अग्रीम शुभकामनाए। दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

राजेश कुमार
(डायरेक्टर तिरूपति ज्वैलर्स)

जय हिन्द
रूपक शर्मा

आज का इतिहास

14 सितंबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- डेनमार्क में 1770 को प्रेस की स्वतंत्रता को मान्यता मिली।
- फ्रैंसिस कॉटकी द्वारा 1814 में अमेरिका के राष्ट्रगान स्टार स्पैंगिल्ड बैनर लिखा गया।
- विलियम वेंटिक, भारत में 1833 को पहला गवर्नर जनरल बनकर आया।
- अमेरिकी राष्ट्रपति विलियम मैकेंजी की 1901 को अमेरिका में गोली मारकर हत्या कर दी गई।
- पीटर स्टॉलिपिन रूसी क्रांतिकारी 1911 में शहीद हुए।
- रूस आधिकारिक तौर पर 1917 को एक गणतंत्र घोषित हुआ।
- संविधान सभा ने 1949 में हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया था।
- लूना-2 1959 में चंद्रमा की सतह पर उतरा। यह चंद्रमा की सतह तक पहुँचने वाली मानव निर्मित पहली वस्तु थी। इसने सोवियत संघ और अमेरिका में अंतरिक्ष स्पर्धा की शुरुआत की।
- खनिज तेल उत्पादक देशों ने मिलकर ओपेक की स्थापना 1960 में की।
- ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज का गठन 1960 में किया था।
- ब्रिटेन का पूर्व सोवियत संघ के 25 राजनयिकों को 1985 में जासूसी के आरोप में देश छोड़ने का आदेश देने के बाद जैसे को तैसा की नीति अपनाते हुए सोवियत संघ ने भी रूस में कार्यरत 25 ब्रितानी राजनयिकों को फौरन देश छोड़ने का आदेश जारी कर दिया।
- मोनैको की राजकुमारी ग्रेस, जो कार दुर्घटना में घायल हो गई थीं, की मौत 1982 में हुई ।
- माइक्रोसॉफ्ट, जेनरल इलेक्ट्रिक को 1998 में पीछे छोड़कर दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी बनी। न्यूयार्क स्टॉक एक्सचेंज में उसकी कीमत 261 अरब डॉलर आँकी गई।
- किरीबाती, नाउरू और टोंगा 1999 को संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुए।
- माइक्रोसॉफ्ट ने 2000 में विंडोज एम.ई. की लांचिंग की।
- प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 2000 में अमेरिकी सीनेट के दोनों सदनों की सुयंक्त बैठक को सम्बोधित किया, ओलम्पिक मशाल सिडनी पहुँची।
- ओसामा बिन लादेन को 2001 में पकड़ने के लिए अमेरिका में 40 अरब डॉलर मंजूर किया गया।
- गुयाना-बिसाउ में सेना ने 2003 को राष्ट्रपति कुंबा माला सरकार का तख्ता पलटा।
- एस्टोनिया यूरोपीय संघ में 2003 को शामिल हुआ।
- परमाणु ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर इब्सा में 2006 को सहमति। तिब्बत के आध्यात्मिक निर्वासित नेता दलाई लामा को संयुक्त राज्य अमरीका के सर्वोच्च न्यायालय सम्मान से सम्मानित करने की घोषणा।
- विश्व के सबसे बुजुर्ग जयपुर के निवासी 137 वर्षीय हबीब मियां अस्पताल में भर्ती।
- जापान ने 2007 में तानेगाशिया स्थित प्रेक्षेपण केन्द्र से पहला चन्द्र उपग्रह एच-2ए प्रक्षेपित किया।
- रुस के पेर्म क्राई में 2008 को पेर्म हवाई अड्डे पर एअरोफ्लोट विमान 821 के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से विमान में सवार सभी 88 लोग मारे गए।
- भारत ने 2009 में श्रीलंका को 46 रनों से हराकर त्रिकोणीय सीरीज का कॉम्पैक कप जीता। भारत में लिएण्डर पेस व चेकगणराज्य के लुकास ड्लोही ने महेश भूपति और मार्क नोल्स की जोड़ी को हराकर यू. एस. ओपन के पुरुष युगल का खिताब जीता।
- पैरा ओलंपिक 2016 में भारत के अब तक कुल 4 पदक हुए।

14 सितंबर को जन्मे व्यक्ति

- फ़िल्म निर्देशक गोपालदास परमानंद सिप्पी (जी.पी.सिप्पी) का जन्म 1914 को हुआ था।
- कथाकर मोहन थपलियाल का जन्म 1921 को हुआ था।

विशेष आलेख

हिंदी दिवस पर विशेष

हिन्दी है भारत के मस्तक का तिलक

ललित गर्ग

सम्पूर्ण भारत में 1953 से 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिंदी दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई और आज इस दिवस की अधिक प्रासंगिकता क्यों उभर रही है? क्योंकि हमारे देश में दिन-प्रतिदिन हिंदी की उपेक्षा होती जा रही है। राजनीतिक कारणों से हिन्दी को विवादों एवं संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। हिंदी की राह में यूं तो कई बाधाएं हैं, लेकिन सबसे बड़ी बाधा शासन में उसकी उपेक्षा और अंग्रेजीदां नौकरशाही का वर्चस्ववादी रवैया है। हिन्दी पर अंग्रेजी का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हिन्दी राष्ट्रीयता की प्रतीक भाषा है इसलिये हिन्दी को उचित सम्मान देते हुए, उसको राजभाषा बनाने एवं राष्ट्रीयता के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठापित करना हिन्दी दिवस की प्राथमिकता होना ही चाहिए।

आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद हिन्दी को उसका उचित स्थान न मिलना विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत से ठीक दो वर्ष पहले 17 अगस्त 1945 को इंडोनेशिया डच शासन से मुक्त हुआ और अपनी भाषा 'बहासा इंडोनेशिया' को राष्ट्रभाषा के रूप में लागू कर दिया। कुछ इसी तरह 23 अक्टूबर 1923 को जब आधुनिक तुर्की गणराज्य की स्थापना हुई, तो तत्काल तुर्की भाषा को राजकाज की भाषा के रूप में लागू कर दिया। आज हिन्दी विश्व की सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा है, विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एक बड़ा प्रश्न है। सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी अपने उचित सम्मान को लेकर जूझ रही है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण-स्वार्थी सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाने लगा क्योंकि भारत और अन्य देशों में 120 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी हिंदी बोलती व समझती है। बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश तो हिंदी भाषियों द्वारा ही बसाए गये हैं। हिन्दी का हर दृष्टि से इतना महत्व होते हुए भी भारत में प्रत्येक स्तर पर इसकी इतनी उपेक्षा क्यों? हिंदी की राह आजादी के बाद ज्यादा जटिल बनी है। आजादी से पहले ज्यादा बाधाएं नहीं थीं। इसी कारण भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के सूत्रधार महात्मा गांधी स्वयं हिंदी के हिमायती थे। उनके पहले केशव चंद्र सेन, लोकमान्य तिलक जैसी हस्तियां भी देश के हृदयों को नजदीक लाने में हिंदी को ही सक्षम एवं प्रभावी मानते थे। स्वतंत्रता संग्राम के इन महानायकों ने भावी भारत की भाषायी जरूरतों के लिहाज से हिंदी को तैयार करने की कोशिश भी की। लेकिन आजाद भारत में हिन्दी की दशा एवं दिशा ज्यादा चिन्ताजनक बनी है। महात्मा गांधी ने अपनी अन्तर्वेदना प्रकट करते हुए कहा था कि भाषा संबंधी

आवश्यक परिवर्तन अर्थात हिन्दी को लागू करने में एक दिन का विलम्ब भी सांस्कृतिक हानि है। मेरा तर्क है कि जिस प्रकार हमने अंग्रेज लुटेरों के राजनैतिक शासन को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया, उसी प्रकार सांस्कृतिक लुटेरे रूपी अंग्रेजी को भी तत्काल निर्वासित करें।' हिन्दी के लिये इस तरह का दर्द, संवेदना एवं अपनापन हर नागरिक में जागना जरूरी है। वर्तमान में हिन्दी की दयनीय दशा देखकर मन में प्रश्न खड़ा होता है कि कौन महापुरुष हिन्दी को प्रतिष्ठित करने का प्रयत्न करेगा? हिन्दी राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे छांटने के लिये ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि हिन्दी ही भारत को सामाजिक-राजनीतिक-भौगोलिक और भाषायिक दृष्टि से जोड़नेवाली भाषा है। हिंदी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। राष्ट्र भाषा सम्पूर्ण देश में सांस्कृतिक और भावात्मक एकता स्थापित करने का प्रमुख साधन है। भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में हिन्दी को राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में स्कूलों, कॉलेजों, अदालतों, सरकारी कार्यालयों और सचिवालयों में कामकाज एवं लोकव्यवहार की भाषा के रूप में प्रतिष्ठा मिलनी चाहिए। हालांकि इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल ने हिंदी भाषा के भविष्य के संबंध में नई राहें दिखाई है। गूगल के अनुसार भारत में अंग्रेजी भाषा में जहाँ विषयवस्तु निर्माण की रफ्तार 19 फीसदी है तो हिंदी के लिए ये आंकड़ा 94 फीसदी है।

इसलिए हिंदी को नई सूचना-प्रौद्योगिकी की जरूरतों के मुताबिक ढाला जाए तो ये इस भाषा के विकास में बेहद उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इसके लिए सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के स्तर पर तो प्रयास किए ही जाने चाहिए, निजी स्तर पर भी लोगों को इसे खूब प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बात चाहे राष्ट्र भाषा की हो या राष्ट्र गान या राष्ट्र गीत- इन सबको समूचे राष्ट्र में सम्मान एवं स्वीकार्यता मिलनी चाहिए। कुछ राजनीतिज्ञ अपना उल्लू सीधा करने के लिये भाषायी विवाद खड़े करते रहे हैं और वर्तमान में भी कर रहे हैं। यह देश के साथ मजाक है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*। प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो. 9414242258, 9214048888,जयपुर फोन नं.0141-2796794,795 टोंक कार्यालय-बाईपास निवाई, टोंक फोन नं.01432-244881 निवाई 01438-222201,202,203 अलवर कार्यालय-मेहताब सिंह का नोहरा,अलवर मो. 7733000123,कोटा कार्यालय-छावनी मेन रोड,कोटा मो.9414823448 । ई मेल-badhatarajasthan@yahoo.com *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार

जलदाय मंत्री का किया आभार प्रकट

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ ने जलदाय विभाग में 25 हजार नई भर्तीयां करने एवं संविदा कार्मिको पर ध्यान देने के बयान पर जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया है।

महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष अरविन्द व्यास एवं महामंत्री राकेश शर्मा द्वारा जारी बयानो की जानकारी देते हुए संगठन मंत्री अरविन्द त्रिपाठी ने बताया कि जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने व जलदाय विभाग में वर्षो से संविदा पर काम कर रहे कर्मचारियो पर ध्यान देने वाला बयान स्वागत योग्य है। संघ के प्रदेश पदाधिकारियो ने बताया कि नई भर्तीयां करने से जहां एक ओर युवाओं को रोजगार मिलेगा साथ ही घर घर स्वच्छ एवं मीठा शुद्ध पेयजल पहुंचाने की योजना भी साकार होगी। संघ जलदाय मंत्री के इस बयान व मंत्री की धोषणा के लिए आभार प्रकट करता है। साथ ही संघ अन्य विभागो में वर्षो से बकाया चली आ रही डीपीसी, स्थाईकरण एवं अन्य कर्मचारियो की समस्याओं का समाधान करवाने की मांग भी करता है।

जल झूलनी एकादशी पर जिले के जलाशयों पर होगा 'राजस्थान जल महोत्सव-2024 का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

टोंक,(का.स.)। जल झूलनी एकादशी पर 14 सितंबर को जिले के जलाशयों पर 'राजस्थान जल महोत्सव-2024% का आयोजन किया जाएगा। पूर्ण रूप से भरे हुए जलाशयों पर राजस्थान जल महोत्सव को लेकर की गई तैयारियों को लेकर जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि ब्लॉक लेवल पर आयोजित कार्यक्रम पंचायत समिति के विकास अधिकारी एवं जल संसाधन विभाग के निर्देशन में करवाएं जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षेत्र के पूर्ण भर चुके जलाशयों पर महोत्सव के कार्यक्रम आयोजित होंगे।

उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम ब्लॉक देवली की ग्राम पंचायत राजमहल, बीसलपुर बांध पर आयोजित किया जाएगा। इसके लिए विकास अधिकारी देवली एवं बीसलपुर बांध के अधिशाषी अभियंता द्वारा सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जावे। इसके अलावा सभी ब्लॉक पर पूर्ण भरे हुए 7 बांधों तथा ग्राम स्तर पर 11 बांधों पर जल महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों में जनप्रतनिधियों, काश्तकारों आमजन, संस्थाओं की अधिकाधिक सहभागिता हो। साथ ही विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी इन कार्यक्रमों में भागीदारी सुनिश्चित करें।

इन बांधों पर होंगे कार्यक्रम

राजस्थान जल महोत्सव 2024 कार्यक्रम के तहत पंचायत समिति टोंक में चंदलाई बांध, पंचायत समिति निवाई में माशी बांध,पंचायत समिति पीपलू में दौलत सागर बांध, पंचायत समिति देवली में पनवाड़ सागर बांध, पंचायत समिति उनियारा में गलवा बांध, पंचायत समिति टोडारायसिंह में ढीबरु सागर बांध एवं पंचायत समिति मालपुरा में टोरड़ी सागर बांध पर प्रात: 11:30 बजे कार्यक्रम आयोजित होंगे।

तेजाजी मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब, खीर-चूरमा का लगाया भोग

बढ़ता राजस्थान

नटवाड़ा(नि.स.)। कस्बे में स्थित तेजाजी के थान पर किसानों के आराध्य देव सत्यवादी वीर तेजाजी के निर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय मेले के समापन समारोह में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर तेजाजी के थान पर दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा एवं तेजा गायन के तराने गूंजते रहे। मेले के दूसरे दिन तेजा थान पर झंडा चढ़ाने एवं नारियल, दूध, खीर,चूरमा का प्रसाद लगाने के लिए सुबह से श्रद्धालु आने शुरू हो गए। सूरज चढने के साथ ही रैला भी बढ़ता गया। उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। तेजाजी के घोड़ले ने नाग दंश् एवं जहरीले कीड़े के काटने से पीड़ित लोगो की सुरक्षा की कामना कर दंश पीड़ितो की ताती छोड़ी ।

लोक संस्कृति हुई साकार

मेले के दौरान गुरुवार की रात लोक नृत्य, तेजा गायन व जागरण का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जिसमें सिद्धहस्त तेजा गायकों ने समस्त तेजा गायन शैलियों का सुंदर सामंजस्य दिखाया। गायकों ने भक्तों को तेजा टेर में बंधे रहने को विवश कर दिया।लोक नृत्य में अलग-अलग स्थानों से आए मेलार्थियों ने हिस्सा लिया। विविध परम्परागत गीतों पर मेलार्थियों ने प्रस्तुति दी। श्रद्धा व भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं ने ढोल की थाप व डीजे पर तेज आवाज में बजते संगीत के बीच थिरकते हुए नेज़ा झंडे की रस्म अदा की। थान के आसपास पूरे दिन खासी भीड़ रही।

उत्तम संयम की धर्म की हुई पूजा

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। जैन समाज के पर्यूषण पर्व के दौरान शुक्रवार को दशमी के दिन उत्तम संयम धर्म की पूजा हुई।

गांधी पार्क के नजदीक स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में आर्यिका विष्णु प्रभा माताजी एवं सुरम्य मती माताजी के पावन सानिंध्य में उत्तम संयम विधान मंडल की पूजा हुई। इसमें सौधर्म इन्द्र बसन्तीलाल सम्यक कुमार पंवालियां वालो ने शांति धारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। विधान की पूरी पूजा का उच्चारण आर्यिका संघस्थ ब्रह्मचारिणी शैल दीदी ने किया। इस विधान में 250 से अधिक इन्द्र इन्द्राणियो ने भाग लिया। सायंकाल के समय घूप दशमी के पावन अवसर पर श्रद्धालु जिनालय पहुंच कर सुगन्धित धूप खेने से जिनालय पवित्र खुशबू से महक उठे। इसके अलावा जैन मन्दिर चौधरियान में उत्तम संयम धर्म की पूजा सम्पन्न हुई। विधानाचार्य प्रकाशचन्द ने दशलक्षण विधान की पूजा सम्पन्न कराई। इसमें एडवोकेट राजकुमार जैन, एडवोकेट कृष्णकांत जैन, एडवोकेट नरेन्द्र कुमार जैन, विकास जैन, संजय जैन , ओमप्रकाश जैन अपने परिवार के साथ उपस्थित रहकर पूजा में भाग लिया। सुनील कुमार जैन टेन्ट वालो ने बताया कि सायंकाल के समय मन्दिर में 108 दीपको से महाआरती णमोकार मंत्र व भक्तामेर किया जाता है।

6 साल से शिवाड़ सामुदायिक चिकित्सालय को भवन का इंतजार

बढ़ता राजस्थान

शिवाड़ (कुमुद जैन)। कस्बे में भले ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तब्दील कर दिया हो, लेकिन ये घोषणा 6 साल में घोषणा ही रह गई। पूर्व में गत भाजपा शासित राज्य सरकार की ओर से विधानसभा चुनाव से पूर्व 2018 में शिवाड़ स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत कर दिया गया था। उसके बाद कांग्रेस सरकार की ओर से पांच वर्ष में भी इस सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन के लिए बजट आवंटन नहीं किया। उसके बाद अभी वर्तमान में पुन: भाजपा सरकार आने के बाद कस्बे वासियों की उम्मीद इस बजट में विधायक और सरकार से काफी थी कि इस वर्ष तो आवंटित भूमि पर बिल्डिंग बनाने का बजट मिलेगा मगर ये भी अधूरी ही रही । बिना भवन कस्बे सहित आसपास के करीब दस से पन्द्रह गांव के लोगों को इस सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का कोई लाभ नहीं मिल रहा है।

1.49 हैक्टेयर भूमि हुई थी आवंटित

ग्राम पंचायत प्रशासन ने भूमि देने का प्रस्ताव मई 2021 में लिया था। जिसे 3 साल हो गए है। उसके बाद जिला कलेक्टर द्वारा 8 नवम्बर 2021 को खसरा संख्या 1380 कुल रकबा 2 हेक्टर में रकबा 1.49 हेक्टर भूमि आवंटित की गई थी । उक्त भूमि वर्तमान में चल रहे चिकित्सालय से पृथक है । जिस पर नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। जिसका बजट स्वीकृत एवं आवंटन राज्य सरकार की ओर से शेष है ।

लोगों में है रोष

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं जिला परिषद सदस्य प्रेम प्रकाश शर्मा का कहना है कि पिछली कांग्रेस सरकार के पूरे 5 साल के शासन में भी उस समय कांग्रेस के विधायक रहते हुये भी पूर्व सरकार की घोषणा के बाद और जमीन ऑलट होने के बाद भी सीएचसी की बिल्डिंग के लिए बजट नही दिया । जिससे सीएचसी का कोई फायदा ग्रामीणों व आसपास के ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। जिससे लोगों में रोष है। पुन: राज्य में भाजपा की सरकार है और वर्तमान विधायक से हम मांग करते है कि वो अब जनता को सामुदायिक अस्पताल की बिल्डिंग के लिए बजट राज्य सरकार से उपलब्ध करवाये । जिससे यहां के क्षेत्र की 5 बड़ी पंचायत और आस पास के गॉव के करीब 25000 आबादी लोगो को भाजपा के शासन में इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की घोषणा का लाभ मिल सके ।

लम्बे समय से चल रहा पुराने भवन में (कलर बोक्स

कस्बे में पिछले छ: वर्ष पूर्व क्रमोन्नत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को कागजों में भले ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का दर्जा मिल गया हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि पुराने भवन में ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वाली सुविधा है। प्रशासनिक अधिकारी इस मामले में कितने गंभीर है। इसकी बानगी यह है कि क्रमोन्नति की घोषणा के लगभग तीन साल बाद मई 2021 में ग्राम पंचायत द्वारा जमीन अलॉट का प्रस्ताव लिया गया था। जमीन अलॉट के लगभग 3 साल बाद भी आगे से भवन के लिए कोई बजट आंवटन की कार्रवाई नहीं हुई।

6 डॉक्टर और 7 नर्सिंगकर्मियों के पद-

सीएचसी पर वर्तमान में 6 डॉक्टर के पद स्वीकृत है। जिसमे 2 विशेषज्ञ डॉक्टर फिजिशियन एवं सर्जन का पद शामिल हैं। जिसमें से अभी केवल तीन ही डॉक्टर कार्यरत है। कोई विशेषज्ञ डॉक्टर यहां नहीं है। इसके अलावा यहां सात नर्सिंगकर्मी के पद स्वीकृत है। फार्मासिस्ट व एक एएनएम का पद भी रिक्त है।

शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में तेजाजी महाराज का धूमधाम से मनाया निर्वाण दिवस

लोक देवता श्री वीर तेजाजी महाराज के मेले में उमड़े श्रद्धालु

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में शुक्रवार को तेजाजी के मंदिरों में लोक देवता श्री वीर तेजाजी महाराज के मेले का आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड पडा। मेले में तेजाजी के घोडेले ने लोगों को नाग देवता के दर्शन करवाए। ग्राम पंचायत रजवास में श्री वीर तेजाजी का तीन दिवसीय मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान वीर तेजाजी समिति के तत्वाधान में वीर तेजाजी की झांकी सजाकर गांव के मुख्य मार्गो से तेजाजी की बिंदोरी निकाली गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बरोनी थानाधिकारी ओमप्रकाश चौधरी व जिला परिषद समिति सदस्य प्रतिनिधि श्रीराम चौधरी, सरपंच कानाराम जाट का पूर्व वार्डपंच सूरज गुर्जर व निर्मला ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। मेले में गायन मंडली द्वारा तेजाजी के भजनों की प्रस्तुतियां दी गई और नाच गान किया गया। लोगों ने तेजाजी महाराज से सुख शांति बनाए रखने की मनोकामना की। मेले के दौरान मिठाईयां व खिलानों कई दुकानें रही। जिन पर ग्राहकों की भीड जमा रही। शनिवार को महिला गुधरी का आयोजन होगा। इसी प्रकार शहर के गणगोरी बाजार स्थित तेजाजी के मंदिर में श्री वीर तेजाजी महाराज के मेले का आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड पडा। इसी प्रकार गांव भावती में तेजा दशमी के उपलक्ष पर मेले का आयोजन हुआ। जिसमें आसपास के गांव से सैंकडों यात्री आए। उनको तेजाजी महाराज के गोडला हीरालाल जाट ने नाग देवता के दर्शन करवाए। तेजा युवा मंडल के कार्यकर्ता सुदामा चौधरी, सोभागमल जाट, डीके जाट, गिर्राज, चेतन, गणेश, रमेश एवं तेजाजी की गायक मंडली कान्हा पटेल, हरिनारायण जाट, धन्ना लाल, केदार पटेल, विष्णु, कृपा, हनुमान जाट, लड्डू जाट, लादु जाट, सतनारायण जाट सहित कई पदाधिकारी मेले की व्यवस्थाओं में जूटे रहे। इसी प्रकार गांव पराना सहित ग्रामीण क्षेत्र में तेजादशमी के अवसर पर वीर तेजाजी धाम पर लोक देवता तेजाजी महाराज का दो दिवसीय तेजा महोत्सव धुमधाम से मनाया गया। मेले को भव्य रूप से मनाया गया। ध्वजारोहण के साथ तेजाजी की पूजा अर्चना की गई। ग्रामीणो ने घरो में पूजा-अर्चना कर लोक देवता तेजाजी महाराज का निर्वाण दिवस परम्परानुसार धार्मिक आस्था के साथ मनाया। तेजाजी के निर्वाण दिवस पर तेजाजी के निशान एवं छत्र का चल समारोह का आयोजन किया गया। तेजाजी के घोडले ने नाग दंश एवं जहरीले कीडे के काटने से पीडित लोगों की सुरक्षा की व मनोकामना करके सर्पदंश पीडितों की ताती छोडी। इससे पूर्व गुरुवार की रात मेंगॉव में तेजाजी महाराज की बिन्दौरी निकाली गई एवं रात्री जागरण किया गया। इस अवसर पर तेजाजी की भव्य झॉकी सजाई गई तथा मंदिर को भव्य लाइटों से सजाया गया। इसी प्रकार गांव नला में भी लोक देवता श्री वीर तेजाजी महाराज के मेले में तेजाजी के घोडले ने लोगों को नाग देवता के दर्शन करवाए।

जलझूलनी एकादशी आज, निकलेगी डोल यात्रा

विशाल गणेश विसर्जन का आयोजन 17 को

बढ़ता राजस्थान

शिवाड़ (नि.स.)। कस्बे के मुख्य मंदिरों से सर्व हिन्दू समाज के तत्वावधान में आज शनिवार 14 सितम्बर को जलझूलनी एकादशी के पावन अवसर पर ठाकुर जी की डोल यात्रा का जुलुस निकाला जाएगा। घुश्मेश्वर ज्योर्तिलिंग मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष प्रेमप्रकाश शर्मा ने बताया कि जलझूलनी एकादशी की पावन परम्परा का निर्वहन करते हुए शनिवार को सांयकाल 4 बजे कल्याण जी के मन्दिर से ठाकुर जी की डोल यात्रा का जुलुस रवाना होगा।

यह जुलुस मंदिर से सोनी बाजार, मुख्य बाजार होते हुए चारभुजा नाथ मंदिर पहुंचेगा जहां से यहां के मंदिर का भी साथ लगेगा और फिर मुख्य बाजार से शिव प्लाजा कटला होते हुए लक्ष्मीनाथ जी के मंदिर होते हुए दशहरा मेला मैदान पहुंचेगा। जहां ठाकुर जी की सामूहिक आरती के बाद जलविहार के बाद ठाकुर जी के डोल को निज मन्दिर तक पहुंचाया जाएगा। इस सामूहिक कार्यक्रम में करीब 10 से 13 डोल मंदिर के एक साथ यात्रा के रूप में चलते है ।

गणपति विसर्जन महोत्सव का आयोजन 17 सितम्बर को

श्री गणेश मित्र मंडल के कार्यकर्ता दिलीप नामा ने बताया कि गणपति प्रतिमा विसर्जन 17 सितम्बर को सायंकाल कस्बे के बड़े तालाब पर होगा उससे पूर्व दोपहर 12 बजे से श्री गणेश मंदिर शिवाड़ से विशाल शोभायात्रा रवाना होगी जो मुख्य बाजार होकर गौतम आश्रम पहुंचेगी । यात्रा से पूर्व 21000 लड्डुओं का भोग गणपति जी के लगाया जाएगा और उन्हें प्रसादी के रूप में पूरे जुलूस में बांटा जाएगा । यात्रा में भव्य झांकिया और बैंड वादन और रंग गुलाल आकर्षण का केंद्र रहेंगे । गौतम आश्रम के यहां विशाल महाआरती का आयोजन होगा इसके बाद जुलूस यात्रा बड़े तालाब पहुंचेगी । जहां गणपति जी का भव्य नौकाविहार से आतिशबाजीयो के मध्य विसर्जन किया जाएगा और अगले बरस जल्दी आने की कामना की जाएगी ।

गणगौरी मैला मैदान की सफाई व समतलीकरण कार्य हुआ

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। नगरपालिका मालपुरा द्वारा ट्रक स्टेण्ड स्थित गणगौरी मैला मैदान की साफ सफाई कराई जाकर समतलीकरण का कार्य कराया गया।

इस बाबत नगरपालिका अध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी ने अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी जयनारायण जाट को झलझूलनी मेले को देखते हुए गणगौरी मैला मैदान में आवश्यक व्यवस्था कराने के निर्देश दिए गए। पालिकाध्यक्ष सोनी से प्राप्त निर्देशो की पालना में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी जयनारायण जाट शुक्रवार को पालिका के सम्बन्धित कर्मचारियो व ठेकेदार को साथ लेकर मैला मैदान पहुंचे। जहां जाट के निर्देशन में मैदान की साफ सफाई एवं समतलीकरण का कार्य करवाया गया। गौरतलब है कि शनिवार को जलझूलनी एकादशी के पावन अवसर पर शहर के मन्दिरो के ठाकुर जी की निकाली जाने वाली सामूहिक डोल यात्रा शहर में भ्रमण के बाद इसी गणगौरी मैला पहुंचेगी। जहां ठाकुर जी की सामूहिक आरती के बाद जलविहार के बाद ठाकुर जी के डोल वापस अपने अपने नीज मन्दिरो में पहुंचेगें। साथ ही मालपुरा में निकाली जाने वाली सामूहिक डोल यात्रा हिन्दु समरसता मंच के तत्वावधान में निकाली जाएगी। मंच की ओर से पालिकाध्यक्ष सोनी को इस बाबत पत्र लिखकर आवश्यक व्यवस्थाऐं करवाने का अनुरोध किया गया था। इसी पत्र के आधार पालिकाध्यक्ष सोनी ने पालिका प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए थे।

लोक देवता तेजाजी महाराज के मेलो में उमड़े श्रद्धालु

नाग देवता के दर्शन कर हुए अभिभूत

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र के हाथकी, भवानीपुरा एवं चैनपुरा गांवो में लोक देवता तेजाजी महाराज के पवित्र स्थानो पर आयोजित मेलो में भाग लेकर श्रद्धालुओं ने तेजाजी महाराज के दर्शन कर ढोक लगा व साक्षता नाग देवता के दर्शन कर क्षैत्र में सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

उपखण्ड मालपुरा में शुक्रवार को शहर के बम्ब तालाब की पाल स्थित तेजाजी महाराज के स्थान सहित बृजलालनगर, क्षैत्र के हाथकी, भवानीपुरा, चैनपुरा , डेंचवास सहित अन्य कई स्थानो पर मेलो का आयोजन किया गया। इन मेलो में भारी संख्या में ग्रामीणजन व श्रद्धालु उमड़े। साथ ही लोक देवता तेजाजी महाराज के घोड़लो में तेजाजी महाराज की छाया भी आई। लोक देवता के स्थानो पर दिन भर ग्रामीण नाचते गाते रहे। मेलो में उमड़े श्रद्धालुओं ने लोक देवता तेजाजी महाराज के जयकारो के साथ साक्षत नाग देवता के दर्शन कर अपने दुख दर्द सुनाकर सुख समृद्धि एवं आर्शिवाद बनाए रखने की कामना की। तेजा दशमी के पावन अवसर पर क्षैत्र में सबसेब बड़ा एवं विशाल मेला हाथकी व चेनपुरा में आयोजित हुआ। इन दोनो मेलो में आसपास व दूरदराज से भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। साथ ही इन दोनो भव्य मेलो में लोक देवता की छाया आने वाले घोड़लो ने लोगो के दुख दर्द सुनकर इनके दूर करने के उपाय भी बताए। साथ ही नाग देवता के साक्षात दर्शन भी करवाए। चेनपुरा में लोक देवता तेजाजी महाराज के मेलो में दिन भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सायंकाल के समय पूर्व में चली आ रही परम्परा के अनुसार नाग देवता को फूलो से सजी थाली में रखकर बेण्डबाजो के साथ जुलुस के रूप में तालाब की पाल पहुंच कर नाग देवता को छोड़ा गया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चतुर्भुजपुरा की दो छात्रों का वॉलीबॉल कीड़ा प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर हुआ चयन

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। 68 वी जिला स्तरीय वॉलीबॉल कीड़ा प्रतियोगिता में 14 वर्षीय छात्रा वर्ग में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चतुर्भुजपुरा की दो छात्राओं राज्य स्तर के लिए चयन हुआ है । प्रधानाचार्य डॉ. विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि जिला स्तरीय कीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन वीर तेजा उच्च माध्यमिक विद्यालय लांबा हरि सिंह में हुआ था जिसमें विद्यालय की दो छात्राओं अनु चौधरी पुत्री शंकर लाल जाट व अंकिता जाट पुत्री गिर्राज जाट का राज्य स्तर पर चयन हुआ इनमें से अनु चौधरी को छात्रा वर्ग में जिला स्तर की श्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब भी दिया गया था। विद्यालय के वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक सिकंदर खान ने बताया कि अब दोनों खिलाड़ी रा उ मा विद्यालय पंडित जी की ढाणीओसियां जोधपुर ग्रामीण में टोंक जिले की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी । राज्य स्तर पर चयन होने पर विद्यालय के समस्त स्टाफ व ग्राम चतुर्भुजपुरा में खुशी का माहौल है।

तीन दिन से जारी तूफानी बारिश थमी तो प्रशासन जुटा राहत और बचाव में

- भारी बारिश से शहर का रिंग रोड़ उमरी के पास 100 मीटर एरिया में उखड़ा
- खेतो में भरा पानी,किसान की फसल खराब,बसेड़ी मार्ग पर यातायात शुरू

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। पिछले तीन दिन से जारी मूसलाधार बारिश का दौर आखिर गुरुवार की रात थम गया। शुक्रवार को सुबह सूर्य देव के लोगों को तीन दिन बाद दर्शन हुए। वहीं लगातार हुई मूसलाधार बारिश के कारण शहर और आसपास के क्षेत्र के साथ पूरा धौलपुर जिला ही जलमग्न सा हो गया। बाड़ी शहर से गुजरने वाले सभी रास्ते कट गए। ऐसे में बाड़ी का जिला मुख्यालय धौलपुर सहित सैपऊ,बसेड़ी उपखंड मुख्यालयो से भी संपर्क कट गया। अब बारिश थमने के बाद राहत एवं बचाव कर शुरू हुए हैं। धौलपुर कलेक्टर श्री निधि बीटी, भरतपुर संभागीय आयुक्त सांवर मल वर्मा,पुलिस अधीक्षक सुमित महरेड़ा साथ राहत एवं बचाव कार्य के लिए बुलाई आर्मी के अधिकारी और प्रशासन के तमाम लोग अब व्यवस्थाओं को दुरस्त करने में जुटे हुए है।

बाड़ी धौलपुर के बीच हाइवे से यातायात रुका, डाइवर्ट रूट से रोडवेज का संचालन शुरू : बाड़ी धौलपुर के बीच में उर्मिला सागर बांध के उफान पर आ जाने से गांव खनपुरा को बचाने के लिए प्रशासन ने गुरुवार को हाईवे 11बी को करीब 50 मीटर एरिया में काट दिया था। ऐसे में बाड़ी और धौलपुर के बीच हाईवे से यातायात बंद हो गया था। पूरे दिन यातायात बाधित रहने से यात्री परेशान हुए। ऐसे में टेंपो चालकों और डग्गेमार वाहनों के साथ निजी बसों ने यात्रियों से मन माफिक किराया वसूल किया था। ऐसे में आज से वन विहार होकर बाड़ी धौलपुर के बीच रोडवेज द्वारा आवागमन शुरू किया है। बाड़ी रोडवेज बस स्टैंड प्रभारी रामदुलारे शर्मा ने बताया कि यात्रियों के साथ हो रही लूट को रोकने के लिए रोडवेज डिपो धौलपुर ने तत्काल निर्णय लिया है। निर्धारित किराए में ही डाइवर्ट मार्ग से आवागमन शुरू कराया है।

भूतेश्वर की पुलिया पर काम शुरू,रुका पड़ा था यातायात : बसेड़ी रोड पर भूतेश्वर मंदिर के पास पार्वती नदी में आए उफान के चलते पुलिया के ऊपर बनी सड़क उखड़ गई थी। जिससे यातायात रुका पड़ा था। ऐसे में जैसे ही नदी का वेग कम हुआ है। उखड़ी पड़ी सड़क से पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा मलबे को एक साइड कराया है और यातायात शुरू कराया है साथ मे मरम्मत का कार्य शुरू किया है।

शहर का नवनिर्मित रिंग रोड उमरी के पास उखड़ा : बाड़ी शहर के जाम और यातायात की समस्या का समाधान करने के लिए पिछली कांग्रेस सरकार में रिंग रोड बनाया गया था। उक्त रिंग रोड उमरी गांव के पास करीब 100 मीटर एरिया में उखड़ गया है। भारी बारिश के चलते सड़क पर से जब पानी वेग के साथ निकल तो रिंग रोड को ही उखाड़ कर ले गया। इससे रिंग रोड पर यातायात प्रभावित हुआ है।हालांकि वाहन धीरे-धीरे सड़क के दूसरी साइड से निकल रहे हैं लेकिन अभी तक यहां मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हुआ है।

खेतों में भरा पानी, बाजरे की फसल खराब

3 दिन में करीब 10 इंच पानी बरसने से ग्रामीण क्षेत्र में खेतों में पानी भर गया है। ऐसे में बाजरे की खड़ी फसल के खराब होने की आशंका है। कई किसानों के खेतों में तो पानी ने खाई तक खोद दी है। ऐसे में जरारी,घेसुआ,कंचनपुर,उमरी, अतिराज पुरा,रानपुर,टोटरी, भीमगढ़ सहित तमाम ग्रामीण क्षेत्र में नुकसान की सूचना है।

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के चुनाव सम्पन्न

निर्विरोध रूप से फिर अध्यक्ष बने जितेंद्र कंसाना, मंत्री की जिम्मेदारी मनीष पचौरी को

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के वार्षिक चुनाव शुक्रवार को शहर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किला में चुनाव अधिकारी प्राचार्य हरिओम सिंह सिकरवार,चुनाव पर्यवेक्षक देवेंद्र प्रसाद शर्मा,मोहन सिंह सिकरवार,नवनीत प्रिय त्रिपाठी की देखरेख में आयोजित हुए। निर्विरोध रूप से हुए इस निर्वाचन में निवर्तमान अध्यक्ष जीतेन्द्र कंसाना को ही संगठन के समस्त पदाधिकारी की सर्वसम्मति से एक बार फिर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राजस्थान शिक्षक संघ का दूसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने के बाद जीतेंद्र कंसाना ने सभी को निवेदन किया कि संगठन ने उनको एक बार फिर से जो जिम्मेदारी सौपी है। उसका वह सभी पदाधिकारी के सहयोग से तन,मन और धन से पालन करेंगे। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय संगठन की रीति नीति से अन्य शिक्षकों को अवगत करा उनको जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। संगठन से जुड़े समस्त शिक्षकों की समस्याओं को लेकर भी उनका प्रयास रहेगा की उनका समाधान हो एवं महिला शिक्षकाओ को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो,इसका भी संगठन से जुड़ी महिला पदाधिकारी ध्यान रखेंगी। चुनाव अधिकारी हरिओम सिंह सिकरवार द्वारा जीतेंद्र कंसाना को दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित किए जाने के साथ अन्य पदाधिकारी का भी निर्विरोध निर्वाचन किया गया जिसमें मंत्री मनीष पचौरी,कोषाध्यक्ष शिव कुमार सिंघल, सभाध्यक्ष विजेंद्र शर्मा,महिला मंत्री पिंकी शर्मा,उप सभाध्यक्ष सुमन कुशवाह,एवं मानसिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र यादव,हरभजन गुर्जर,श्वेता सारस्वत,राजेश कुमार गुर्जर,कैलाश चंद्र और रिंकी गुर्जर को बनाया गया। वहीं प्रधानाचार्य सदस्य के रूप में विनोद शर्मा,वरिष्ठ अध्यापक प्रतिनिधि जानकीनंदन शर्मा,प्राध्यापक प्रतिनिधि पवन कुमार भारद्वाज,महिला शिक्षक प्रतिनिधि अनुराधा चौधरी,प्रयोगशाला सहायक प्रतिनिधि सूरज मीणा, पुस्तकालय अध्यक्ष कमलेश शर्मा,शारीरिक शिक्षक प्रतिनिधि हनुमान पादरीवाल,सेवानिवृत शिक्षक प्रतिनिधि कल्याण पाराशर,प्रदेश महासमिति सदस्य रघुवीर प्रसाद शर्मा,राजेश कुमार शर्मा,उमा पाठक,कुलदीप कौर,जिला महासमिति सदस्य सुनील कुमार शर्मा,पुष्पेंद्र कुमार शर्मा, मालती शर्मा,विनोद कुमार शर्मा,राजेश शर्मा,लक्ष्मण सिंह, महाराज सिंह मीणा,जितेंद्र जाटव,भारत भूषण,रीना शर्मा, देवकीनंदन शर्मा,संतोष कुमार सेन,अशोक शर्मा,गौरव,अतर सिंह गुर्जर,रामनिवास शर्मा,मुकेश कुमार निर्वाचित किए हैं।

जिले में 48 घंटे में 185 एमएम बारिश : चंबल नदी खतरे के निशान से ऊपर, पार्वती बांध के गेट किए बंद, रेस्क्यू के लिए सेना के जवान पहुंचे

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। धौलपुर जिले में 48 घंटे बाद बारिश का दौर थम गया है। 2 दिन हुई मूसलाधार बारिश के बाद शुक्रवार सुबह धूप निकली। 2 दिन तक हुई बारिश के बाद मौसम साफ होने पर बांधों और नदियों में पानी की आवक तेज हुई है। कोटा से छोड़े गए पानी के बाद चंबल नदी खतरे के निशान से 3.71 मीटर ऊपर बह रही है। पार्वती बांध के सभी गेट बंद कर दिए गए हैं। जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के साथ सेना के जवान बुलाए गए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को देखते हुए जिला कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसिल कर दी हैं।

इस सीजन में धौलपुर जिले में अब तक 1063.50 एमएम बारिश हो चुकी है। जो सामान्य बारिश से 63.62 प्रतिशत अधिक है। पिछले दो दिन तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद जिले के सभी बांध ओवरफ्लो हैं। जिसके चलते पार्वती बांध के 16 गेट खोलकर करीब 30 हजार क्यूसेक पानी निकाला गया। पार्वती बांध से छोड़े गए पानी के बाद कई गांव का संपर्क एक दूसरे से कट गया। गांव में बाढ़ जैसे हालात को देखते हुए जयपुर और भरतपुर से सेना के 71 जवान धौलपुर बुलाए गए और भरतपुर से सेना के 71 जवान धौलपुर बुलाए गए हैं। जो एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाएंगे। पिछले दो दिन में बारिश के चलते तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 9 पशुओं को भी अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। धौलपुर के साथ सवाई माधोपुर और करौली क्षेत्र में हुई बारिश के बाद ओवरफ्लो पानी चंबल नदी में आ रहा है। जिस वजह से धौलपुर जिले में चंबल नदी का जलस्तर खतरे के निशान 130.79 मीटर से ऊपर 134.50 मीटर पर पहुंच गया है। जिसको लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

प्रभारी सचिव ने ली बैठक : जिले में हो रहे जलभराव के बाद प्रभारी सचिव पी रमेश ने जिला कलेक्ट्रेट में सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में खराब सड़क व्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई के अधिकारियों को फटकार लगाई। छितरिया ताल के पानी का होगा उपयोग- कलेक्टर प्रभारी सचिव की बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने शहर में मौजूद छितरीया ताल के पानी को उपयोग में लेने की बात कही। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने कहा कि छितरिया ताल के पानी की वजह से ही शहर में जलभराव के हालात हैं। ऐसे में ताल के पानी को उपयोग में लेने के लिए निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि छितरीया ताल के पानी को पेयजल सप्लाई के तौर पर उपयोग में लिया जाएगा।

सैंपऊ में फसल को सबसे ज्यादा नुकसान : आपदा बैठक के दौरान कृषि विभाग ने नुकसान की जानकारी देते हुए बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सबसे अधिक फसलों का नुकसान सैंपऊ के 23 और बसेड़ी के 7 गांव में हुआ है। उन्होंने बताया कि सैंपऊ क्षेत्र में करीब 1300 हेक्टेयर में बोई गई बाजरे की फसल के नुकसान का आंकलन किया गया है। वहीं जिले में दूसरी जगह हुई फसलों के नुकसान के आंकलन के लिए अधिकारियों को फील्ड में भेजा गया है।

धौलपुर दौरे पर भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर : कार्यकर्ताओं की ली बैठक, सदस्यता अभियान को लेकर दिलाया संकल्प

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर धौलपुर पहुंचीं। धौलपुर दौरे पर राष्ट्रीय मंत्री ने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भाजपा के जिला पदाधिकारियों के साथ सदस्यता अभियान के संयोजक और सह संयोजकों की बैठक ली। भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर हुई बैठक में राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर ने जिले में चलाए जा रहे सदस्यता अभियान को लेकर जिला पदाधिकारियों के साथ कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय मंत्री ने सदस्यता अभियान से जुड़े पदाधिकारियों को सदस्यता अभियान को लेकर गांव-गांव पहुंचकर नए सदस्य बनाने का संकल्प दिलाया। राष्ट्रीय मंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में 2 लाख से अधिक नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसे पूरा करने के लिए कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर नए सदस्यों को भाजपा की विचारधारा से जोड़ना है। बैठक के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर ने अपने जिले में सदस्यता अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। भाजपा कार्यालय पर हुई बैठक के दौरान जिले के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में मौजूद भाजपा पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय मंत्री से सदस्यता अभियान को लेकर लक्ष्य को निर्धारित समय में पूरा करने का आश्वासन दिया।

नगर पालिका प्रशासन ने की जिला मजिस्ट्रेट के आदेश की अवहेलना, कार्यक्रम में मौजूद रहे प्रशासनिक कई सरकारी अधिकारी और कर्मचारी

बढ़ता राजस्थान

सरमथुरा/धौलुपर (नि.स.)। गुरुवार को जिले हो रही भारी बारिश व जलभराव की समस्या के चलते जिला मजिस्ट्रेट द्वारा किसी भी मेले के आयोजन पर आगामी आदेश तक रोक लगाई गई है परन्तु नपा प्रशासन द्वारा आदेश को दरकिनार करते हुए सांस्कृतिक प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें भोला गुर्जर (बाबू गप्पी) मुख्य कलाकार को आमंत्रित किया गया था कार्यक्रम की शुरुआत रात्रि 8 बजे से की गई व स्थानीय कलाकारों द्वारा भी कार्यक्रम में प्रस्तुति दी गई। बता दें किसी भी प्रकार के आयोजन पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा एक दिन पूर्व ही आदेश जारी कर दिए गए थे परन्तु आदेश की अवहेलना करते हुए नपा अध्यक्ष जलालुद्दीन खान व अधिशासी अधिकारी द्वारा मेले का व मेले में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। तथा दर्शकदीर्घा में नपा के कर्मचारियों के साथ प्रशासनिक विभाग के कार्मिक मौजूद रहे। हमारे द्वारा दोपहर 2 बजे ही नपा को सूचना दी गई थी मेले की आयोजन की अनुमति नही है फिर भी नगर पालिका ने आदेश को दरकिनार कर दिया। सुरक्षा को पुलिस को तैनात रहना पड़ा।

गौरव कुमार, एसएचओ, सरमथुरा।

प्रशिक्षु सीओ और कॉन्स्टेबल को मिला डीजीपी डिस्क अवार्ड

75 हजार के इनामी बदमाश को पकड़ने और साइबर क्राइम में मिली सफलता पर मिला इनाम

बढ़ता राजस्थान

धौलुपर (नि.स.)। धौलपुर जिले में साइबर क्राइम और इनामियों की धरपकड़ के लिए काम करने वाले एक तत्कालीन प्रशिक्षु आरपीएस अधिकारी और कॉन्स्टेबल को 'महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' अवार्ड से नवाजा गया है। तत्कालीन प्रशिक्षु आरपीएस अंगद शर्मा वर्तमान में डीएसपी बौंली जिला सवाई माधोपुर में तैनात हैं। वहीं, डीजीपी डिस्क अवार्ड से सम्मानित कॉन्स्टेबल अशोक कुमार दहिया धौलपुर जिले की साइबर शाखा में पदस्थापित हैं। राजस्थान के डीजीपी उत्कल रंजन साहू द्वारा प्रदेश में 19 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को 'महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' के अवार्ड दिए गए हैं। पुलिस मुख्यालय के आदेश के तहत पुलिस विभाग में कार्यरत पुलिस सेवा के अधिकारी और कर्मचारियों (तकनीकी सहित) के मनोबल वृद्धि हेतु महानिदेशक पुलिस प्रशस्ति डिस्क एवं प्रशस्ति रोल दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इस संबंध में जिला, रेंज, यूनिट से अपराध, प्रशासन, कानून व्यवस्था और इंटेलिजेंस के क्षेत्र में प्राप्त प्रस्तावों पर चयन समिति अनुशंसा पर 19 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को 'महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' प्रदान किया गया। 19 पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों में से तत्कालीन प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी अंगद शर्मा ने धौलपुर जिले में 75 हजार रुपए के इनामी बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की थी। जिसके लिए उन्हें अवार्ड दिया गया हैं। वहीं, धौलपुर जिले की साइबर शाखा में तैनात कॉन्स्टेबल अशोक कुमार दहिया को साइबर क्राइम में बेहतरीन कार्य करने के लिए डीजीपी डिस्क का अवार्ड दिया गया है।

राजाखेड़ा छात्र नेता सोनू बांकुरे बने राजस्थान युवा कांग्रेस के जिलाउपाध्यक्ष

बढ़ता राजस्थान

राजाखेड़ा/धौलुपर (नि.स.)। विधायक रोहित बोहरा की अनुशंसा पर राजाखेड़ा के मूल निवासी छात्र नेता सोनू बांकुरे को राजस्थान युवा कांग्रेस में धौलपुर जिले का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। राजाखेड़ा नगरपालिका अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह जादौन ने जानकारी देते हुए बताया की राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा की अनुशंसा पर राजाखेड़ा के सोनू बांकुरे को राजस्थान युवा कांग्रेस में धौलपुर जिले के जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।राजस्थान युवा कांग्रेस में छात्र नेता सोनू बांकुरे को यह जिम्मेदारी पहली बार सौंपी गई है।पर राजकीय महाविद्यालय राजाखेड़ा के छात्र संघ चुनाव में एनएसयूआई के प्रत्याशी के रूप में अपनी अहम भूमिका निभा चुके हैं।छात्र नेता सोनू बांकुरे ने बताया की जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है इससे पहले मेने एनएसयूआई कार्यकर्ता के रूप में पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य किया था।

नशे की सप्लाई करते आरोपी गिरफ्तार: कृषि उपज मंडी परिसर से पकड़ा; 1.170 किलो गांजा, 1.5 ग्राम स्मैक बरामद

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी/धौलुपर (राजू शर्मा)। बाड़ी शहर के बसेड़ी रोड पर स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में युवाओं को स्मेक और गांजे की सप्लाई हो रही थी। सप्लाई करने वाला आरोपी को गश्त के दौरान पुलिस ने पकड़ लिया। कोतवाली पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक किलो से अधिक गांजा और स्मैक की पुड़िया बरामद की है। ऐसे में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई की जा रही है। कोतवाली थाना अधिकारी शिवलहरी मीणा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा के निर्देश पर पुलिस द्वारा लगातार वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ गांजा, शराब और जुआ, सट्टे को लेकर अभियान चलाया हुआ है। अभियान को लेकर हर रोज शाम को गश्त के दौरान संदिग्ध स्थानों पर विशेष जांच की जा रही है। ऐसे में कोतवाली पुलिस ने शहर के बसेड़ी रोड पर कृषि उपज मंडी परिसर के आसपास लोगो की शिकायत मिलने पर जांच शुरू की है।जिसके तहत गुरुवार की शाम को पुलिस ने गश्त के

दौरान कृषि उपज मंडी के गेट के बगल में बने चौकीदार कक्ष जो वर्तमान में जर्जर अवस्था में, उसमें बैठे हुए व्यक्ति को देखा। जब पुलिस को देखकर वह व्यक्ति कृषि उपज मंडी के अंदर की तरफ जाने लगा तो पुलिस ने शक के आधार पर उसे रोका और पूछताछ की साथ मे उसके पास मिली थैली को देखा उसमें स्मेक और गांजे के साथ सिल्वर फाइल रखी हुई थी। ऐसे में आरोपी को पकड़ कर थाने लाया गया। जहां पूछताछ में उसने अपना नाम शिवम गर्ग उर्फ दिनेश गर्ग पुत्र विजय कुमार गर्ग निवासी मलक पाड़ा बताया। आरोपी के पास से पुलिस ने एक किलो 170 ग्राम गांजा और 1.5 ग्राम स्मैक बरामद की है साथ में 10 सिल्वर फॉइल भी जब्त की है। आरोपी शिवम गर्ग ने बताया कि वह उक्त नशे की सामग्री को युवाओं को सप्लाई करता था। ऐसे में एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पार्वती बांध के पानी से टूटा 6 गांवों का संपर्क: खेतों और घरों में भरा पानी, बिजली सप्लाई ठप

बढ़ता राजस्थान

राजाखेड़ा/धौलुपर (राजू शर्मा)। धौलपुर जिले की राजाखेड़ा में 48 घंटे तक हुई लगातार मूसलाधार बारिश के बाद नदी-नाले उफान पर हैं। बारिश के बाद लोगों को कई जगह जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा है वहीं पार्वती बांध में भारी पानी की आवक के चलते करीब 16 गेट खोलकर पानी को रिलीज किया जा रहा है। जिसके बाद आज गेट वापस बंद कर दिए है। जिनदी में हुई जोरदार पानी की आवक के बाद नदी से लगते इलाकों में खेत-खलियान जलमग्न हो गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार उन्होंने 1995 के बाद अब 2024 में नदी का ऐसा रौद्र रूप देखा है। लोगों ने बढ़ते जलस्तर को देखते हुए पशुओं के भूसे और अन्य जरूरी सामान को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करना शुरू कर दिया है। आंगई स्थित पार्वती बांध में से पानी रिलीज किए जाने के बाद नदी के तटवर्ती भागों में पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। हालत यह है कि गांव नागर की पुलिया के ऊपर से पानी बह रहा है वहीं नादोली रपट पर करीब 15 से 17 फीट तक पानी की चादर चल रही है।

सेंती में तेजा दशमी महोत्सव एवं किसान सम्मेलन का आयोजन

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा हुए शामिल

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। शुक्रवार को सेंती में जाट छात्रावास स्थल पर तेजा दशमी महोत्सव एवं किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी और नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री झाबर सिंह खर्रा सहित जनप्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने तेजाजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और प्रतिभावान बालिकाओं का सम्मान किया।

कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि केन्द्र के बजट में यह वर्ष किसानों को समर्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि कई फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाकर किसानों को राहत दी है।उन्होंने कहा कि किसान प्राकृतिक खेती करें। इस पर भारत सरकार 20 हज़ार रुपए प्रति एकड़ अनुदान देगी। उन्होंने कहा की शुरुआत में इससे उपज थोड़ी कम होगी लेकिन बाद में उर्वरकों जितनी ही पैदावार आने लगेगी। उन्होंने किसानों से रसायनों का उपयोग कम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती कर स्वयं भी बचे और प्राणी मात्र को भी बचाएं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने किसानों की आय के लिए कई प्रयास किए हैं। आगे भी किसानों के हित में लगातार कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि तेजा दशमी के शुभ अवसर पर मैं तेजाजी को नमन करता हूं। देश के विकास में अन्नदाता किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। किसान कृषि में रसायनों का उपयोग कम कर प्राकृतिक खेती करें। इससे उन्हें लाभ होगा और पर्यावरण भी बचेगा।

इस अवसर पर सांसद सीपी जोशी, चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, निंबाहेड़ा विधायक चंद कृपलानी, बेगू विधायक सुरेश धाकड़, कपासन विधायक अर्जुन लाल जीनगर, जिला प्रमुख भूपेंद्र सिंह बडोली, पूर्व उप जिला प्रमुख मिट्ठू लाल जाट, कपासन प्रधान भैरूलाल जाट, पूर्व विधायक बद्री लाल जाट सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी उपस्थित रहे।

108 दीपों से की महाआरती, गणपति के लगाए जयघोष

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। बजाज खाना सब्जी मंडी चार खंबा स्थित गणेश नवयुवक मंडल गणेश प्रतिमा पर शुक्रवार को भव्य आयोजन हुआ जिसमें कोटा व्यापार महासंघ, भाजपा जिला अध्यक्ष, ग्रेटर कोटा प्रेस क्लब के पदाधिकारी को सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर 108 दीपों से महाआरती की गई।

इस अवसर पर मंगलवर्धनी परिवार और आयोजन समिति की ओर से सभी अतिथियों का साफा और दुपट्टा उड़ाकर सम्मान किया गय। ग्रेटर कोटा प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष व्यापार महासंघ सलाहकार बोर्ड के डायरेक्टर बद्री प्रसाद गौतम की ओर से कोटा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष क्रांति जैन, महासचिव अशोक महेश्वरी, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश जैन, ग्रेटर कोटा प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुनील माथुर, महामंत्री अनिल भारद्वाज, उपाध्यक्ष हरिमोहन शर्मा, संयुक्त सचिव चंद्र प्रकाश शर्मा, संरक्षक पवन आहूजा, कय्यूम अली, उद्योगपति हसमुख भाई पटेल, अरविंद भाई पटेल, सब्जी मंडी व्यापार संघ के संरक्षक रामबाबू सोनी, अध्यक्ष सुनील खरबंदा, महामंत्री राजू सालवी, अग्रसेन व्यापार समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार जैन, का भी सम्मान मंडल की और से किया गया।

जिला कलक्टर व कोचिंग स्टूडेंटों ने गणपति के भजनों से की आराधना

ईश्वर की स्तुति करोगे तो मिलेगा आत्मबल, रहेंगे खुश : जिला कलक्टर

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। डॉक्टर गणेश महोत्सव के तहत प्रतिदिन गणेश महोत्सव में महा आरती का आयोजन किया जा रहा है गुरूवार को महा आरती के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने प्रथम पूजनीय भगवान गणेश जी की पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर बच्चों को मोटिवेट करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी को धर्म से जुड़ना चाहिए। ईश्वर की स्तुति करोगे तो आत्मबल मिलेगा और हम खुश रहेंगे। इस दौरान जिला कलक्टर ने भगवान श्रीराम का गीत भी गाया जिस पर कोचिंग स्टूडेंटो ने उनका भगवान के जयघोष के साथ स्वागत किया।

चंबल हॉस्टल एसोसिएशन के अध्यक्ष विश्वनाथ शर्मा ने बताया कि गणपति के नियमित पूजा अर्चना की जा रही है स्टूडेंट को मोटिवेट किया जा रहा है, उन्हें घर जैसा माहौल देने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर बच्चों ने भी अपने मन के उद्गार मंच के माध्यम से प्रकट किए और भगवान के गीतों की प्रस्तुति दी। इस दौरान कोचिंग स्टूडेंटों ने भी भगवान गणेश जी की आराधना, पूजा अर्चना की।

30 लाख बीमा सहायता का चेक सौंपा

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। भारतीय स्टेट बैंक की राजभवन रोड कोटा शाखा ने पुलिस सैलरी पैकेज के तहत अपने खातेदार की मृत्यु पर बैंक के तरफ से मिलने वाली बीमा की सहायता राशि के कुल 35 लाख रुपए मृतक के परिवार के लिए भुगतान किया।

इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक राम सिंह ने पुलिस अधीक्षक कोटा (ग्रामीण) करन शर्मा को 30 लाख का दुर्घटना बीमा क्लेम का चेक सौंपा। पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत सभी वेतन धारियों का बैंक साधारण मृत्यु व दुर्घटना मृत्यु का बीमा करती है एवं इसके लिए ग्राहकों से कोई प्रीमियम नहीं लेती है। इस अवसर पर एसबीआई के आरबीओ से मुख्य प्रबंधक अरुण सिन्हा व राजभवन रोड शाखा से मुख्य प्रबंधक अतुल कुमार उपस्थित थे। कुमार ने उपस्थित सभी पुलिसकर्मीयों को सैलरी पैकेज के तहत मिलने वाले समस्त लाभों की जानकारी दी।

कामयाब कोटा अभियान

कोटा में रहने का आनंद लें, यह जीवन का सुंदर दौर-कलक्टर

मेहनत करें अच्छी संगत में रहें -कलक्टर

'डिनर विद कलेक्टर' में छात्राओं के साथ संवाद

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। 'कामयाब कोटा' अभियान के तहत जिला कलक्टर डॉ रविंद्र गोस्वामी गुरुवार को लैंडमार्क सिटी, कुन्हाड़ी स्थित वंश गुड होम गर्ल्स हॉस्टल पहुंचे और वहां कोचिंग छात्राओं के साथ डिनर करते हुए संवाद किया।

छात्राओं ने उनसे पीएमटी से यूपीएससी तक के सफर के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि कोटा आने के बाद उन्होंने कोचिंग में एडमिशन लेने के बाद छोड़ दिया था और उस साल नीट पास नही कर पाया। अगले साल नीट पास हुई थी। उसके बाद पीजी किया और सिविल सर्विस के एग्जाम में बैठा और प्रशासनिक अधिकारी बना। उन्होंने बताया कि अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव के बाद उन्होंने अपनी मंज़िल हासिल की।

उन्होंने कहा नौकरी, इम्तिहान जीवन का हिस्सा है। संपूर्ण जीवन नही है। जीवन में कुछ सफलताएं मिलती हैं कुछ नही मिलती लेकिन हार नहीं मानकर आगे बढ़ना और अपनी पसंद का प्रोफेशन अपनाना भी खुशी देता है। उन्होंने कहा कि कोटा में रहने के हर पल का आनंद उठाएं। तैयारी के विकल्प से जुड़े प्रश्न पर उन्होंने कहा कि छात्र स्वयं की क्षमताओं को पहचानते हैं इसलिए अगर कोई कोचिंग, टेस्ट सीरीज जैसी सुविधा आपके सफर को आसान बनाती है तो आप बेहतर विकल्पों को चुनें। अपनी तरफ से ईमानदार कोशिश करें बाकी ईश्वर के फैसले पर विश्वास रखें।

टारगेट के अनुसार पढ़ाई न कर पाने पर होने वाले तनाव से कैसे निपटा जाए के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि दिन को छोटे छोटे हिस्सो में बांटे। समय और लक्ष्य को कंपार्टमेंटलाइज करें और अपने अटेंशन स्पान को पहचाने और उसके पूरा होने पर खुद को खुश करने वाले कार्य करे।

पढ़ाई करने के बाद भी असफल होने का डर लगने के सवाल पर उन्होंने कहा कि शंका और घबराहट सभी मेहनत करने वालो को होती है और थोड़ी घबराहट, चिंता मेहनती छात्र की पहचान है।पढ़ाई को मजबूरी में ना पढ़े, प्रेरणा के साथ पढ़ें।

पीएमटी से यूपीएससी के सफर से जुड़े सवाल पर डॉ गोस्वामी ने कहा कि डॉक्टर के रूप में मरीजों की सेवा का मौका मिला अब प्रशासनिक अधिकारी के रूप में लाखों लोगों के जीवन में बदलाव लाने का मौका मिल रहा है। जीवन में सबसे भरोसेमंद कौन के सवाल पर उन्होंने कहा एक छात्र के लिए माता-पिता सबसे बड़े शुभचिंतक है। उनसे प्रतिदिन बात करने और अपनी बातें शेयर करने का सुझाव दिया। उन्होंने कोचिंग छात्राओं को मेहनत, खुद पर विश्वास, अच्छी संगत और नशे से दूरी का भी मंत्रड्ड दिया। जिला कलक्टर के साथ डिनर कार्यक्रम में कोचिंग छात्राओं ने खुलकर अपनी बात रखी। छात्राओं ने स्ट्रेस को दूर करने, कमजोर विषय पर कैसे फोकस करें, सोशल मीडिया का कैसे सही उपयोग करें, नकारात्मकता से कैसे बचें जैसे सवाल किए जिनका जिला कलक्टर ने काफी सहज और सरल अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि खुद को मोटिवेट रखने के लिए पढ़ाई के बीच अपनी पसंद की एक्टिविटी के लिए समय निकालें। संवाद के दौरान छात्राओं ने काफी सहज भाव से सवाल पूछे। महिलाओं, छात्राओं की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन की तरफ से सभी कदम उठाने का भरोसा भी दिलाया। छात्राओं के आग्रह पर जिला कलक्टर ने आ चल के तुझे में ले के चलूं एक ऐसे गगन के तले, जहां गम भी ना हो.... गाना भी गाया।

जेसीआई कोटा स्टार का सेमीनार आयोजित

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। जेसीआई कोटा स्टार की ओर से शुक्रवार को जेसीआई सप्ताह के तहत् पांचवे दिन सेमीनार का आयोजन किया।

अध्यक्ष रवि गर्ग ने बताया कि इसके अंतर्गत डिजिटल युग में कारोबार के तहत बिजनेस इन डिजिटल एरा सेमीनार आयोजित किया गया। यह ट्रेनिंग संस्था के सचिव मनीष गुप्ता द्वारा ली गई। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में, व्यवसायों को अनुकूलनशील होना चाहिए और जरूरत पड़ने पर अपने व्यवसाय मॉडल को बदलने के लिए तैयार रहना चाहिए। डिजिटल युग में, प्रौद्योगिकी को अपनाना और अपने लाभ के लिए इसका इस्तेमाल करना और नवाचार करना जरूरी है।

सार्वजनिक स्थानों पर रील बनाना पड़ेगा महंगा

शहर की पुलिस उतारेगी लोगों का रील बनाने का बुखार

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। शहर की सड़कों, हाइवे और सार्वजनिक स्थानों पर रील बनाने वालों की अब खैर नहीं है। कोटा सिटी पुलिस ने ऐसे लोगों को चिन्हित करना शुरू कर दिया है, जो इस तरह की रील बनाकर सोशल मीडिया पर डालते हैं और फेमस होने के चक्कर में नियमों को तोड़ते हैं।

कोटा सिटी एसपी डॉ. अमृता दुहन का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की घटनाएं होने से दुर्घटना की आशंका रहती है, इसीलिए ऐसे लोगों को पाबंद किया जा रहा है।

बीते दिनों सोशल मीडिया कुछ रील वायरल हुई थी, जिसमें एक युवती ने फेसबुक और इंस्टाग्राम आईडी से रील शहर के अलग-अलग इलाकों में बनाई गई थी। इस युवती के संबंध में जांच पड़ताल की गई तो सामने आया कि यह कोटा शहर के बोरखेड़ा थाना इलाके में रहती है. ऐसे में उसकी पड़ताल शुरू की गई और उसे जाकर पाबंद किया गया. दूसरी तरफ इस युवती ने खुद सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड कर माफी मांगी है. उसका कहना है कि इस तरह से सड़क पर रील बनाते से दुर्घटना के आशंका रहती है. जब वे रील बना रहे होते हैं तो वहां गुजर रहे लोग या वाहन चालक उन्हें देखते हैं. इसके चलते वाहनों के आपस में टकराने या दुर्घटना का अंदेशा भी है।

एसपी डॉ. दुहन के। अनुसार हाइवे, मुख्य सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस विशेष नजर रखेगी। ऐसे जो भी नियमों को तोड़ते पाया जाएगा उसके खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि जब लोग रील बनाते हैं, तब बड़ी संख्या में रील को देखने के लिए काफी लोग एकत्रित हो जाते हैं. इससे रोड जाम हो जाता है। ऐसे में अनहोनी की घटनाओं से संबंधित शिकायतें मिल रही हैं। पुलिस ने शहरवासियों से भी अपील की है और शिकायतों के लिए एक नंबर भी जारी किया है।

01 अक्टूबर, 2024 को अन्तर्राष्टीय वृद्धजन दिवस पर राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र आमन्त्रित

बढ़ता राजस्थान

कोटा (चित्तौड़गढ़)। अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर 01 अक्टूबर, 2024 को राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु राज्य के वृद्ध कल्याण, सामाजिक, सांस्कृतिक, कला, साहित्य एवं सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहे वृद्धजन कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाएं / वरिष्ठ नागरिको से राज्य स्तरीय समारोह में पुरूस्कार हेतु आवेदन पत्र आमन्त्रित किये जाते हैं। उप निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, चितौड़गढ़ ने बताया कि 卐01 अक्टूबर, 2024 को अर्न्तराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर राज्य के वृद्ध कल्याण सामाजिक, सांस्कृतिक, कला, साहित्य एवं सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहे वृद्धजन कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाएं / वरिष्ठ नागरिको से राज्य स्तरीय समारोह में पुरूस्कार हेतु आवेदन पत्र (आवेदन पत्र में नाम, पिता का नाम, उम्र, पता, सम्पर्क सूत्र, पूर्व में प्राप्त सम्मान (जिला/राज्य/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर) किये गये उल्लेखनीय कार्यों का विवरण आदि) अधोहस्ताक्षकर्ता के कार्यालय में कार्यालय समय पर दिनांक 21 सितंबर 2024 आवेदन जमा करा सकते हैं।

स्काउट जिला परिषद का द्वितीय वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

बढ़ता राजस्थान

बूंदी,(नि.स.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय बूंदी के तत्वाधान में आयोजित स्काउट जिला परिषद का द्वितीय वार्षिक अधिवेशन होटल शगुन में आयोजित किया गया।

जिला मुख्यालय बूंदी के ट्रेनिंग काउंसलर नीरज कुमार शर्मा के नेतृत्व में आए हुए अतिथियों का कब बुलबुल, स्काउट गाइड, रोवर रेंजर द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं बेडेन पावेल एवं लेडी बेडेन पेबल के चित्र पर माल्यार्पण करने के पश्चात स्काउट प्रार्थना से किया गया।

जिला सचिव एवं सीओ स्काउट सुरेंद्र कुमार मेहरड़ा ने बताया कि अधिवेशन में मुख्य अतिथि बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा रहे। अधिवेशन की अध्यक्षता मुख्य जिला आयुक्त एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी डॉ महावीर कुमार शर्मा ने की। अधिवेशन में शिक्षा विभाग के पदाधिकारी में जिला आयुक्त सतीश जोशी, राजेंद्र व्यास, धनराज मीणा,ओमप्रकाश गोस्वामी, अर्चना तंवर, युवराज सिंह,सुनीता कटारा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप माथुर, जिला कमिश्नर हैडक्काटर चतुर्भुज महावर, त्रिभुवन शर्मा, नंदकिशोर जेतवाल स्थानीय संघ बूंदी उपप्रधान सुमित्रा ओझा, पवित्रा शर्मा, केसी वर्मा आदि मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र शर्मा ने किया। ट्रेनिंग काउंसलर विश्वजीत जोशी द्वारा गत अधिवेशन की कार्यवाही का पठन किया गया । जिला आयुक्त वरिष्ठ संसाधन एवं लीडर ट्रेनर देवी सिंह सेनानी द्वारा सत्र 2023 24 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सीओ गाइड मधु कुमारी द्वारा वर्ष 2024 25 का प्रस्तावित कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

जन अधिवेशन के दौरान स्काउट गाइड द्वारा सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। विधायक हरिमोहन शर्मा ने अधिवेशन को संबोधित करते हुए स्काउटिंग को राष्ट्रवाद का उदाहरण बताया। जितेंद्र शर्मा द्वारा सत्र 2023 24 का वास्तविक आय व्यय, सत्र 2024 25 का प्रस्तावित आय का अनुमोदन तथा सत्र 2023 24 की ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला मुख्य आयुक्त महावीर कुमार शर्मा ने स्काउटिंग को जन आंदोलन बनाने के लिए प्रेरित किया साथ ही सभी सहायक जिला कमिश्नर को एवं स्काउटर, गाइडर को एक-एक यूनिट को सक्रिय करने की हेतु प्रेरित किया। सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप माथुर ने बूंदी जिले में स्काउटिंग गतिविधियों की गुणात्मक एवं संख्यात्मक प्रगति सराहना करते हुए जिला रैली के बारे में जानकारी प्रदान की।

लीडर ट्रेनर देवी सिंह सेनानी द्वारा जिला उप नियमों की पुष्टि पर चर्चा की। स्काउटर प्रेम शंकर चक्रपाल, गाइडर मैना मीना, मीना बैरवा को हिमालय वुडवेज अलंकार से सम्मानित किया गया।

दीर्घकालीन सेवाओं में नंदकिशोर जैतवाल को 20 वर्षीय सेवा अलंकरण, रजिया खातून को 10 वर्षीय सेवा अलंकरण दिया गया। अधिवेशन में रोवर लीडर लोकेश सैनी,जसपाल सिंह, यूथ कमेटी सदस्य ज्योत्सना एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भेरूपुरा ओझा विद्यालय को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन विश्वजीत जोशी एवं जितेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया।

अगले वर्ष होने वाले जिला परिषद के वार्षिक अधिवेशन के आमंत्रण पर सतीश जोशी द्वारा एल ए बूंदी द्वारा करवाने की घोषणा की। अधिवेशन में स्काउटर रतनलाल बैरवा, लक्ष्मीकांत शर्मा, गिरिराज बैरवा, राकेश कुमार शर्मा, देवेंद्र सिंह हाडा हाड़ा, कृष्ण कुमार सेन एवं गाइडर उम्मे हबीबा, पल्लवी गर्ग, रश्मि लखोटिया, समरीन नाज अंसारी, वैशाली गौतम, नीलम श्रीवास्तव आदि ने अधिवेशन में सहयोग प्रदान किया।

स्थानीय संघ को किया पुरस्कृत

स्थानीय संघ बूंदी, देई, नैनवा, तालेड़ा, हिंडोली, केशोरायपाटन, लाखेरी का सर्वश्रेष्ठ कार्य करने हेतु सम्मान किया गया। स्थानीय संघ देई के प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर महेश कुमार मीणा को स्थानीय संघ देई के सुचारू संचालन हेतु सम्मानित किया गया।

प्रधान व उपप्रधान का किया स्वागत

वार्षिक अधिवेशन में जिले की नवनिर्मित कार्यकारिणी का स्वागत किया गया। प्रधान पद पर एस एल नागोरी, उप प्रधान पद पर के सी वर्मा, सत्यनारायण जोशी, परमानंद सोनी, रेखा शर्मा, उषा शर्मा, सीता सेनानी निर्विरोध निर्वाचित हुए।

जिला प्रतियोगिता रैली का होगा आयोजन

आगामी 18 से 23 नवंबर 2024 को जिला प्रतियोगिता रैली का आयोजन बूंदी में होगा। जिसमें बूंदी जिले के 2000 से 2500 स्काउट गाइड भाग लेंगे। जिला प्रतियोगिता रैली के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्काउट गाइड अपनी प्रतिभाएं दिखाएगे।

ऐतिहासिक तेजा मेले मे चूरमा बाटी का भोग लगाकर मांगी खुशहाली

इस बार ऐतिहासिक मनाये जाने वाले लोक देवता वीर तेजाजी के मेले मे बनाया कोरिडोर

कोरिडोर मे लगी 25 झांकिया, 20 ई रिक्शाये और 4 ऊंट गाडियो का लोगो ने लिया आनन्द

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर, (विष्णुदत्त धीमान)। प्रदेश के ऐतिहासिक लोक देवता वीर तेजाजी के मेले के दूसरे दिन ब्यावर के तेजा चोक स्थित तेजा जी के थान पर सुबह से ही स्थानीय लोगो ने बाटी, चूरमे व नारियल का भोग लगाकर अपने परिवार व व्यापार आदि की खुशहाली के लिये दुआ की। इस अवसर पर महिला, पुरूषो ने तेजाजी के थान पर दूध भी चढाया। इस अवसर पर ब्यावर, किशनगढ, अहमदाबाद, बालोतरा, सुरत, अजमेर, पाली आदि कई दुर दराज क्षेत्रों से ज्योत और रंग बिरंगे झंडे (निशान), झोल बाजे के साथ स्थान पर पहुंचे। यह क्रम अलसुबह से ही शुरू हुआ और देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान तेजाजी के थान पर पुलिस ने भी अपनी पूरे सुरक्षा प्रबन्ध किये हुये थे ताकी भीडभाड व अज्ञात युवक या युवती गले की चैन, नगदी या पोकेटमार किसी की जेब आदि साफ ना कर जाये। इसके लिये पूरी तरह से पुख्ता प्रबन्ध किये गये थे। चप्पे चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात थे।

184वे वर्ष से भरता चला आ रहा तेजाजी महाराज के इस मेले में सैकडो लोग उनके स्थान पर पहुंचकर धोक लगाकर अपने किसी कार्य को अंजाम दिया करते हैं। यह एक प्रादेशिक लोक देवता का मेला हैं जो प्रतिवर्ष भादवा सुदी दशम को भरा जाता हैं। इस मेले की किवदंती ब्यावर से जुडी हैं। बताया जाता है कि तेजाजी महाराज जाट समुदाय से थे। वे पर्वतसर के पनेर गांव के रहने वाले थे। बडे त्यागी, तपस्वी, सेवाभावी महापुरूष थे। उनका विवाह बचपन मे ही कर दिया गया था। अपनी भवज के बोल पर अपनी पत्नी को लाने घोडी पर सवार होकर ससुराल के लिये चल दिये। इससे पहले वह अपनी बहन को ससुराल से लेकर आये थे। रास्ते मे उनको एक सांप मिला जो उनका डसता चाहता था। परन्तु तेजाजी के कहने पर सांप ने उन्हें रास्ता दे दिया। तेजाजी की पत्नी की सहेली लाछा गुजरी की गाये जंगल मे चराते हुये चोर ले गये थे। लाछा गुजरी की विनती पर तेजाजी डाकुओं से लडकर गायो को छुडाकर लाकर लाछा को दी और पत्नी को लाने चल दिये। परन्तु वचनो से बन्धे तेजाजी ससुराल ना जाकर सांप की बंबी पर गये और सांप को डसने को कहा। परन्तु तेजाजी की शरीर पर घाव के कारण सांप ने उनको डसने से मना कर दिया। तब तेजाजी महाराज ने उनको लीलन घोडी पर बिलावना डालकर जीभ पर डसने को कहा। सांप ने उनको डस लिया। तेजाजी महाराज निढाल होकर धरती मां की गोद मे समा गये। यह बात उनकी पत्नी को मालूम हुई तो वह विलाप करने लगी और सती होने का प्रण किया। पतिव्रता की शक्ति देखकर सांप घबरा गया। उनकी पत्नी ने सती होते वक्त अमर आशीष दी की भादवा सुदी नम की रात जागरण करने और दशमी को तेजाजी महाराज की कच्चे दुध, नारियल और चुरमे का भोग लगाने से प्रत्येक जातरू की मुराद पुरी होगी। अत: तेजाजी महाराज के उत्सव को बडी धुमधाम से मनाते हैं।

मेले मे आकर्षक भव्य रंग बिरंगे रोशनी, पुरा मेला परिसर मे सजावट की जाती हैं। छोटे, बडे, मझले अनेक प्रकार के झुले भारी मात्रा मे लगाये जाते हैं। कई प्रकार की वस्तुओं की दुकाने खेल खिलौने, चाट पकोडी, मनीहारी ज्वेलरी, खेल आदि के सामान की दुकाने, कागज की लुगदी से बने खिलोने, मिट्टी के घर मे रसोई मे काम आने वाले बर्तन आदि कई तरह के सामान बेचे जाते हैं। मेले मे ब्यावर शहर के युवाओं के बीच कुश्ती व कबड्डी आदि के खेल भी खेले जाते हैं। मनोरंजन की दृष्टि से शहरी व ग्रामीण महिलाओं के बीच प्रतियोगिताये भी आयोजित की जाती हैं। मेले को देखने के लिये ब्यावर ही नही वरन ब्यावर के ईर्द गिर्द अन्य जिलो व राज्यो के लोग भी इस मेले मे पहुंचकर मेले का लुफ्त उठाते हैं।

मेले मे जिन-जिन लोगों ने रंग बिरंगे झंडे (निशान) आदि लेकर पहुचने वालों को नारियल देकर उनका सम्मान किया गया। इससे पूर्व विभिन्न स्थानो से झंडे लाने वालों को झंडे वालों ने एक दिन पूर्व विशाल सांस्कृतिक, भजन संध्याये आयोजित कर रात्रि जागरण किया। और शुक्रवार को सुबह से ही तेजाजी के थान पर ज्योत के साथ चुरमा, बाटी व नारियल का भोग लगाकर झंडो को चढाया गया।

इस बार मेले को आकर्षक व भव्य बनाने के लिये कोरिडोर की व्यवस्था की गई जिसमे लगभग 25 झाकिया, 20 ई रिक्शाये, 4 ऊंट गाडी व सुभाष उद्यान से लेकर सम्राट पृथ्वीराज चोहान स्टेडियम तक कालबेलिया नृत्य करने वाली नृत्यांगनाओं को आमंत्रित कर मेले की शोभा बढाने मे चार चांद लगाये।

केकड़ी में परवान चढ़ा तेजा मेला, लोगों की लगी रेलमपेल

तेजाजी के दर्शन के लिए लगी कतार, महिलाओं ने की खरीददारी

बढ़ता राजस्थान

केकड़ी (संजय कटारिया)। शुक्रवार को तेजा दशमी पर केकड़ी में तेजा मेला परवान चढ़ गया। लोकदेवता वीर तेजाजी की याद में भरने वाले इस मेले में आज मुख्य दिवस पर सुबह से ही तेजाजी के मुख्य थान पर दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड नजर आई। मेले में शहरी क्षेत्र और ग्रामीण अंचल से आए लोगों ने जमकर खरीददारी की और पटेल मैदान में लगे झुले चकरी का भी आनंद उठाया। तेजा दशमी के अवसर पर सुबह से ही विभिन्न ग्रामीण अंचल से तेजाजी की बिन्दोलियों के आने का दौर शुरू हो गया जो दिनभर चलता रहता। जिससे पटेल मैदान, तीन बत्ती चैराहा, अजमेरी गेट, बस स्टेण्ड सहित नगर परिषद के आस पास दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने तेजाजी के थान पर लोक देवता वीर तेजाजी के गुलगुले, मिश्री नारियल तथा चूरमे का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया। तेजा दशमी के अवसर पर तेजाजी मंदिर कमेटी द्वारा भी विशेष इंतजाम किए गए। मंदिर में विशेष साज सजावट के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए पेयजल सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं की गई। तेजा मेले में भीड को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भी माकूल इंतजाम किए तथा जगह जगह पर पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है।

जाट समाज ने निकाली ज्योत व झंडा यात्रा

तेजा दशमी पर जाट समाज की और से ज्योत और झंडा यात्रा निकाली गई। जिसमें लोगों ने लोकगीतों पर नाचते गाते हुए शिरकत की। विभिन्न क्षेत्रों से आई बिन्दोलियां घंटाघर पर एकत्रित हुई। बडा गुवाडा और गुर्जर वाडा से तेजाजी के थानो से ज्योत भी इस अवसर पर लाई गई। जो सामूहिक रूप से घण्टाघर से जुलूस के रूप में रवाना हुई। झंडा यात्रा के दौरान तेजाजी महाराज की झांकी सजाई गई, जो आकर्षण का केन्द्र रही। ज्योत यात्रा का शहरवासियों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। ज्योत यात्रा घंटाघर से शुरू होकर अजमेरी गेट, तीन बत्ती चैराहा, पुलिस थाना के बाहर से होते हुए तेजाजी मंदिर पहुंची। जहां पर जाट समाज के लोगों ने विशेष पूजा अर्चना कर किसानों की खुशहाली की कामना की।

विराट तेजा मेला के अंतर्गत कृषि उपज मंडी प्रांगण में गुरुवार को रात्रि बॉलीवुड टीवी स्टार नाइट आयोजित की गई । कार्यक्रम के दौरान उपखंड अधिकारी सुभाष हेमानी, नगर परिषद के सभापति कमलेश साहू, आयुक्त बंटी राजपूत, मेला कमेटी संयोजक कैलाश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र चौधरी व पार्षद मनोज कुमावत सहित सभी पार्षदगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पैर फिसलने से नाडी में गिरा किसान, गहरे पानी में डूबने से हुई मौत

केकड़ी (संजय कटारिया)। केकड़ी जिले के सरवाड़ थाना इलाके में सूरजपुरा गांव में नाडी में डूबने से एक अधेड़ किसान की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची सरवाड़ थाना पुलिस ने पंचनामा, पोस्टमार्टम आदि की कार्रवाई की। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरजपुरा निवासी कैलाश माली पुत्र रुपा माली (49) शुक्रवार सुबह मुरडिया सागर नाडी की पाल पर होते हुए घर से खेत पर जा रहा था। पाल पर चिकनी मिट्टी के कारण कैलाश का पैर फिसल गया और वह नाडी में गहरे पानी में जा गिरा। आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों की सूचना पर कैलाश के परिवारजन मौके पर पहुंचे और कैलाश को बाहर निकाल कर केकड़ी स्थित राजकीय जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने कैलाश को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर सरवाड़ थाना पुलिस के हैड कांस्टेबल कजोड़ मीणा मय पुलिस जाब्ता केकड़ी अस्पताल पहुंचे और शव को मोर्चरी में रखवाया। पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद पुलिस ने मृतक का शव परिजन के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न थानो मे वर्षो से पड़े अवैध मादक पदार्थो को किया नष्ट

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर, (विष्णुदत्त धीमान)। जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर नरेन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार ब्यावर जिले के थानो पर अवैध मादक पदार्थ तस्करी से संबंधित दर्ज प्रकरणों में बराबद मादक पदार्थो के नष्टीकरण हेतु न्यायालय से आदेश प्राप्त कर अवैध डोडा पोस्ट, स्मेक, गांजा व अफीम के पौधों को ब्यावर शहर के बाहर जलाकर नष्ट किया गया।

उन्होंने कहा कि ब्यावर जिले के थानों पर एन डी पी एस के प्रकरणों में जब्त अवैध मादक पदार्थो के नष्टीकरण (भस्मीकरण) हेतु पुलिस मुख्या से निर्देश प्राप्त हुये थे। जिस पर नियमानुसार जिन प्रकरणों में माननीय न्यायालय से धारा 52 ए एन डी पी एस एक्ट की प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात कुल 50 प्रकरणों मे जब्तशुदा अवैध डोडा पोस्ट, स्मेक, गांजा व अफीम के पौधे नष्ट करने हेतु एक नष्टीकरण समिति का गठन किया गया और 12 सितम्बर का दिन नियत किया गया।

निर्देशानुसार जिले के समस्त थानाधिकारी प्रकरणों मे जब्त मादक पदार्थो को श्री सीमेन्ट फेक्ट्री लेकर पहुंचे। जहा गठित समिति के अध्यक्ष पुलिस अधीक्षक ब्यावर तथा सदस्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्यावर, बदभद्र सिंह पुलिस निरीक्षण अपराध सहायक मय थानाधिकारीगण की उपस्थिति मे नष्टीकरण के तहत थानों पर जब्त अवैध मादक पदार्थो का नियमानुसार नष्टीकरण किया गया। इस प्रक्रिया मे कुल 10 क्विंटल से अधिक डोडा पोस्त व 7755 अफीम के पौधे, 14 ग्राम स्मेक व 452 ग्राम गांजा को नियमानुसार जलाकर संपूर्ण कार्यवाही की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी कराई गई।

रात्रि के समय दुर्घटना रोकने के लिए आवारा गोवंश के गले में रेडियम बेल्ट पहनाकर मुहिम की शुरुआत

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। गौरक्षक दल एवं टीम स्वच्छता सेवा दल के संयुक्त तत्वाधान में सड़कों पर घूमने वाले आवारा गोवंश के लिए एक विशेष मुहिम की शुरुआत की गई। गौ रक्षा दल एवं टीम स्वच्छता सेवा दल द्वारा सड़कों पर घूमने वाले गोवंश के लिए एवं रात्रि को दिखाई ना देने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की वजह से यह अभियान शुरू किया गया। टीम स्वच्छता सेवादल के संरक्षक श्री महेश मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज इस अभियान के अंतर्गत 100 से अधिक गोवंश के गले में रेडियम की बेल्ट पशुओं के गले में पहनाकर इस अभियान की शुरुआत की गई जिससे की रात्रि के समय में सड़क पर चलने वाले वाहनों की दुर्घटना ना हो। यह अभियान अनवरत रूप से जारी रहेगा कोटपूतली क्षेत्र एवं आसपास क्षेत्र के सभी गोवंश के गले में यह रेडियम बेल्ट लगाई जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य है कि रात्रि के समय में कोई दुर्घटना ना हो एवं पशुओं को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सके। इस अभियान में पार्षद प्रमोद कुमार सैनी, स्वच्छता सेवादल के संयोजक प्रवीण कुमार बंसल, गौरक्षक अमित सैनी ,भाजपा युवा नेता दयाराम प्रजापत, गौरक्षक हेमंत सैनी,अनिल फौजी, चीनू ठाकर , राहुल पटेल , कुलदीप प्रजापत,धर्मवीर ठाकर, सुनील पहलवान , पवन सैनी, समस्त गौरक्षक दल टीम मौजूद रही।

केकड़ी की नाइलिट को मिला डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा

केकड़ी में एमटेक, बीटेक जैसे कोर्स होंगे शुरू, छात्र-छात्राओं को मिलेगी उच्च तकनीकी शिक्षा

बढ़ता राजस्थान

केकड़ी (संजय कटारिया)। नाइलिट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) केकड़ी को डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा प्राप्त हो गया है। यह मान्यता यूजीसी एक्ट के सेक्शन तीन के अंतर्गत भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई है। डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के बाद यह संस्थान देशभर के 11 अन्य संस्थानों के साथ मिलकर कार्य करेगा। इस बदलाव के बाद सत्र 2024-25 से एमटेक, बीटेक और डिप्लोमा कोर्स सहित कई नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत होगी, जिससे केकड़ी क्षेत्र के छात्रों को उच्च तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

नाइलिट संस्थान के कार्यकारी निदेशक दीपक वासन ने बताया कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य आईटी शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्ष बीटेक कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी (आईओटी, साइबर सुरक्षा सहित ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी) कोर्स की शुरुआत की गई थी। इस सत्र में भी बीटेक कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी (आईओटी, साइबर सुरक्षा सहित ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी) के प्रथम वर्ष में प्रवेश जारी

हैं, जिसमें 60 सीटें निर्धारित की गई थीं और अधिकांश सीटें भर चुकी हैं। शेष रिक्त सीटों के लिए अंतिम तिथि 14 सितंबर तक प्रवेश लिया जा रहा है।

क्या होता है डीम्ड यूनिवर्सिटी

डीम्ड यूनिवर्सिटी के बारे में बताते हुए वासन ने कहा कि यह विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) के अधीन होता है और यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय की देखरेख में संचालित होता है। डीम्ड विश्वविद्यालय को पाठ्यक्रम, प्रवेश और शुल्क तय करने की स्वतंत्रता होती है, लेकिन इसे कोर्स के अनुसार संबंधित रेगुलेटरी अथॉरिटी से मंजूरी लेनी होती है।

सरकारी योजनाओं में लंबित पड़े मामले शीघ्र निबटाएं सभी बैंक -जिला कलक्टर श्वेता चौहान

बढ़ता राजस्थान

केकड़ी (संजय कटारिया)। जिला कलक्टर श्वेता चौहान ने जिला स्तरीय परामर्श एवं समीक्षा बैठक में सभी बैंको को सरकारी योजनाओं में लंबित आवेदनों को शीघ्र निबटाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होनें वित्तीय वर्ष 2024-25 में आवंटित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भी कहा। कलक्टर कार्यालय के सभागार में यह जिले की तीसरी व मौजूदा सत्र की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर श्वेता चौहान ने सरकारी योजनाओं से जुड़े बैंकों के कामकाज की समीक्षा की और पीएमजेजेवाई, पीएमएसबीवाई, एपीवाई जैसी केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजनाओ के अंतर्गत वंचित रह गए लोगो को जोड़ने के लिए अपने क्षेत्रों में शिविर लगाने के निर्देश दिए। बैठक में भारतीय रिज़र्व बैंक की प्रतिनिधि सहायक महाप्रबंधक श्रीमति अनीता शर्मा ने इंफ्रास्ट्रक्चर लोन में सभी बैंको को सहभागिता निभाने हेतु कहा। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्लस्टर को अपने क्षेत्रों में केम्प लगाकर डिजिटल प्रोडक्ट से वंचित ग्राहकों को जोड़ा जाना चाहिए। साथ ही उन्होनें आरबीआई 90 क्युज में अधिक से अधिक कोलेज में एनरोल करने हेतु अपील की। बैंक ऑफ बड़ौदा अजमेर क्षेत्र के सहायक महाप्रबंधक एवम उपक्षेत्रीय प्रमुख समीर बी शाह ने सभी बैंकों से सरकारी योजनाओ के आवेदनों को सकारात्मक तरीके से निष्पादित कर व्यवसाय वृद्धि के लिए अनुरोध किया।

ग्यारह उपवास की तपस्या करने पर निकाली शोभायात्रा, समाज ने किया बहुमान

बढ़ता राजस्थान

केकड़ी (संजय कटारिया)। जैन साध्वी सौम्य प्रभा, साध्वी सौम्या दर्शना, साध्वी अक्षय दर्शना व साध्वी परम दर्शना के पावन सानिध्य में गुरुवार को केकड़ी में श्वेताम्बर जैन समाज के विविध धार्मिक आयोजन हुए। इस अवसर पर समाज की स्वाति लोढ़ा द्वारा ग्यारह उपवास की तपस्या करने पर शहर में उनकी भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जुलूस के दौरान तप आराधिका को दो घोड़ों की बग्घी में बैठाया गया। बैण्ड बाजों व नासिक महाराष्ट्र से आये ढोल ताशों के साथ निकाली गई शोभायात्रा सब्जी मण्डी स्थित उपासरे से रवाना हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मास्टर कॉलोनी, अजमेर रोड स्थित मनोज लोढ़ा के निवास स्थान पहुंची। यहां साध्वी मण्डल के पगल्ये करवाए गए। इसके बाद जुलूस अजमेर रोड स्थित कटारिया ग्रीन्स पहुंचा। यहां धर्मसभा का आयोजन किया गया।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वी सौम्य दर्शना ने कहा कि दान त्याग का साधन है और त्याग करने के लिए गुरू का सानिध्य जरूरी है। चंचल मन त्याग नहीं करने देता है। लेकिन गुरू का सानिध्य मिलने से त्याग के प्रति प्रेरणा जागृत होती है। आत्मकल्याण एवं राग द्वेष की निवृति के लिए त्याग की भावना होनी चाहिए। इस दौरान साध्वी अक्षय दर्शना ने कहा कि सुख-दुख को कर्मों का उदय मानकर समता भाव धारण करने से ही जीवन सफल बन सकता है। सम्यक चिंतन से ही गलत कार्यों की निंदा की जा सकती है तथा बुद्धि का सही विकास होने पर ही शोधन एवं प्रायश्चित किया जा सकता है। धर्मसभा के बाद तप आराधिका स्वाति लोढ़ा का अभिनन्दन किया गया। संचालन जितेन्द्र सिंघवी ने किया। इस मौके पर श्वेताम्बर जैन समाज के अनेक जने मौजूद रहे। धर्मसभा के बाद तप की अनुमोदना के लिए चौबीसी का आयोजन किया गया।

सतपाल जी महाराज के जन्म दिन पर अलवर में 15 को निकलेगी शोभायात्रा

बढ़ता राजस्थान

अलवर,(का.स.)। मानव धर्म के प्रणेता सतपाल जी महाराज के जन्म दिवस के अवसर पर 15 सितम्बर को अलवर शहर में मानव उत्थान सेवा समिति अलवर के तत्वावधान में आध्यात्मिक शोभायात्रा का आयोजन किया गया है। समिति के प्रधान मोहन लाल खण्डेलवाल व सचिव ललित बेनीवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये समिति की एक बैठक सतपाल जी महाराज की सुशिष्या साध्वी पार्वती बाई जी के सानिध्य में आयोजित की गई जिसमें शोभायात्रा में ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी पर जोर दिया गया।

उन्होंने बताया कि यह शोभायात्रा 15 सितम्बर को सुबह 8 बजे बस स्टैण्ड के पास स्थित गुलाब बाग आश्रम से शुरू होगी जो शहर के प्रमुख मार्गों अशोका टॉकीज, त्रिपोलिया,होपसर्कस,घंटा घर, पंसारी बाजार,चर्च रोड, बस स्टैण्ड होते हुए वापिस आश्रम पहुंचेगी जहां धर्म सभा का आयोजन किया जायेगा।

चूरू जिले की संस्कृतिपूर्ण शिक्षा व्यवस्था से मन हर्षित होता है : दक

गौतम कुमार दक ने किया नवनिर्मित नारायणी देवी राधा कृष्ण भगत विज्ञान एवं वाणिज्य भवन का लोकार्पण

पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, डॉ संजय कृष्ण सलिल, भामाशाह ताराचंद गोयल सहित रहे मौजूद

बढ़ता राजस्थान

चूरू(सुरेश शर्मा)। सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक शुक्रवार को तारानगर दौरे पर रहे। मंत्री दक ने तारानगर मुख्यालय स्थित श्री बनेचंद सरावगी उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मन्दिर में नवनिर्मित श्रीमती नारायणी देवी राधा कृष्ण भगत विज्ञान एवं वाणिज्य भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री गौतम कुमार दक, पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, डॉ संजय कृष्ण सलिल, गोपाल शरण गर्ग, भामाशाह ताराचंद गोयल व विम्मी देवी गोयल, रतनकुमार गोयल, शिवप्रसाद सहित अतिथि मंचस्थ रहे।

मंत्री दक ने संबोधित करते हुए कहा कि चूरू जिले की संस्कारवान व संस्कृतिपूर्ण शिक्षा व्यवस्था देखकर मन हर्षित होता है। यहां से प्रेरणा लेकर हम हमारे क्षेत्र को भी शिक्षा व्यवस्था में सुदृढ़ करेंगे।

भामाशाह ताराचंद गोयल द्वारा निर्मित नए भवन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भामाशाह द्वारा अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई जनोपयोगी व परोपकार के कार्य में लगाना उनकी प्रतिष्ठा में चार चांद लगाता है। विज्ञान व वाणिज्य भवन निर्मित होने से अंचल के विद्यार्थियों को बेहतरीन शिक्षा मिलेगी व विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा भी ग्रहण कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा के साथ संस्कार, संस्कृति, देश प्रेम व देशभक्ति की शिक्षा लेंगे। इससे शिक्षा सहित समस्त क्षेत्रों में देश का मान- सम्मान बढ़ेगा।

पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि हमारी भावी पीढ़ी संस्कृति व संस्कारों से परिपूर्ण हो तथा उनमें हमारी समृद्ध विरासत के प्रति अनुराग व श्रद्धा का भाव हो। संस्कृति से जुड़ी शिक्षा संस्कार व मर्यादाएं विकसित करती है।

भामाशाह ताराचंद गोयल ने अपने जीवन अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी भी कार्य की सफलता के लिए उसकी मौलिकता आवश्यक है। नकल से आप अल्पकालिक खुशी अर्जित कर सकते हैं, परंतु सफलता के लिए मौलिकता पहली शर्त है। उन्होंने बताया कि स्टील किंग एलएन मित्तल के पिता के साथ काम किया और व्यापार किया। छोटी उम्र में घर से बाहर प्रवास के चलते औपचारिक शिक्षा नहीं मिल पाई। शिक्षा से वंचित होने के भाव को महसूस किया। इसलिए उनकी इच्छा है कि शिक्षा क्षेत्र का उन्नयन हो।

इस अवसर पर डॉ संजय कृष्ण सलिल, गोपाल शरण गर्ग, शिवप्रसाद ने भी विचार व्यक्त किए। इस पूर्व प्रभुराम गेंहुआ, मदनलाल प्रजापत, सुरेश सैनी, पवन बंसल, अंजनी चाचाण, त्रिविक्रम अपूर्वा, बनवारीलाल, सविता कंदोई, सुनीता दनेवा, गौरव बंसल, जगवीर सिंह राठौड़ सहित अन्य ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस दौरान वासुदेव चावला, चंद्राराम गुरी, संजय काजला सहित विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद रहे।

चौमहला में श्री गणेशोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और भव्य आयोजन

बढ़ता राजस्थान

चौमहला(नि.स.)। झालावाड़ जिले के चौमहला व गंगधार कस्बे सहित क्षेत्र में दस दिवसीय श्री गणेशोत्सव के चलते विभिन्न मंडलों व पंडालों में सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सिद्धि विनायक मंडल प्रांगण में रात्रि 8.30 बजे आरती के बाद कार्यक्रम की शुरुवात की गई। महाआरती व महाप्रशादी के लाभार्थी देवी लाल सोनी व प्रज्ञा गारमेंट्स द्वारा लिया गया। श्री सिद्धि विनायक मंडल प्रांगण में गुरुवार रात्रि को एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल बच्चों सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। छोटे-बड़े बच्चों ने दो दर्जन एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।सभी कार्यक्रमों को उपस्थित दर्शको द्वारा सराहना की गई।कार्यक्रम में उपस्थित भामाशाहों द्वारा बाल कलाकारों को पुरुस्कार देकर उनका हौंसला वर्धन गया किया। मंच संचालन सीताराम वर्मा व ईशु विश्वकर्मा द्वारा किया गया।कार्यक्रम के पश्चात्य मंडल के सभी कार्यकर्ताओं सहित समाज सेवी कान्हा राठौर आदि ने एक्सिलेंट पब्लिक स्कूल के डॉयरेक्टर संजय शर्मा सहित पूरे स्टाफ का सम्मान किया गया।इस दौरान नितेश शर्मा नीटू, दिलीप जैन, अध्यापक सत्यनारायण लोहार, हेमप्रकाश टेलर, शरद अग्रवाल, विरेंद्र अग्रवाल,अमित अग्रवाल, विनोद जैन,मंडल के कार्यकर्ता,संजय भण्डारी,अमित सोनी,अंकित हरिओम सोनी,अमित कसेरा,दिलीप कुमार टेलर,मनीष ठंडानी एवम सीताराम वर्मा व बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।14 सितम्बर को सुंदर काण्ड,15 सितंबर को मुन्निदेवी आदर्श विद्या मंदिर के भैया बहिनों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति,16 सितंबर को मंडल प्रांगण में विशाल भंडारा, तथा 17 सितंबर को भव्य चल समारोह के साथ प्रतिमा का विसर्जन होगा।

माई भारत पोर्टल पर इंटर्नशिप कार्यक्रम में आवेदन करें युवा

बढ़ता राजस्थान

चूरू (नि.स.)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा माई भारत पोर्टल अनुभव आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए डाक विभाग एवं चिकित्सा विभाग के साथ एक माह की इंटर्नशिप हेतु इच्छुक युवाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला युवा अधिकारी मंगल जाखड़ ने बताया कि आवेदक स्नातक उत्तीर्ण एवं 18 से 29 आयुवर्ग का होना चाहिए। एक माह तक प्रतिदिन 4 घंटे डाक विभाग के विभिन्न अनुभागों एवं कार्यक्रम में जुड़कर युवा नागरिकों की सहायता का कार्य करेंगे। 'सेवा से सीखें' कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सा विभाग के साथ प्रतिदिन 4 घंटे चिकित्सा विभाग के संबद्ध जालान अस्पताल रतनगढ़ में आभा आईडी बनवाना, ओपीडी प्रबंधन एवं कार्यालय कार्य में सहयोग प्रदान कर युवा आमजन की सहायता का कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि आवेदन हेतु माई भारत पोर्टल द्व4ङ्घद्धड्डह्लड्डह्ल.द्दश1.द्बठ्ठ पर पंजीयन कर प्रोफाइल में शैक्षणिक योग्यता पूर्ण रूप से अपडेट करनी होगी। तत्पश्चात आवेदक एक्सपीरिंशियल लर्निंग सेक्शन में जिले के अनुसार इंटर्नशिप हेतु आवेदन कर सकते हैं। सफलतापूर्वक इंटर्नशिप पूरी करने के बाद माई भारत की तरफ से प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इंटर्नशिप में चयनित युवाओं को दैनिक व्यय एवं किट दी जाएगी। इंटर्नशिप 27 सितंबर से प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। आवेदन की अंतिम तिथि 17 सितंबर निर्धारित की गई है।

घीलोठ मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के स्थापना दिवस पर रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

शिविर में करीब300लोगों की स्वास्थ्य जांच व दवाईयां एवं 251यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (नि.स.)। कोटपूतली-बहरोड जिले के नीमराना रीको औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार को घीलोठ मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के स्थापना दिवस पर हैवल्स इंडिया लिमिटेड में स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ।शिविर का शुभारंभ जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल,नीमराना एसडीएम पंकज बडगूजर,जीएमए अध्यक्ष आरएस अरोड़ा,महासचिव राजा सोनी,उपाध्यक्ष जगदीप सिंह,आयुष गुप्ता, अंकुर सिंगला, रामकिशन शाह कोषाध्यक्ष सुनील कालोनिया ने दीप प्रज्जवलित कर किया।जीएमए महासचिव राजा सोनी ने बताया कि शिविर में करीब 300 लोगों की जांच व दवाईयां एवं 251 यूनिट रक्त की एकत्रित हुई। घीलोठ मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने अतिथियों को बुके एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान महादान होता है।रक्तदान पुण्य का कार्य है।

इस अवसर पर बब्लू मुद्गल,अरूण चौहान,राजेन्द्र यादव,शैलेन्द्र गुप्ता,मंगल यादव,सचिन,सुरेन्द्र कुमार,सतीश,शिरिल यादव,महेन्द्र शर्मा,सुरेश यादव,अरूण गुप्ता सहित जीएमए के पदाधिकारी मौजूद रहे।

दाउदी बोहरा समाज ने मनाया जश्ने ईद-ए -मिलादुन्नबी पर्व,कस्बे में निकाला विशेष बेंड के साथ जुलूस

बढ़ता राजस्थान

चौमहला(नि.स.)। झालावाड़ जिले के चौमहला कस्बे में दाउदी बोहरा समाज ने पैगम्बर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलेही वालेही वसल्लम के मिलाद के मुबारक मौके पर शुक्रवार को कस्बे के बोहरा समाज ने जश्ने ईदमिलादुन्नबी का त्योहार मनाया व जुलूस निकाला।बोहरा समाज के विशेष बेंड की धुनों के साथ पैदल जुलूस निकाला गया।जुलूस दाउदी बोहरा समाज की मज्जिद से शुरु हुआ जो कस्बे के मुख्य मार्ग से होता हुआ वापस बोहरा मज्जिद पोहचा।जहां जुलूस,का समापन हुआ। जुलूस का जगह जगह स्वागत किया।बोहरा समाज के सदर सादिक अली ने बताया कि इस मुबारक मौके पर सभी दाउदी बोहरा समाज की मस्जिदों में आकर्षक विद्युत साज सज्जा कर सजाया गया व जमात खानों में सलवात का सामूहिक भोज का आयोजन किया गया ।इस दौरान समाज के वरिष्ठ व गणमान्य गुलजार एच जिनवाला ,आबिद भाई ,असगर भाई कुतबू भाई , मकसूद अली ,ताजमुद्दीन भाई,मोहम्मद शाकिर मोहम्मद फखरी शाकिर ,यूसुफ अली सहित समाज के सभी लोग मौजूद रहे।

गुर्जर अधिकारी-कर्मचारी महासंघ के तत्वाधान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

251 प्रतिभावान विधार्थियों व कार्मिकों को किया सम्मानित

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। गुर्जर अधिकारी-कर्मचारी महासंघ एवं गुर्जर कर्मचारी समिति कोटपूतली के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को कस्बा स्थित वीर गुर्जर छात्रावास में कोटपूतली विधानसभा के गुर्जर समाज के छात्र-छात्राओं व राजकीय कार्मिकों का 24 वाँ प्रतिभा सम्मान समारोह बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत विधायक हंसराज पटेल ने बतौर मुख्य अतिथि माँ सरस्वती, भारत रत्न लोह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल, गुर्जर आरक्षण के प्रणेता स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला व पूर्व केन्द्रिय मंत्री स्व. राजेश पायलट के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन व पुष्प अर्पित करके की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पटेल ने कहा कि गुर्जर समाज की प्रतिभायें निरन्तर आगे बढकर राजकीय सेवाओं में अपना स्थान बना रही है। आज समाज के बेटे-बेटियां शिक्षा, खेल, व्यवसाय किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। जरूरत केवल इन्हें उचित मार्गदर्शन व प्रोत्साहन की है। उन्होंने आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि माता-पिता को अब बेटा-बेटी को एक समान समझना चाहिये। विशेष तौर पर बालिका शिक्षा पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। क्योंकि बेटियां पढ़-लिखकर उच्च पदों पर पहुंचेगी तभी सही मायनों में समाज प्रगति करेगा। यहीं कर्नल बैंसला समेत हमारे महापुरूषों का ध्येय भी रहा है। उन्होंने सभी प्रतिभाओं को आने वाले जीवन की शुभकामनायें देते हुये शिक्षा के प्रति और भी जागरूक होने का आह्वान किया। विधायक पटेल ने यह भी कहा कि भजन लाल सरकार बालिका शिक्षा को बढ़ाने का हरसम्भव प्रयास कर रही है। जिसका लाभ भी समाज की बेटियों को मिलेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये पूर्व विधायक रामचन्द्र रावत ने कहा कि वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का है। इसलिये हमें कड़ी मेहनत व लक्ष्य निर्धारित कर प्रयास करने होगें। विशिष्ठ अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना, उप प्रधान प्रतिनिधि एड. राजेन्द्र रहीसा, पूर्व सरपंच जयराम सिंह गुर्जर, सरपंच लक्ष्मण सिंह रावत, जिला पार्षद मन्जू रावत, पूर्व पंसस राजेन्द्र रावत ने भी विचार व्यक्त किये। आयोजन समिति की ओर से संरक्षक पुष्कर मल रावत व ब्लॉक अध्यक्ष महिपाल गुर्जर ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुये स्वागत किया। समारोह में कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड में 85 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विधार्थियों एवं स्नात्तक व स्नातकोत्तर कक्षाओं में 65 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विधार्थियों, नीट, आईआईटी व आईआईएम में चयनित विधार्थियों, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली प्रतिभाओं के साथ-साथ नवनियुक्त व सेवानिवृत कार्मिकों को मिलाकर कुल 251 प्रतिभाओं को चाँदी का सिक्का, प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। संचालन रणवीर रावत व सुरेश गुर्जर ने किया। इस दौरान कोषाध्यक्ष रणवीर रावत, पूरणमल कसाना, हरसहाय छावड़ी, प्रो. जगराम गुर्जर, रामकुंवार दौराता, सतीश सराधना, कमलेश कसाना, मुकेश रावत, डॉ. नरेन्द्र रावत, मुकेश रावत, राजेन्द्र गोलियां, श्योराम कसाना, ख्यालीराम मोलाहेड़ा, विरेन्द्र रावत, हंसराज, अमरसिंह, रामस्वरूप, कृष्ण गुर्जर, झाबरसिंह समेत बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के अधिकारी-कर्मचारी, आमजन, पंच-पटेल, जनप्रतिनिधि व विधार्थी मौजूद रहे।

खादी भंडार महिला मित्र मंडल के तत्वावधान में भजन कीर्तन कार्यक्रम का लुत्फ उठाया

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। दस दिवसीय गणेश महोत्सव पर्व के अंतर्गत शुक्रवार को खादी भंडार महिला मित्र मंडल के तत्वावधान में भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जानकारी अनुसार नगर के मुख्य मार्ग स्थित खादी भंडार परिसर में प्रतिवर्ष की भांति दस दिवसीय गणेश महोत्सव पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।जिसमे गरबा नृत्य,सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आदि कार्यक्रम आयोजित हो रहे है।इसी क्रम में खादी भंडार महिला मित्र मंडल द्वारा भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।उक्त कार्यक्रम में महिला श्रद्धालुओ द्वारा प्रथम पूज्य श्री गणेश जी पर आधारित एवं विविध धार्मिक भजन एवं कीर्तन का झूमते नाचते लुत्फ उठाया गया।

इस दौरान नगर पालिका पार्षद सुनीता शर्मा,टीना प्रजापत,मोना बारेगामा,कोमल प्रजापत,सीता प्रजापत,सुशीला प्रजापत,रामकन्या प्रजापत,कृष्णा प्रजापत,बिंदु बारेगामा,लक्ष्मी प्रजापत,माया प्रजापत,सुनीता बारेगामा,पूजा भार्गव,सरोज बारेगामा,उगमा मारवाड़ी,अनिता प्रजापत,केशर प्रजापत,संगीता प्रजापत,नीरू बारेगामा,काली बारेगामा,मधु सोनी,बंशी प्रजापत,पुष्पा प्रजापत आदि खादी भंडार महिला मित्र मंडल की सदस्य उपस्थित रही।

रायसराना के ग्रामीणों ने स्कूल ग्राउंड की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (नि.स.)। कोटपूतली बहरोड जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल को रायसराना के ग्रामीणों ने घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र की कंपनी हैवेल्स में पहुंचकर सवाई चक भूमि को स्कूल के खेल मैदान के नाम से करने की मांग लेकर ज्ञापन दिया। ग्रामीण विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रायसराना के खेल मैदान की भूमि जो सवाई चक में है ।जमीन को सवाई चक भूमि से खेल मैदान में कन्वर्ट (नाम रिकॉर्ड में दर्ज)करने की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र की हैवेल्स कंपनी के कार्यक्रम में पहुंची जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि सवाई चक भूमि को स्कूल के नाम किया जाए। इस अवसर पर विक्रम सिंह चौहान, रणजीत सिंह चौहान, सूबेदार मुखराम, सूबेदार रणधीर, कैलाश चंद शर्मा हवलदार प्रताप सिंह नरेश सिंह राजकुमार यादव सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

कांकड़ भैरव मंदिर में भव्य जागरण का हुवा आयोजन, भजन सम्राट गोकुल शर्मा एंड पार्टी ने भजनों की दी शानदार प्रस्तुतियां

बढ़ता राजस्थान

सरदारशहर (नि.स.)। कांकड़ भैरव मंदिर ,नवोदय विद्यालय ,बीकानेर रोड सरदारशहर में भव्य जागरण का आयोजन हुआ।इसमें सर्वप्रथम सभी मुख्य अतिथियों एवं उपस्थित पत्रकारों का स्वागत जिसमें मधुसूदन राजपुरोहित प्रधान प्रतिनिधि राजकरण चौधरी नगर परिषद चेयरमैन राजेंद्र राजपुरोहित(अध्यक्ष विकास मंच)रवि अग्रवाल (समाजसेवी)सुनील मिश्रा हंसराज सिद्ध महावीर भाट अंजु भाट राजेश पारीक रमेश कड़ेल मुकेश राव (अध्यक्ष कांकड़ भैरव सेवा समिति) कुलदीप राव शुभकरण पारीक, ष्नारायण पारीक(एडवोकेट)दलीप कुमार(मामा), भरत गौड़, वरुण शर्मा , संजय प्रजापत, मुन्ना लाल राव ,चैनरुप , गजेंद्र सिंह चौहान, पवन सैनी आदि का भव्य स्वागत मंदिर के पुजारी भक्त सुरेश राव के द्वारा किया गया। उसके पश्चात किशन राव गायक कलाकार के द्वारा जागरण में शानदार प्रस्तुति के साथ प्रारंभ किया गया उसके बाद भजन सम्राट गोकुल शर्मा एंड पार्टी चित्तौड़गढ़ के द्वारा जागरण में शानदार भजनों के द्वारा शमा बांध दी गई भक्त भजन सुनकर नाचते झूमते हुए जागरण का देर रात तक आनंद लेते रहे ।

भजन सम्राट गोकुल शर्मा चित्तौड़गढ़ एण्ड पार्टी ने भैरू बाबा के भजनों की ऐसी समा बांधी जिससे भक्तगण अपने स्थान से देर रात तक अपना स्थान छोड़ ही नहीं पाए। जागरण में इंटरनेशनल ट्रंम्पलेट प्लेयर आमिर भियानी सैक्सोफोन प्लेयर भरत शर्मा के द्वारा भी शानदार प्रस्तुति दी गई। जागरण में बाबा भैरवनाथ के भंडारे की व्यवस्था भी समिति द्वारा की गई जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया । कार्यक्रम के दौरान ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठन परशुराम रक्षक दल के सदस्यों के द्वारा गोकुल शर्मा एंड पार्टी और गायक कलाकारों का सम्मान माला दुपट्टा व प्रतिक चिन्ह देकर किया गया। भैरू बाबा के भव्य जागरण में मनीराम भाट, विकास भाट, अमित कुमार, शुभकरण पारीक अशोक पारीक, सुरेंद्र शर्मा, मुरली बोचीवाल , सुशील पारीक, मदन लाल बबेरवाल, धर्मपाल जोशी, राजेंद्र तिवाड़ी ,मनीष पांडिया ताराचंद शर्मा रुस्तम खान संजय मीणा विनोद राव बनवारीलाल शंकरलाल पारीक कालीचरण पारीक मांगीलाल पारीक किशन हरिओम मांगीलाल सेवदा नरेंद्र सिंह महेंद्र वैद्य और अनेकों भैरव भक्त भी इस भव्य जागरण में उपस्थित रहे कांकड़ भैरव मंदिर के पुजारी सुरेश राव व समिति सदस्यों द्वारा आए हुए सभी अतिथियों एवं भक्तगणों का आभार व्यक्त किया मंच का संचालन लीलाधर दानोदिया द्वारा किया गया।

निम्बाहेड़ा में वीर तेजाजी महाराज की दशमी पर भव्य जुलुस का स्वागत

निम्बाहेड़ा(नि.स.)। निम्बाहेड़ा तहसील के गांव बिनोता मे वीर तेजाजी महाराज की दशमी के अवसर पर गांव बिनोता मे निकले जुलुस का स्वागत किया गया। नया बस स्टैंड पर स्थित बालाजी गारमेंट्स के बाहर किया गया। बालाजी गारमेंट्स के मालिक परसराम कुमावत ने भोपाजी को साफा बंधवाकर जुलुस पर पुष्प वर्षा कर जुलुस का स्वागत किया गया। इस दौरान जुलुस के साथ पधारे वीर तेजाजी के भक्त, भाजपा कार्यकर्त्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

दौलताबाद किला 12 वीं शताब्दी में निर्मित महाराष्ट्र के सात अजूबों में से एक

देश के किसी भी राज्य का इतिहास उठाकर देख लीजिये आपको हर राज्य में कोई न कोई प्रसिद्ध और ऐतिहासिक इमारत, महल या किला ज़रूर मिल जायेगा। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश या फिर महाराष्ट्र शहर ही क्यों न हो। इन हर राज्यों में कोई न कोई विश्व प्रसिद्ध फोर्ट का निर्माण प्राचीन काल से लेकर मध्यकाल में ज़रूर हुआ है। महाराष्ट्र में स्थित दौलताबाद का किला भी इसी क्रम में एक विश्व प्रसिद्ध फोर्ट है, जिसे महाराष्ट्र में सात अजूबों में से एक कहा जाता है। प्राचीन संरचना, अद्भुत नक्काशी और हरियाली के बीच में स्थित यह किला महारष्ट्र में घूमने के लिए सबसे परफेक्ट जगह है।

किले का इतिहास

अगर आप घूमने के साथ-साथ इतिहास में दिलचस्पी रखते हैं, तो दौलताबाद फोर्ट आपके लिए एक बेस्ट जगह हो सकती है। साल 1187 में यादव वंश द्वारा निर्मित यह किला पूरे महाराष्ट्र के लिए सात अजूबों में से एक है। इसका निर्माण और इसकी नक्काशी ही इसे सात अजूबों में शामिल करती है। मध्यकाल में इस किले को सबसे अधिक सुरक्षित किला समझा जाता था। हालांकि, इस किले का नियंत्रण दिल्ली में मौजूद उस समय के शासक तुगलक वंश के अधीन था। दिल्ली से ही इस किले पर हुकूमत चलाई जाती थी। तुगलक वंश ने कई वर्षों तक इस किले को राजधानी के रूप में भी इस्तेमाल किया। हालांकि, शहर में पानी की कमी के चलते बहुत जल्दी ही इस किले को छोड़कर तुगलक वंश चले गए।

किले का निर्माण

मध्यकाल में इस किले को पूरे महाराष्ट्र के लिए सामरिक और शक्तिशाली निर्माण के लिए जाना जाता था। इस किले का कुछ इस तरह निर्माण किया गया कि कोई भी दुश्मन इस किले पर आक्रमण नहीं कर सकता था। इस किले को लगभग 200 मीटर की ऊंचाई पर एक बड़े से चट्टान को काटकर निर्माण किया गया है। दुश्मन को इस किले पर चढ़ने के लिए कई दिन क्या है, कई महीने लग जाते थे। शायद यहीं वजह रहा है कि आज तक इस किले पर कोई भी आक्रमण नहीं कर सका। इस किले के चारों तरफ बड़े-बड़े खाई भी खोद कर उसमें मगरमच्छों को छोड़ा जाता था ताकि शत्रु अन्दर नहीं आ सके।

किले की टाइमिंग और एंट्री फ़ीस

अगर आप महाराष्ट्र घूमने के लिए जा रहे हैं, तो आपको यहां ज़रूर घूमने के लिए जाना चाहिए। यह किला महाराष्ट्र के साथ-साथ पर्यटकों के लिए भी एक बेहतरीन पिकनिक की जगह है। बरसात के मौसम में यहां हजारों सैलानियों की भीड़ लगी रहती है। यहां आप सोमवार से रविवार सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के बीज कभी भी घूमने के लिए जा सकते हैं। एंट्री फ़ीस की बात करें तो भारतीय सैलानियों के लिए 10 रुपये और विदशी सैलानियों के लिए 100 रुपये रखा गया है। आपको बता दें कि यहां विदेशी सैलानी भी भारी संख्या में घूमने के लिए आते हैं।

आसपास घूमने की जगह

ऐसा नहीं है कि इस किले के आसपास घूमने के लिए कोई जगह नहीं है। बल्कि, इस किले के आसपास एक से एक बेहतरीन जगह है घूमने के लिए। किले से कुछ ही दूरी पर स्थित घृष्णेश्वर मन्दिर, बानी बेगम गार्डन, सलीम अली झील और औरंगजेब का मकबरा जैसी कई जगह है घूमने के लिए। आप इन जगहों पर कभी भी घूमने के लिए जा सकते हैं। यहां आप घूमने के साथ-साथ मुगलाई और हैदराबादी व्यंजनों का भी मजेदार लुत्फ़ उठा सकते हैं। प्रसिद्ध रेस्तरां-तंदूर रेस्टोरेंट एंड बार और चाइना टाउन आदि जगहों पर भी खाने के लिए जा सकते हैं।

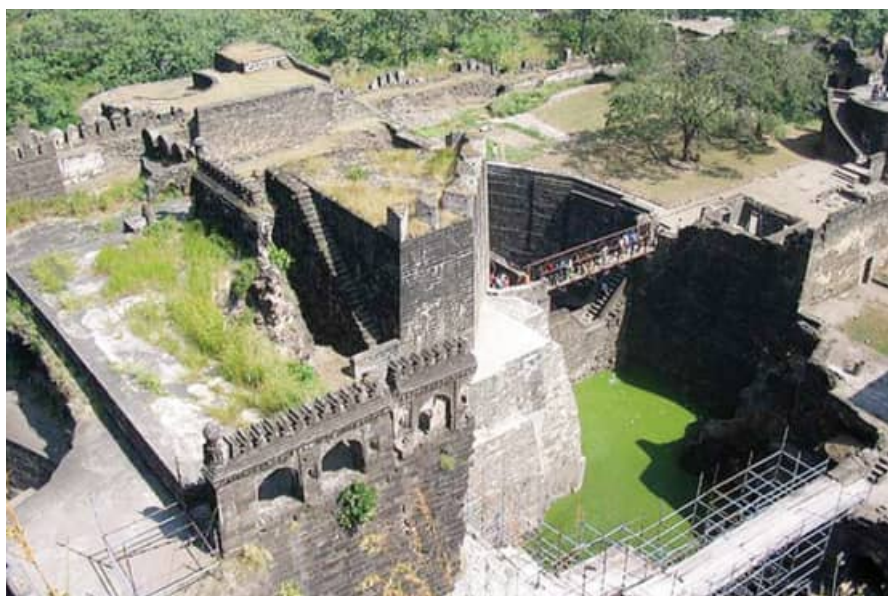

क्या सच में भारत के इस फोर्ट में आज भी छुपा है अरबों का खजाना?

भारत के कुछ राज्यों को प्राचीन और फेमस फोर्ट्स का घर बोला जाए तो कोई गलत बात नहीं है। राजस्थान देश का एक ऐसा राज्य है, जहां हर शहर में एक से एक विश्व प्रसिद्ध फोर्ट्स और महल मौजूद हैं। राजस्थान के अलावा मध्य प्रदेश, गुजरात, दिल्ली या फिर हिमाचल प्रदेश में भी कई प्राचीन और फेमस फोर्ट्स मौजूद हैं। सुजानपुर टीरा फोर्ट भी भारत का एक ऐसा फोर्ट है, जिसे काफी प्राचीन फोर्ट माना जाता है। सुजानपुर टीरा फोर्ट को लेकर यह दावा किया जाता है कि यह फोर्ट रहस्यमयी कहानियों के साथ-साथ खजाना से भरा हुआ है।

सुजानपुर टीरा फोर्ट कहा है

सुजानपुर टीरा फोर्ट हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में मौजूद है। यह हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर शहर से करीब 22 किमी की दूरी पर मौजूद है और फोर्ट से कुछ ही दूरी पर कांगड़ा सीमा भी लगती है। सुजानपुर टीरा फोर्ट का इतिहास करीब 260 साल प्राचीन बताया जाता है।

सुजानपुर टीरा फोर्ट का इतिहास

सुजानपुर टीरा फोर्ट का इतिहास 17वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि इस भव्य फोर्ट का निर्माण कांगड़ा के कटोच राजवंश के राजा अभय चंद द्वारा करवाया गया था।

सुजानपुर टीरा फोर्ट को लेकर कहा जाता है कि निर्माण के बाद करीब एक साल तक यह फोर्ट टोच राजवंश के लिए शाही निवास बना रहा। इसके बाद 19वीं शताब्दी में यह फोर्ट राजा संसार चंद का निवास स्थान भी था।

क्या सच में फोर्ट में छुपा है अरबों का खजाना

सुजानपुर टीरा फोर्ट को लेकर कहा जाता है कि यहां अरबों का खजाना छुपा है, लेकिन आज तक कोई इस खजाने को खोज नहीं पाया है। दरअसल, कई लोगों का मानना है कि राजा संसार चंद आज भी फोर्ट के किसी हिस्से में मौजूद है, लेकिन किसी को नहीं पता है कि आखिर यह खजाना किस साइड है। कई लोगों का मानना है कि फोर्ट के अंदर एक सुरंग हुआ करती थी, जिसकी लम्बाई करीब 5 किलोमीटर है और इस सुरंग को आज तक कोई खोज नहीं पाया। ऐसे माना जाता है कि इसी सुरंग के अंदर राजा संसार चंद का खजाना हुआ करता था। हालांकि, कई लोगों ने सुरंग खोजने की कोशिश की, लेकिन आज तक कोई भी खोज नहीं पाया। कई लोगों का यह भी मानना है कि राजा संसार चंद लूटे हुए खजाने को छुपाने के लिए सुरंग का इस्तेमाल करते थे।

रहस्य से भरा है सुजानपुर टीरा फोर्ट

सुजानपुर टीरा फोर्ट सिर्फ अरबों का खजाना के लिए ही नहीं, बल्कि कई रहस्यमयी कहानियों के लिए भी जाना जाता है। कहा जाता है कि सूरज ढलते ही इस फोर्ट के आसपास से अजीब-अजीब आवाजे आने लगती है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस फोर्ट पर किसी न किसी रूहानी ताकतों की साया है। इसलिए सूरज ढलते ही इस फोर्ट के आसपास कोई भी घूमने के लिए नहीं जाता है। आपको बता दें कि मौजूदा समय में फोर्ट का कुछ हिस्सा खंडहर में तब्दील हो चुका है।

सैलानियों के लिए बेहद खास है सुजानपुर टीरा फोर्ट

यह सच है कि सुजानपुर टीरा फोर्ट रहस्यमयी कहानियों के लिए जाना जाता है, लेकिन ऐसा नहीं यहां पर्यटक घूमने के लिए नहीं पहुंचते हैं। सुजानपुर फोर्ट के आसपास मौजूद अद्भुत नजारे किसी भी पर्यटक को दीवाना बना सकते हैं। पहाड़ की चोटी पर स्थित होने के चलते सुजानपुर टीरा फोर्ट स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों को भी आकर्षित करता है। मानसून या सर्दी के मौसम में फोर्ट से आसपास का नजारा देखते ही बनता है। इस मौसम में फोर्ट बादलों से भी ढक जाता है।

बेंगलुरु में फ्री में ही उठा सकते हैं इन चीजों का मजा

बेंगलुरु को भारत की सिलिकॉन वैली भी कहा जाता है। इसे लोग भारत के आईटी हब के रूप में जानते हैं। यह एक ऐसा शहर है, जहां पर हर किसी के लिए कुछ ना कुछ है। यहां पर शानदार शॉपिंग मॉल से लेकर कई ऐतिहासिक प्लेस को देखने का मौका मिलेगा। अमूमन जब लोग बेंगलुरु आते हैं तो यहां की कई पॉपुलर चीजों को एक्सपीरियंस करना चाहते हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें काफी पैसे खर्च करने पड़ते हैं।

बेंगलुरु स्ट्रीट आर्ट की करें प्रशंसा

अगर आप बेंगलुरु में सुपर टैलेंटेड आर्टिस्ट की कला को देखना चाहते हैं तो आपको यहां के स्ट्रीट आर्ट को जरूर देखना चाहिए। खासतौर से, अगर आप सेंट मार्क रोड या कोरमंगला में हैं, तो आपको इसके आसपास दीवारों पर बेहद ही खूबसूरत म्यूरल्स देखने को मिलेंगे जो आपको बेंगलुरू की एक नई तस्वीर को दिखाएंगे। बता दें कि ये कलाकार सृष्टि इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट और कर्नाटक चित्रकला परिषद जैसे इंस्टीट्यूट से हैं। इन्होंने खाली जगहों, बेजान कोनों, बोरिंग गलियों और फ्लाईओवरों को अपनी अद्भुत कलाकृति से जीवंत कर दिया है।

इस्कॉन मंदिर में करें भक्ति

अगर आप बेंगलुरु में घूमते समय आध्यात्मिकता के रस में पूरी तरह से डूबना चाहते हैं तो ऐसे में आपको यहां में इस्कॉन मंदिर के दर्शन अवश्य करने चाहिए। इस्कॉन मंदिर भगवान कृष्ण (भगवान कृष्ण मंत्र)को समर्पित एक अद्भुत मंदिर है। मंदिर परिसर पूजा स्थान होने के साथ-साथ एक कल्चर सेंटर के रूप में भी कार्य करता है। यहां पर आने वाले टूरिस्ट शांत वातावरण में असीम सुख का अनुभव कर सकते हैं। मंदिर पूरे वर्ष कई कल्चरल इवेंट और फेस्टिवल का आयोजन करता है।

देखें बैंगलोर पैलेस

यूं तो बैंगलोर पैलेस में प्रवेश के लिए शुल्क है, लेकिन आप आसपास की जगहों का आनंद बिल्कुल मुफ़्त में ले सकते हैं। इस महल का निर्माण ट्यूडर शैली में किया गया था। यह पैलेसे देखने में किसी परी कथा के भव्य महल जैसा दिखता है। बाहर से आगंतुक महल की भव्यता का आनंद ले सकते हैं और खूबसूरत तस्वीरें खींच सकते हैं।

कब्बन पार्क में घूमें

कब्बन पार्क बेंगलुरु में एक लोकप्रिय पार्क है, जो शहर की हलचल से आपको शांत वातावरण प्रदान करता है। यह पार्क 300 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला है। जॉगर्स, हाइकर्स और प्रकृति प्रेमी सभी इस स्थान को पसंद करते हैं। अगर आप बेंगलुरु में घूमते हुए कुछ पल शांति के साथ बिताना चाहते हैं तो आपको यहां पर घूमना चाहिए।

अट्टा गलाट्टा में किताबों के साथ बिताएं समय

अगर आपको किताबें पढ़ने का शौक है तो यकीनन अट्टा गलाट्टा में समय बिताना आपके लिए काफी अच्छा है। बस आप यहां पर आएं और अपनी पसंदीदा किताब पढ़ने के लिए बैठ जाएं। यहां पर कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, हिंदी, बंगाली और अंग्रेजी में 10,000 से अधिक किताबें हैं, जो अमूमन बेचने के लिए है। लेकिन यहां पर एक सेक्शन है, जहां पर बहुत सी किताबें रखी हैं, जो विशेष रूप से पढ़ने के लिए ही हैं। यह स्थान वीकेंड के दौरान कविता, किताब पढ़ने, कहानी कहने, थिएटर, फिल्म स्क्रीनिंग और बच्चों की वर्कशॉप्स जैसी एक्टिविटीज के साथ जीवंत हो उठता है।

गुजरात के इस अद्भुत हिल्स के आगे नैनीताल और शिमला भी लगता है फीका

भारत के पश्चिम में मौजूद गुजरात देश का एक प्रमुख राज्य है। अपनी जीवंत संस्कृति और प्राचीन विरासत के अलावा विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक जगहों के लिए दुनिया भर में फेमस है। गुजरात में स्थित रन ऑफ कच्छ, सोमनाथ मंदिर, द्वारका, गांधीनगर, गिर नेशनल पार्क, जूनागढ़ और स्टैचू ऑफ यूनिटी जैसी चर्चित जगहों को देखने और घूमने के लिए हर दिन हजारों लोग पहुंचते हैं। खंभात की खाड़ी के पास में स्थित विल्सन हिल्स भी गुजरात की एक ऐसी जगह है जो हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को मात देती है।

विल्सन हिल्स की खासियत के बारे में

विल्सन हिल्स में घूमने की जगहों के बारे में जानने से पहले इसकी खासियत के बारे में जान लेते हैं। विल्सन हिल्स गुजरात का एक बेहतरीन हिल स्टेशन माना जाता है। यह खूबसूरत हिल्स वलसाड के पास है। विल्सन हिल्स की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि इसे कई लोग हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से तुलना करते हैं। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घने जंगल, ठंडी हवाएं और समुद्र का किनारा इसकी खूबसूरती में चार चांद लगते हैं। यहां का मौसम भी एकदम सुहावना होता है।

विल्सन हिल्स में घूमने की जगहें

प्रकृति के बीच में मौजूद विल्सन हिल्स में घूमने के लिए एक से एक बेहतरीन और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। इन जगहों पर घूमने के बाद गुजरात की अन्य जगहों को भूल जाएंगे।

ओजोन घाटी : विल्सन हिल्स की खूबसूरती को करीब से देखने की बात होती है, तो सबसे पहले ओजोन घाटी का नाम जरूर शामिल रहता है। ओजोन घाटी की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि इसे कई लोग गुजरात का नैनीताल यह शिमला मानते हैं। विल्सन हिल्स से करीब 5 मिनट की दूरी पर मौजूद ओजोन घाटी एक व्यू पॉइंट के नाम से भी जाना जाता है। ओजोन घाटी विल्सन हिल्स की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करता है। इस घाटी में असीम हरियाली और अद्भुत नजारों को निहार सकते हैं।

विल्सन हिल्स कैसे पहुंचें : विल्सन हिल्स पहुंचना बहुत आसान है। गुजरात के किसी भी शहर से विल्सन हिल्स आसानी से पहुंच सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विल्सन हिल्स सूरत से 130 किमी, धरमपुर से 27 किमी, वलसाड से 60 किमी, सापुतारा से 120 किमी और मुंबई से करीब 250 किमी दूर है।

बिलपुड़ी ट्विन वॉटरफॉल

विल्सन हील्स में मौजूद बिलपुड़ी ट्विन वॉटरफॉल एक छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यह वॉटरफॉल स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूर-दराज पर्यटकों के बीच भी कभी फेमस है। घने जंगल और छोटे-बड़े पहाड़ों के बीच में मौजूद बिलपुड़ी ट्विन वॉटरफॉल पिकनिक स्थल के रूप में भी काफी फेमस माना जाता है। वॉटरफॉल को लेकर कहा जाता है कि जब 30 फीट की ऊंचाई से पानी गिरता है वॉटरफॉल की खूबसूरती देखने लायक होती है।

लेडी विल्सन म्यूजियम

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विल्सन हिल्स को लेकर कहा जाता है कि तत्कालीन समय में मुंबई के गवर्नर नाम लार्ड विल्सन था और उन्हीं के नाम पर इस हिल्स का नाम रखा गया। अगर आप विल्सन हिल्स का इतिहास जानना चाहते हैं, तो फिर लेडी विल्सन म्यूजियम घूमने जा सकते हैं। यहां आप लेडी विल्सन और लार्ड विल्सन से सम्बंधित चीजों को देख सकते हैं। हसीन पहाड़ों में मौजूद लेडी विल्सन म्यूजियम पर्यटकों के लिए खास स्थान माना जाता है।

भारत के स्वत्व की पहचान है हिन्दी

हमारी संस्कृति के कई बिन्दु ऐसे हैं, जिसे सुनकर या देखकर हम सभी को गौरव की अनुभूति होती है। उसमें से एक है हमारी हिन्दी भाषा। जो हमारे मूल से प्रस्फुटित है। सही मायनों में हिन्दी भारत का गौरव गान है। जिसे हम जितना आचरण में लाएंगे, उतना ही हम सांस्कृतिक रूप से समृद्ध होते जाएंगे। यह सर्वकालिक सत्य है कि कोई भी देश अपनी भाषा में ही अपने मूल स्वत्व को प्रकट कर सकता है। निज भाषा देश की उन्नति का मूल होता है। निज भाषा को नकारना अपनी संस्कृति को विस्मरण करना है। जिसे अपनी भाषा पर गौरव का बोध नहीं होता, वह निश्चित ही अपनी जड़ों से कट जाता है और जो जड़ों से कट गया उसका अंत हो जाता है। भारत का परिवेश नि:संदेह हिंदी से भी जुड़ा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि हिंदी भारत का प्राण है, हिंदी भारत का स्वाभिमान है, हिंदी भारत का गौरवगान है।

आज हम जाने अनजाने में जिस प्रकार से भाषा के साथ मजाक कर रहे हैं, वह अभी हमें समझ में नहीं आ रहा होगा, लेकिन भविष्य के लिए यह अत्यंत दुखदायी होने वाला है। वर्तमान में प्राय: देखा जा रहा है कि हिंदी की बोलचाल में अंग्रेजी और उर्दू शब्दों का समावेश बेखटके हो रहा है। इसे हम अपने स्वभाव का हिस्सा मान चुके हैं, लेकिन हम विचार करें कि क्या यह हिंदी के शब्दों की हत्या नहीं है? हम विचार करें कि जब भारत में अंग्रेजी नहीं थी, तब हमारा देश किस स्थिति में था। हम अत्यंत समृद्ध थे, इतने समृद्ध कि विश्व के कई देश भारत की इस समृद्धि से जलन रखते थे। इसी कारण विश्व के कई देशों ने भारत की इस समृद्धि को नष्ट करने का तब तक षड्यंत्र किया, जब तक वे सफल नहीं हो गए। हमें एक बात ध्यान रखना होगा कि हम अंग्रेजी को केवल एक भाषा के तौर पर स्वीकार करें। भारत के लिए अंग्रेजी केवल एक भाषा ही है। जब हम हिंदी को मातृभाषा का दर्जा देते हैं तो यह भाव हमारे स्वभाव में प्रकट होना चाहिये। हिंदी हमारा स्वत्व है। इसलिए कहा जा सकता है कि हिंदी हृदय की भाषा है। भाषाओं के मामले में भारत को विश्व का सबसे बड़ा देश निरूपित किया जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। भारत दक्षिण के राज्यों में अपनी एक भाषा है, जिसे हम विविधता के रूप में प्रचारित करते हैं। कभी-कभी यह भी देखा जाता है कि राजनीतिक कारणों के प्रभाव में आकर दक्षिण भारत के कुछ लोग हिंदी का विरोध करते हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में जो भाषा बोली जाती है, उसका हिंदी भाषियों ने सदैव सम्मान किया है। भाषा और बोली तौर पर भारत की एक विशेषता यह भी है कि चाहे वह दक्षिण भारत का राज्य हो या फिर उत्तर भारत का, हर प्रदेश का नागरिक अपने शब्दों के उच्चारण मात्र से यह प्रदर्शित कर देता है कि वह किस राज्य का है। प्राय: सुना भी होगा कि भाषा को सुनकर हम उसका राज्य या अंचल तक बता देते हैं। यह भारत की बेहतरीन खूबसूरती ही है। जहां तक राष्ट्रीयता का सवाल आता है तो हर देश की पहचान उसकी भाषा भी होती है। हिंदी हमारी राष्ट्रीय पहचान है। दक्षिण के राज्यों के नागरिकों की प्रादेशिक पहचान के रूप में उनकी अपनी भाषा हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय पहचान की बात की जाए तो वह केवल हिंदी ही हो सकती है। हालांकि आज दक्षिण के राज्यों में हिंदी को जानने और बोलने की उत्सुकता बढ़ी है, जो उनके राष्ट्रीय होने को प्रमाणित करता है। आज पूरा भारत राष्ट्रीय भाव की तरफ कदम बढ़ा रहा है। हिंदी के प्रति प्रेम प्रदर्शित हो रहा है। आज हमें इस बात पर भी मंथन करना चाहिए कि भारत में हिंदी दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। भारत में अंग्रेजी दिवस और उर्दू दिवस क्यों नहीं मनाया जाता। इसके पीछे यूं तो कई कारण हैं, लेकिन वर्तमान का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि आज हम स्वयं ही हिंदी के शब्दों की हत्या करने पर उतारू हो गए हैं। ध्यान रखना होगा कि आज जिस प्रकार से हिंदी के शब्दों की हत्या हो रही है, कल पूरी हिंदी भाषा की भी हत्या हो सकती है। हम विचार करें कि हिंदी भारत के स्वर्णिम अतीत का हिस्सा है। हिंदी हमारी संस्कृति का हिस्सा है। ऐसा हम अंग्रेजी के बारे में कदापि नहीं बोल सकते। आज हिंदी को पहले की भांति वैश्विक धरातल प्राप्त हो रहा है। विश्व के कई देशों में हिंदी के प्रति आकर्षण का आत्मीय भाव संचरित हुआ है। वे भारत के बारे में गहराई से अध्ययन करना चाह रहे हैं। विश्व के कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में हिंदी के पाठ्यक्रम संचालित किए जाने लगे हैं। विश्व के कई देशों के नागरिक हिंदी के प्रति अनुराग दिखा रहे हैं। इतना ही नहीं आज विश्व के कई देशों में हिंदी के संस्करण प्रकाशित हो रहे हैं। जो वैश्विक स्तर पर हिंदी की समृद्धि का प्रकाश फैला रहे हैं। भारत के साथ ही सूरीनाम फिजी, त्रिनिदाद, गुआना, मॉरीशस, थाईलैंड व सिंगापुर में भी हिंदी वहां की राजभाषा या सह राजभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुकी है। इतना ही नहीं आबूधाबी में भी हिंदी को तीसरी आधिकारिक भाषा की मान्यता मिल चुकी है। आज विश्व के लगभग 44 ऐसे देश हैं जहां हिंदी बोलने का प्रचलन बढ़ रहा है। सवाल यह है कि जब हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ रही है, तब हम अंग्रेजी के पीछे क्यों भाग रहे हैं।

हिन्दी दिवस पर विशेष

राष्ट्रीय एकता का सूत्र है हिंदी

किसी भी देश की पहचान उसकी भौगोलिक स्थिति के साथ ही उसकी अपनी भाषा से भी होती है। कारण, किसी देश की विशेषताओं का वर्णन उसकी भाषा में जिस रूप में मिलती है, वह दूसरी भाषा से नहीं हो सकती है। भाषा सिर्फ अभिव्यक्ति का ही माध्यम नहीं होती है, वह राष्ट्रीयता का भी प्रतिनिधित्व करती है। कहा गया है कि वही भाषा जीवित रहती है, जिसका प्रयोग जनता करती है। भारत में लोगों के बीच संवाद का सबसे बेहतर माध्यम हिन्दी है। इसलिए इसको एक-दूसरे में प्रचारित करना चाहिये। इस कारण हिन्दी दिवस के दिन उन सभी से निवेदन किया जाता है कि वे अपने बोलचाल की भाषा में भी हिंदी का ही उपयोग करें। हिंदी भाषा के प्रसार से पूरे देश में राष्ट्रीय एकता की भावना और मजबूत होगी। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा विविध संस्कृतियों वाला देश है। धर्म, परंपराओं और भाषा में इसकी विविधताओं के बावजूद यहां के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। भाषाई विविधता के बीच एकता का सूत्र हिंदी ही है, जो भारत की सबसे प्रमुख भाषाओं में शामिल है। भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में हिंदी भाषा तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन सबसे ज्यादा हिंदी भाषा बोली, लिखी व पढ़ी जाती है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा में हिंदी को हमारे देश में सर्वोच्च दर्जा प्राप्त हुआ और तब से हिंदी को हमारी राष्ट्रभाषा माना जाता है। भारतीय संविधान के आधार पर, अनुच्छेद 343 के अनुसार, हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया था। हमारी भाषा हिंदी और देश के प्रति सम्मान दिखाने के लिए ही प्रति वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

भारत सदैव से विश्व गुरु माना गया है, बीच में कुछ कालखंड ऐसे रहे जहां भारत अपनी राजनीतिक परिस्थितियों में घिर गया था। किंतु, वह आज फिर विश्व गुरु बनने की राह पर चल पड़ा है ठीक इसी प्रकार हिंदी की पकड़ विश्व स्तर पर हो गई है। इसके पाठकों के माध्यम से हिंदी भाषा का विस्तार हो रहा है। आज विदेशी लोग भी व्यापार करने के लिए भारत की ओर ताक रहे हैं। ऐसी स्थिति में वह हिंदी भाषा का गहन अध्ययन कर रहे हैं। आए दिन शोध में यह पाया जा रहा है कि हिंदी भाषा का निरंतर गुणात्मक रूप से विकास हो रहा है। अत: इनकी आबादी और पाठकों की संख्या अधिक होने के कारण विदेशी भी भारत की ओर अपनी संभावनाएं तलाश रहे हैं। आज के तकनीकी युग में अंग्रेजी और चीनी भाषा के बाद हिंदी ही सबसे लोकप्रिय भाषा मानी जा रही है। हिंदी भाषा और साहित्य की वर्तमान में वैश्विक स्तर पर मांग बहुत बढ़ गई है। हिंदी भाषा और साहित्य व्यक्ति के जीवन से जुड़ा हुआ है। उसमें हर्ष, विषाद, संवेदना सभी प्रकार के भाव निहित होते हैं। हिंदी साहित्य मानवीय संवेदनाओं को प्रकट करने में सक्षम है। इस भाषा और साहित्य को पढ़कर यह महसूस करते हैं कि यह हूबहू हमारे सामने हमारी आंखों के दृश्य को प्रकट कर रहा है।कुछ लोग राजनीतिक स्वार्थ के कारण हिंदी और भारतीय भाषाओं के बीच विभेद पैदा करना चाहते हैं, ताकि क्षेत्रीय भावना उभारकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकते रहें। सच्चाई तो यह है हिंदी को भारतीय भाषाओं से मजबूती मिली है और भारतीय भाषाओं को खूबसूरती हिंदी से मिली है। हिंदी को किसी भाषा से विरोध नहीं है, बल्कि हिंदी और भारतीय भाषाएं एक दूसरे के पूरक हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्ववाली सरकार में बनी नई शिक्षानीति में सभी भारतीय भाषाओं को समुचित स्थान दिया गया है। अब छात्र चिकित्सा और अभियंत्रण की पढ़ाई भी हिंदी और अपनी-अपनी मातृभाषाओं में कर सकेंगे। वैसे तो हिंदी के विकास और सम्मान की बात हर कोई करते रहे, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से इसका सम्मान और स्थान जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी ने ही दिया है। आजादी के तीस साल बाद जब भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी भारत के विदेश मंत्री बने तब विश्वपटल पर हिंदी आई। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी में भाषण देकर हिंदी को स्थान और सम्मान दिलाया। केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के कारण हिंदी भाषा और हिंदी दिवसों को महत्व और मान्यता देने की दिशा में वृद्धि हुई है। इसका प्रमाण है कि भोपाल में विशाल विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया था। उस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था कि अंग्रेजी, हिंदी और चीनी डिजिटल दुनिया पर शासन करने जा रहे हैं, ताकि भाषा के महत्व पर जोर दिया जा सके। तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने भी हिंदी के वैश्विक प्रसार को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र में हिंदी के लिए आधिकारिक भाषा का दर्जा लेने का मुद्दा उठाया था। वर्तमान गृहमंत्री अमित शाह भी हिंदी के हिमायती हैं और वे सभी कार्यक्रमों में हिंदी में ही अपना भाषण देकर हिंदी को सम्मान दे रहे हैं। हाल ही में संसदीय राजभाषा समिति के सदस्यों के साथ राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मिलकर समिति द्वारा तैयार खण्ड-11 सौंपा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेशों में भी हिंदी में भाषण देकर अपनी भाषा का मान और सम्मान बढ़ाया है। मोदी सरकार, हिंदी को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव काम कर रही है। 14 सिंतबर, 2017 को राजभाषा विभाग द्वारा नई दिल्ली के विज्ञान भवन में भव्य हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने देशभर के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों एवं कार्यालयों के प्रमुखों को राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा था कि हिन्दी अनुवाद की नहीं बल्कि संवाद की भाषा है। किसी भी भाषा की तरह हिन्दी भी मौलिक सोच की भाषा है।

हिन्दुस्तान की सांस है हिंदी

हिन्दी हमेशा से हिन्दुस्तान की पहचान रही है। कहा जाये तो हिन्दुस्तान एक देश है और इसकी सांस है हिन्दी, बिना सांस (हिंदी) के हिन्दुस्तान में निवास करना और यहां की संस्कृति को बनाये रखना मुश्किल है। इसलिये हिन्दुस्तान देश में हिन्दी की अपनी महत्वता है, जिसे हिन्दुस्तान देश से कभी नहीं मिटाया जा सकता। हिंदी हमेशा से ज्ञान और भाव की भाषा रही है, तभी दुनिया में बुध्दिमत्ता के मामले में हिन्दुस्तानियों का डंका पिटता रहा है। हिंदी सदा दुनियां में प्रेम के भाव से बोली जाने वाली भाषा है। हिंदी शब्द है हमारी आवाज का हमारे बोलने का जो कि हिन्दुस्तान में बोली जाती है। आज देश में जितनी भी क्षेत्रीय भाषाएँ हैं, उन सबकी जननी हिंदी है। और हिंदी को जन्म देने वाली भाषा का नाम संस्कृत है। जो कि आज देश में सिर्फ प्रतीकात्मक रूप से हिंदी माध्यम के स्कूलों में एक विषय के रूप में पढाई जाती है। आज देश के लिए इससे बडी विडम्बना क्या हो सकती है कि जिस भाषा को हम अपनी राष्ट्रीय भाषा कहते हैं, आज उसका हाल भी संस्कृत की तरह हो गया है। जिस तरफ देखो उस तरफ अंग्रेजी से हिंदी और समस्त भारतीय भाषाओं को दबाया जा रहा है। चाहे आज देश में इंटरमीडिएट के बाद जितने भी व्यावसायिक पाठयक्रम हैं, सब अंग्रेजी में पढाये जाते हैं। अगर देश की शिक्षा ही देश की राष्ट्रीय भाषा में नहीं है तो हिंदी जिसे हम अपनी राष्ट्रीय भाषा मानते है। जिसे हम एक दूसरे का दुख दर्द बांटने की कडी मानते है। उसका प्रसार कैसे हो पायेगा। कहा जाये तो हिन्दी बिना हिन्दुस्तान अधूरा है।

देश की एकता और अखण्डता को बनाये रखनें में हिन्दी का अहम योगदान है। आज हिन्दी सिनेमा विश्व में एक अहम स्थान रखता है। बॉलीवुड की पहचान भी हिन्दी से ही है। हिन्दी की वजह से ही बॉलीवुड में हजारों लोगों को रोजगार मिलता है। हिन्दी भाषा सिर्फ वार्तालाप और संचार का ही माध्यम नहीं है बल्कि यह देश में रोजगार के सृजन का भी माध्यम है। आज हिन्दी सिनेमा से लेकर हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं, समाचार-पत्रों, और सोशल मीडिया पर हिन्दी का बोलबाला है, जो कि देश में लाखों रोजगार पैदा करते हैं। आज इंटरनेट पर भीप करोड़ों लोग हिंदी का अनुसरण करते हैं, इसलिए आज हिन्दुस्तान में सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, गूगल प्लस) भी अपना रूपांतरण हिंदी में कर चुका है और करोड़ों लोग फेसबुक तय ट्विटर में अपने विचार हिंदी में साझा करते हैं। आज विदेशी वेबसाइटें भी अपना हिंदी संस्करण हिन्दुस्तान में प्रारंभ कर रहीं है क्योंकि उनको पता है कि हिन्दुस्तान में अगर उनको टिकना है तो हिंदी को बढ़ावा देना ही होगा। महात्मा गांधी हिन्दी भाषी नहीं थे लेकिन वे जानते थे कि हिन्दी ही देश की संपर्क भाषा बनने के लिए सर्वथा उपयुक्त है। उन्हीं की प्रेरणा

से राजगोपालाचारी ने दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का गठन किया था। देशभर में हिन्दी पढ़ना गौरव की बात मानी जाती थी। महात्मा गांधी जी ने 1916 में क्रिश्चियन एसोसिएशन आफ मद्रास की एक सभा में स्पष्ट रूप से कहा था कि धर्मान्तरण राष्ट्रान्तरण है। उन्होंने हरिजन में लिखा था ''यदि मैं तानाशाह होता तो अंग्रेजी की पुस्तकों को समुद्र में फेंक देता और अंग्रेजी के अध्यापकों को बर्खास्त कर देता।''

सच तो यह है कि ज़्यादातर भारतीय अंग्रेज़ी के मोहपाश में बुरी तरह से जकड़े हुए हैं। आज स्वाधीन भारत में अंग्रेज़ी में निजी पारिवारिक पत्र व्यवहार बढ़ता जा रहा है काफ़ी कुछ सरकारी व लगभग पूरा ग़ैर सरकारी काम अंग्रेज़ी में ही होता है, दुकानों वगैरह के बोर्ड अंग्रेज़ी में होते हैं, होटलों रेस्टारेंटों इत्यादि के मेनू अंग्रेज़ी में ही होते हैं। ज़्यादातर नियम कानून या अन्य काम की बातें, किताबें इत्यादि अंग्रेज़ी में ही होते हैं, उपकरणों या यंत्रों को प्रयोग करने की विधि अंग्रेज़ी में लिखी होती है, भले ही उसका प्रयोग किसी अंग्रेज़ी के ज्ञान से वंचित व्यक्ति को करना हो। अंग्रेज़ी भारतीय मानसिकता पर पूरी तरह से हावी हो गई है। हिंदी (या कोई और भारतीय भाषा) के नाम पर छलावे या ढोंग के सिवाय कुछ नहीं होता है। माना कि आज के युग में अंग्रेज़ी का ज्ञान ज़रूरी है, क्योकि अंग्रेजी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है।

कई सारे देश अपनी युवा पीढ़ी को अंग्रेज़ी सिखा रहे हैं जिसमे एक भारत देश भी है पर इसका अर्थ ये नहीं है कि उन देशों में वहाँ की भाषाओं को ताक पर रख दिया गया है और ऐसा भी नहीं है कि अंग्रेज़ी का ज्ञान हमको दुनिया के विकसित देशों की श्रेणी में ले आया है। सिवाय सूचना प्रौद्योगिकी के हम किसी और क्षेत्र में आगे नहीं हैं और सूचना प्रौद्योगिकी की इस अंधी दौड़ की वजह से बाकी के प्रौद्योगिक क्षेत्रों का क्या हाल हो रहा है वो किसी से छुपा नहीं है। सारे विद्यार्थी प्रोग्रामर ही बनना चाहते हैं, किसी और क्षेत्र में कोई जाना ही नहीं चाहता है। क्या इसी को चहुँमुखी विकास कहते हैं? दुनिया के लगभग सारे मुख्य विकसित व विकासशील देशों में वहाँ का काम उनकी भाषाओं में ही होता है। यहाँ तक कि कई सारी बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अंग्रेज़ी के अलावा और भाषाओं के ज्ञान को महत्व देती हैं। केवल हमारे यहाँ ही हमारी भाषाओं में काम करने को छोटा समझा जाता है। हिंदी भारत का मान है, कहा जाये तो हिन्दी के बिना हिन्दुस्तान की कल्पना करना निरर्थक है।

आज हमारे देश में अंग्रेजी माध्यम के स्कूल कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे हैं। बचपन में हम सुना करते थे कि सोवियत रूस में नियुक्त राजदूत विजय लक्ष्मी पंडित जो कि प्रधानमंत्री नेहरू की सगी बहन थीं, ने रूस के राजा स्टालिन को अपना पहचानपत्र अंग्रेजी में भेजा। उन्होंने स्वीकार करने से इंकार कर दिया और पूछा कि क्या भारत की अपनी कोई भाषा है या नहीं। उन्होंने फिर हिन्दी में परिचय पत्र भेजा तब उन्होंने मिलना स्वीकार किया। अंग्रेजी व्यापार की भाषा है जरूर लेकिन वह ज्ञान की भाषा नहीं। सबसे अधिक ज्ञान-विज्ञान तो संस्कृत में है जिसे भाषा का दर्जा दिया जाना महज औपचारिकता भर रह गया है।

आज जरूरत है हमारी सरकार को हिंदी का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करना चाहिए। जैसे कि चीन अपनी भाषा को प्रोत्साहन दे रहा है। वैसे ही भारत देश को अपनी भाषा को प्रोत्साहन देना होगा। और जितने भी देश में सरकारी कामकाज होते है वो सब हिंदी में होने चाहिए। और हिंदी में उच्च स्तरीय शिक्षा के पाठयक्रम को क्रियान्वित करने की जरूरत है। सभी जानते हैं कि अंग्रेजी एक अंतर्राष्ट्रीय भाषा है। मैं अपने विचार से कहना चाहूँगा की अग्रेजी सभी को सीखना चाहिए लेकिन उसे अपने ऊपर हमें कभी हावी नहीं होने देना है, अगर अंग्रेजी हमारी ऊपर हावी हो गयी तो हम अपनी भाषा और संस्कृति सब को नष्ट कर देंगे। इसलिए आज से ही सभी को हिंदी के लिए कोशिश जारी कर देनी चाहिए।

अगर हमने शुरुआत नहीं की तो हमारी राजभाषा एक दिन संस्कृत की तरह प्रतीकात्मक हो जायेगी। जिसके जिम्मेदार और कोई नहीं हम लोग होंगे। अंग्रेजी भाषा की मानसिकता आज हम पर, खासकर हमारी युवा पीढ़ी पर इतनी हावी हो चुकी है कि हमारी अपनी भाषाओं की अस्मिता और भविष्य संकट में है। इसके लिए हमें प्रयास करने होंगे। और इसके लिए जरूरत है कि हमें अंग्रेजी को अपने दिलो-दिमाग पर राज करने से रोकना होगा, तभी हिंदी आगे बढ़ेगी और राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त की यह घोषणा साकार होगी।

है भव्य भारत ही हमारी मातृभूमि हरी-भरी
हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा और लिपि है नागरी।

हिन्दी की महानता के प्रचार-प्रसार का अवसर है विश्व हिन्दी दिवस

इंटरनेट पर हिन्दी का दायरा ब्लॉग्स को लांघ चुका है। हिन्दी अखबारों की वेबसाइट्स ने करोड़ों नए हिन्दी पाठकों को अपने साथ जोड़कर हिन्दी को और समृद्ध बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंटरनेट पर हिन्दी के बढ़ते चलन से माना जा रहा है कि अगले साल तक हिन्दी में इंटरनेट उपयोग करने वालों की संख्या अंग्रेजी में इसका उपयोग करने वालों से ज्यादा हो जाएगी। सर्च इंजन गूगल का मानना है कि हिन्दी में इंटरनेट पर सामग्री पढ़ने वाले प्रतिवर्ष 94 फीसदी बढ़ रहे हैं जबकि अंग्रेजी में यह दर हर साल 17 फीसदी घट रही है। गूगल के अनुसार 2021 तक इंटरनेट पर 20.1 करोड़ लोग हिन्दी का उपयोग करने लगेंगे। यह हिन्दी के प्रचार-प्रसार और वैश्विक स्वीकार्यता का ही परिणाम है कि आज हिन्दी अपनी तमाम प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए लोकप्रियता का आसमान छू रही है। आज दुनिया के 176 विश्वविद्यालयों में हिन्दी विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। हिन्दी वहां अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की भाषा भी बन चुकी है। अमेरिका के ही 30 से भी ज्यादा विश्वविद्यालयों में भाषायी पाठ्यक्रमों में हिन्दी को महत्वपूर्ण दर्जा मिला हुआ है। दक्षिण प्रशान्त महासागर के देश फिजी में तो हिन्दी को राजभाषा का आधिकारिक दर्जा मिला हुआ है। फिजी में इसे 'फिजियन हिन्दी' अथवा 'फिजियन हिन्दुस्तानी' भी कहा जाता है, जो अवधी, भोजपुरी और अन्य बोलियों का मिला-जुला रूप है। विश्व में लगभग 6900 मातृभाषा बोली जाती हैं, जिनमें से 35-40 फीसदी अपने अस्तित्व के संकट से गुजर रही हैं। विश्वभर की भाषाओं का इतिहास रखने वाली संस्था 'एथ्नोलॉग' के अनुसार चीनी और अंग्रेजी भाषा के बाद हिन्दी दुनियाभर में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा है। पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, सूरीनाम, त्रिनिदाद, मॉरीशस, युगांडा, गुयाना, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, यूएई, साउथ अफ्रीका में हिंदी बोलने वालों की संख्या बढ़ी है। अमेरिका के अलावा यूरोपीय देशों, एशियाई देशों और खाड़ी के देशों में भी हिन्दी का तेजी से विकास हो रहा है। रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी साहित्य पर लगातार शोध हो रहे हैं। हिन्दी साहित्य का जितना अनुवाद रूस में हुआ है, उतना शायद ही दुनिया में किसी अन्य भाषा के ग्रंथों का हुआ हो। हिन्दी को विश्व आर्थिक मंच की गणना

के अनुसार विश्व की 10 शक्तिशाली भाषाओं में से एक माना गया है। 'लैंग्वेज यूज इन यूनाइटेड स्टेट्स- 2011' रिपोर्ट में कहा गया है कि हिन्दी अमेरिका में बोली जाने वाली शीर्ष 10 भाषाओं में से एक है, जहां इसे बोलने वालों की संख्या साढ़े छह लाख से भी अधिक है। अमेरिकी कम्युनिटी सर्वे की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका में हिन्दी सौ फीसदी से अधिक तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है। विश्वभर में हिन्दी की बढ़ती स्वीकार्यता का ही असर है कि वर्ष 2017 में ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में भी पहली बार 'अच्छा', 'बड़ा दिन', 'बच्चा' और 'सूर्य नमस्कार' जैसे हिन्दी शब्दों को सम्मिलित किया गया। अमेरिका की 'ग्लोबल लैंग्वेज मॉनीटर' संस्था ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि अंग्रेजी भाषा में करीब 10 लाख शब्द हैं, वहीं हिन्दी में करीब 1 लाख 20 हजार शब्दों का समृद्ध कोष है। हिन्दी शब्द कोष में लगातार वृद्धि हो रही है। तकनीकी रूप से हिन्दी को और ज्यादा उन्नत, समृद्ध तथा आसान बनाने के लिए अब कई सॉफ्टवेयर भी हिन्दी के लिए बन रहे हैं। भारत में हर साल 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। नागपुर में 10 जनवरी 1975 को पहली बार विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था। सम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इसके बाद मॉरीशस, यूनाइटेड किंगडम, त्रिनिदाद, संयुक्त राज्य अमेरिका आदि में भी विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत में प्रतिवर्ष 'विश्व हिन्दी दिवस' मनाए जाने की घोषणा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने वर्ष 2006 में की थी। 10 जनवरी का दिन इसलिए तय किया गया क्योंकि पहली बार इसी दिन विश्व हिन्दी सम्मेलन आयोजित किया गया था। विश्व हिन्दी दिवस सही मायने में हिन्दी की महानता के प्रचार-प्रसार का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर जहां विदेश मंत्रालय की ओर से विदेशों में स्थित भारत दूतावासों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, वहीं प्रवासी भारतीय और भारतीय मूल के लोग भी अपने-अपने देशों में हिन्दी के सम्मान में तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित करते हैं। आज भले ही हमारे देश में ही कुछ लोग हिन्दी के उपयोग को लेकर कभी-कभार बेवजह का विवाद खड़ा कर अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास करते दिखते हैं लेकिन हर भारतीय के लिए गर्व की बात यह है कि दुनियाभर में अब हिन्दी को चाहने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनसम्पर्क के लिए हिन्दी को ही सबसे उपयोगी भाषा मानते थे। वर्ष 1917 का एक ऐसा किस्सा सामने आता है, जब कलकत्ता में कांग्रेस अधिवेशन के मौके पर बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रभाषा प्रचार संबंधी कॉन्फ्रेंस में अंग्रेजी में भाषण दिया था और गांधी जी ने उनका वह भाषण सुनने के पश्चात् उन्हें हिन्दी का महत्व समझाते हुए कहा था कि वह ऐसा कोई कारण नहीं समझते कि हम अपने देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में बात न करें। गांधी जी ने कहा था कि अपने लोगों के दिलों तक हम वास्तव में अपनी ही भाषा के जरिये पहुंच सकते हैं। हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाती है। दुनियाभर में आज 75 करोड़ से भी ज्यादा लोग हिन्दी बोलते हैं और जिस प्रकार वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी की स्वीकार्यता निरन्तर बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह कहना असंगत नहीं होगा कि अब वह दिन ज्यादा दूर नहीं, जब हमारी राजभाषा हिन्दी चीन की राजभाषा चीनी को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच जाएगी। विश्वभर में हमारी हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री 'बॉलीवुड' का नाम है। हर साल करीब डेढ़ हजार फिल्में बनती हैं और ये फिल्में भारत के अलावा विदेशों में भी खूब पसंद की जाती हैं। यही कारण है कि बॉलीवुड सितारे अक्सर अपनी फिल्मों के प्रचार-प्रसार के लिए अब विदेशों में शो आयोजित करने लगे हैं। यूएई में हिन्दी एफएम चैनल वहां के लोगों की खास पसंद है। आज दुनिया का हर वह कोना, जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां हिन्दी धूम मचा रही है। एशियाई देशों में अपनी व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भी हिन्दी के प्रचार-प्रसार पर खास ध्यान देने लगी हैं।

दैनिक
बढ़ता राजस्थान
www.badhatarajasthan.in
RNI NO. RAJHIN/2010/35060

"विद्या एक ऐसा धन है, जो समाज में आपके सम्मान का विस्तार करता है।
-हर्षित विजयवर्गीय, बढ़ता राजस्थान

गोविंद देवजी मंदिर में मनाई जाएगी जल झूलनी एकादशी

चांदी के खाट पर विराजमान होंगे ठाकुर श्री शालिग्राम भगवान, लाल रंग का नटवर वेश धारण कराया जाएगा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जयपुर के आराध्य मंदिर श्री गोविंद देवजी में शनिवार को जल झूलनी एकादशी झूलन महोत्सव के रूप में मनाई जाएगी। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि जलझूलनी एकादशी पर्व पर ठाकुर श्रीजी को सुबह मंगला झांकी के बाद पंचामृत अभिषेक किया जाएगा।

उसके बाद भगवान को नई लाल रंग का नटवर वेश और विशेष श्रृंगार धारण कराए जाएंगे। मंदिर में ग्वाल झांकी के बाद सुबह 4:45 से 5:35 तक जलझूलनी पूजन होगा। इस दौरान ठाकुर श्रीजी के दर्शन पट बंद रहेंगे। महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुर श्री शालिग्रामजी भगवान (नारायण जी) को विशेष छोटी चांदी के खाट पर विराजमान कर मंदिर के दक्षिण पश्चिमी चौक तुलसी मंच पर ले जाया जाएगा। यहां वेद मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक कर चंदन श्रृंगार किया जाएगा। इसके बाद आरती की जाएगी और भोग अर्पण किया जाएगा ।

गहलोत बोले-बीजेपी नेता राहुल की हत्या की बातें कर रहे, नड्डा चुप क्यों हैं

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान दिए गए बयानों पर सियासी विवाद के बाद बीजेपी नेताओं पर पलटवार किया है। गहलोत ने राज्यपालों पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। गहलोत ने कहा- कई राज्यों में देखने में आ रहा है कि गवर्नर हस्तक्षेप करते हैं, राजनीति करते हैं। यह पहली बार देख रहा हूं कि देश के अंदर कई राज्यों में गवर्नर और मुख्यमंत्री के बीच टकराव चलता है। यह उचित परंपरा शुरू नहीं हुई है। गहलोत शुक्रवार को दिल्ली रवाना होने से पहले जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बात कर रहे थे। गहलोत ने कहा- बंगाल की घटना दुर्भाग्यपूर्ण थी। सीबीआई इन्वेस्टिगेशन कर रही है। सुप्रीम कोर्ट मॉनिटरिंग कर रहा है। मैं समझता हूं कि उनके परिणामों का इंतजार करना चाहिए। बाकी घटना बहुत संगीन रही। वहां की पुलिस ने भी ढंग से हैंडल नहीं किया।

बौखला गई बीजेपी, आरक्षण पर झूठ बोल रहे

गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्वीटर (ट्विटर) पर बयान जारी कर कहा- भाजपा की तरफ से 15-20 सालों तक बदनाम करने के प्रयासों के बावजूद राहुल गांधी अब देश की आशा, अपेक्षा का केंद्र बिंदु बन गए हैं। इससे भाजपा इतनी हताश और आक्रामक हो गई है कि देश की राजधानी दिल्ली में भाजपा के नेता खुलेआम राहुल गांधी की हत्या करने की बातें कर रहे हैं। ऐसे बयानों पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की चुप्पी हैरान करने वाली है। यह दिखाता है कि अपनी सत्ता कायम रखने के लिए भाजपा किस हद तक जा सकती है। गहलोत ने कहा- लोकसभा चुनावों में संविधान बदलने और आरक्षण हटाने के इरादे लेकर गई भाजपा को जनता ने अच्छा सबक सिखाया। इसके बावजूद भाजपा आरक्षण पर झूठ बोलने से बाज नहीं आ रही है।

कश्मीर के किश्तवाड़ में एनकाउंटर, सेना का जवान शहीद

तीन अन्य घायल, सुरक्षाबलों ने जैश के तीन आतंकियों को घेरा

बढ़ता राजस्थान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ के चत्तरू में शुक्रवार को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया और तीन घायल हो गए। यहां तीन आतंकियों को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है। मुठभेड़ अभी चल रही है।

इलाके में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया। तभी मुठभेड़ हुई। घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया है।

दो दिन पहले दो आतंकी मारे गए

दो दिन पहले उधमपुर में सुरक्षाबलों से एनकाउंटर में 2 आतंकी मारे गए थे। सेना ने बताया कि आर्मी के फर्स्ट पैरा के जवानों को बुधवार सुबह उधमपुर के खंडरा टॉप के जंगलों में 2-3 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी।

इसके बाद पुलिस के साथ मिलकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। दोपहर 12.50 बजे आतंकियों ने जवानों पर फायरिंग की। जवाब में जवानों ने भी फायरिंग की। करीब चार घंटे चले एनकाउंटर के बाद सुरक्षाबलों ने तीनों आतंकियों को ढेर कर दिया।

18 सितंबर को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की पहले फेज की वोटिंग होनी है। इससे सात दिन पहले उधमपर में एनकाउंटर और सीजफायर का उल्लंघन हुआ है। लिहाजा सुरक्षाबलों को अलर्ट पर रखा गया है। वहीं जम्मू-कश्मीर के अखनूर में 10-11 सितंबर की दरमियानी रात 2:35 बजे पाकिस्तानी जवानों ने बॉर्डर पर सीजफायर का उल्लंघन किया। जवाब में बीएसएफ के जवानों ने भी फायरिंग की। गोलीबारी में बीएसएफ का एक जवान घायल हो गया है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लगाई तेजाजी महाराज की फेरी

पत्नी भी रहीं साथ, ज्योति मिर्धा पदयात्रा कर पहुंचीं; बेनीवाल काफिले के साथ रवाना

बढ़ता राजस्थान

नागौर (एजेंसी)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नागौर के खरनाल में तेजाजी मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उनके साथ उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ भी मौजूद रहीं। इससे पहले वे खरनाल में हेलिपेड पर पहुंचे तो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत समेत भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत किया।

उपराष्ट्रपति व उनकी पत्नी ने तेजाजी मंदिर में दर्शन कर फेरी लगाई। अखिल भारतीय वीर तेजाजी जन्मस्थली संस्थान के पदाधिकारियों ने उपराष्ट्रपति व उनकी पत्नी को प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिर्धा, पूर्व विधायक मोहनराम चौधरी, रिछपाल मिर्धा, श्रीराम भींचर, भाजपा जिलाध्यक्ष रामनिवास सांखला, रेवंतराम डांगा, पांचला सिध्दा महंत सूरजनाथ महाराज मौजूद रहे।

उप राष्ट्रपति अखिल भारतीय वीर तेजाजी जन्मस्थली संस्थान के पदाधिकारियों से मुलाकात की। खरनाल के तेजाजी मंदिर में दर्शन करके उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ वापस हेलिपेड पर पहुंचे। यहां से वायुसेना के विशेष हेलिकॉप्टर से वे शाम 3.30 बजे के करीब सुरसुरा के लिए निकल गए। उनके साथ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व सांसद डॉ. ज्योति मिर्धा भी सुरसुरा के लिए निकलीं। वीआईपी मूवमेंट के चलते एक घंटे तक श्रद्धालु दर्शन नहीं कर सके।

रालोपा सुप्रीमो नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल भी काफिले के साथ नागौर से खरनाल के लिए रवाना हुए। सांसद बेनीवाल खरनाल पहुंचकर तेजाजी के दर्शन करेंगे। वे यहां होने वाल धर्म सभा में हिस्सा ले सकते हैं। सांसद हनुमान बेनीवाल शाम 7 बजे तक खरनाल रहेंगे।

नागौर के खरनाल में सत्यवादी वीर तेजाजी महाराज की जन्मस्थली है। आज तेजाजी के निर्वाण दिवस के अवसर पर यहां तेजाजी का विशाल मेला लगा है। श्रद्धालुओं के जत्थे गुरुवार से ही खरनाल पहुंचना शुरू हो गए थे। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में तेजाजी के भक्त खरनाल में दर्शन के लिए उमड़ रहे हैं।

पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा ने खरनाल तक की पदयात्रा

खरनाल मंदिर कमेटी और पुलिस-प्रशासन की ओर से पुख्ता व्यवस्था की गई है। पूर्व सांसद व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिर्धा ने आज नागौर से खरनाल तक पदयात्रा की। तेजाजी महाराज के निर्वाण दिवस पर भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व सांसद डॉ. ज्योति मिर्धा ने आज सुबह 8 बजे नागौर से खरनाल तक पदयात्रा शुरू की।

पदयात्रा में डॉ. मिर्धा के साथ बड़ी तादाद में जनप्रतिनिधि और समर्थक तेजाजी के जयकारे लगाते हुए खरनाल के लिए निकले। डॉ. मिर्धा के साथ चल रहे लोगों को खरनाल तक पहुंचने में करीब 4 घंटे 35 मिनट लगे।

हरियाणा में वसुंधरा-भजनलाल-पूनिया सहित 5 नेताओं को बनाया स्टार-प्रचारक

दलितों को साधने की जिम्मेदारी अर्जुनराम मेघवाल पर, डिप्टी सीएम दिया कुमारी का बढ़ाया कद

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। हरियाणा में विधानसभा चुनावों को देखते हुए स्टार प्रचारकों की सूची जारी हो गई हैं। 40 नेताओं की इस लिस्ट में प्रदेश के 5 नेताओं को भी जगह दी गई हैं। जम्मू-कश्मीर के बाद हरियाणा में भी सीएम भजनलाल शर्मा को स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया हैं। वहीं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया और उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को स्टार प्रचारक बनाया गया हैं। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर अब ये नेता पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। जातिगत और क्षेत्रीय समीकरण के लिहाज़ से अलग-अलग सीटों पर इनकी सभाएं और रैलियां आयोजित की जाएगी।

दलित वोट बैंक को साधेंगे अर्जुनराम मेघवाल

प्रदेश से मोदी मंत्रिमंडल में 4 नेता शामिल हैं। लेकिन हरियाणा चुनाव में केवल एक केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी मिली हैं। इसकी वज़ह है हरियाणा में जाटों के बाद सबसे बड़ा दलित वोट बैंक। शुरू से ही अर्जुनराम मेघवाल को पार्टी बड़े दलित नेता के रूप में प्रोजेक्ट करती आई है। पिछले कार्यकाल में पीएम मोदी ने मेघवाल को कानून मंत्री बनाकर यह मैसेज देने की कोशिश की थी कि बाबा साहेब अंबेडकर के बाद किसी सरकार ने पहली बार देश में दलित कानून मंत्री बनाया हैं। वहीं इस बार भी अर्जुनराम मेघवाल को कानून मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब पार्टी ने दलित वोट बैंक को साधने के लिए अर्जुनराम मेघवाल को हरियाणा भेजा हैं।

सीमावर्ती जिलों की जिम्मेदारी वसुंधरा-भजनलाल को

पड़ौसी राज्य होने की वजह से सीएम भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पर हरियाणा बॉर्डर के 7 जिलों में आने वाली विधानसभा सीटों पर प्रचार की जिम्मेदारी होगी। राजस्थान से हरियाणा के 7 जिले सीमा साझा करते है। ये जिले सिरसा, फतेहबाद, हिसार, भिवाणी, महेन्द्रगढ़, रेवाडी और मेवात है। इन जिलों में प्रवासी राजस्थानी भी बड़ी संख्या में रहते है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि क्या वसुंधरा राजे हरियाणा चुनावों में प्रचार के लिए जाएगी। यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि लोकसभा चुनावों में भी राजे स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल थी। उन्होंने खुद को झालावाड़-बारां लोकसभा सीट तक ही सीमित रखा।

स्टार प्रचारक बनाकर दिया कुमारी का कद बढ़ाया

प्रदेश की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को भी हरियाणा में स्टार प्रचारक बनाया गया हैं। हरियाणा में करीब आधा दर्जन सीटों पर राजपूत वोटर निर्णायक भूमिका में हैं। ऐसे में संभवत प्रदेश का बड़ा राजपूत चेहरा होने की वजह से उन्हें जगह मिली है। लेकिन चर्चा यह भी है कि पार्टी ने दिया कुमारी को स्टार प्रचारक बनाकर उनका बढ़ाने की कोशिश की हैं। क्योंकि राजपूत चेहरे के रूप में तो वसुंधरा राजे भी इन सीटों पर प्रचार की जिम्मेदारी दी जा सकती थी। वहीं हरियाणा के प्रदेश प्रभारी और जाट नेता सतीश पूनिया को भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया हैं।

रीट पेपर लीक के आरोपी पाराशर-मीणा की प्रॉपर्टी कुर्क

जयपुर। राजस्थान में करीब तीन साल पहले (26 सितंबर 2021) हुए रीट पेपर लीक मामले में ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है। ईडी ने रीट पेपर लीक केस के मुख्य आरोपी प्रदीप पाराशर और रामकृपाल मीणा के प्रॉपर्टी को कुर्क किया है। इन दोनों के पास रामकृपाल मीणा और प्रदीप पाराशर के पास कुल करीब 26.59 लाख रुपए चल-अचल संपत्ति मिली है। ईडी ने आरोपियों के बैंक अकाउंट से मिले करीब 11 लाख रुपए भी जब्त किए हैं। करीब 2 महीने पहले ईडी ने प्रदीप पाराशर को गिरफ्तार किया था। इन दोनों के साथ जिन तीन लोगों ने अभ्यर्थियों को लीक पेपर पढ़वाया था, उनके भी खातों से कैश जब्त किया गया है।

मौसम : डिग्गी कल्याणजी मंदिर पर गिरी बिजली

बुलेट पर ले गए मगरमच्छ; 7 जिलों में तेज बरसात का अलर्ट, चंबल खतरे के निशान के ऊपर बह रही

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। बंगाल की खाड़ी से आए वेदर सिस्टम ने राजस्थान के पूर्वी हिस्से को तरबतर कर दिया। भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधोपुर, बारां, दौसा समेत कई जिलों में बीते दो दिन से लगातार तेज बारिश हुई।

सवाई माधोपुर, धौलपुर में भारी बारिश के कारण कई कस्बों और गांवों में जलभराव की स्थिति हो गई। सवाई माधोपुर के खंडार में एक धार्मिक स्थल का निर्माणधीन हिस्सा पास के मकान पर गिर गया। मलबे में दबने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं, धौलपुर में चंबल नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। वहीं, गुरुवार शाम जयपुर के नजदीक डिग्गी कल्याणजी मंदिर के ऊपर ही बिजली गिर गई, गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। जयपुर के आमेर सागर बांध से मगरमच्छ निकलकर भैरव मंदिर में पहुंच गया। लोगों की नजर जैसे ही मगरमच्छ पर पड़ी इधर-उधर भागने लगे।

सूचना पर वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन कर मगरमच्छ को पकड़ा और बुलेट पर रखकर नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क छोड़ा गया। मौसम केंद्र ने प्रदेश के 7 जिलों में आज भी तेज बारिश का अलर्ट जारी किया। राजस्थान में इस मानसून सीजन में अब तक सामान्य से 61 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। वहीं 14 से 16 सितंबर तक राजस्थान में बारिश की गतिविधियों में कमी आएगी और कुछ स्थानों पर छुटपुट, जबकि कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

मंदिर में पहुंचा मगरमच्छ

जयपुर के आमेर सागर बांध से मगरमच्छ निकलकर भैरव मंदिर में पहुंच गया। लोगों की नजर जैसे ही मगरमच्छ पर पड़ी इधर-उधर भागने लगे। सूचना पर वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन कर मगरमच्छ को पकड़ा और बुलेट पर रखकर नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क छोड़ा गया।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र
मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण
किफायती मुद्रण लागत

Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com